जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 88 प्रभात जालोर, शनिवार 5 जुलाई, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'लंगड़े बारात के घोड़े, ''रेस हॉर्स'' बनना चाहते हैं'

राहुल की इस शिकायत से कई पुराने नेता अति नाखुश, पर बेबस हैं

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 जुलाई। राहुल गांधी ने अपनी पार्टी के उन जनरलों (वरिष्ठ नेताओं), जिन्होंने वर्षों तक वफादारी और समर्पण के साथ पार्टी की सेवा की है, के प्रति असभ्य भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें ''लंगड़े घोड़े'' कहा, जो अब बूढ़े, बीमार और संगठन के लिए बेकार हो चुके हैं, जिन्हें अब हटा कर 'चरागाह' में भेज दिया जाना चाहिए। इस पर पार्टी के अंदर जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई।

पार्टी के नेता और कार्यकर्ता इस टिप्पणी से न केवल आहत हैं, बल्कि गुस्से और दुख से भी भर उठे हैं। पार्टी से लंबे समय से जुड़े मझोले स्तर के कार्यकर्ता ने राहुल गांधी की भाषा और शब्दों के चयन को घमंड से भरा तथा एक नेता के लिए अनुपयुक्त करार दिया।

एक अन्य कार्यकर्ता ने यह पूछ लिया कि क्या वे (राहुल) यही शब्द अपनी मां और बहन के लिए भी इस्तेमाल करेंगे, क्योंकि एक ने रिटायरमेंट ले लिया है और दूसरी को कुछ वर्षों से कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

- पर इतना जरुर हुआ है कि दबी ज़ुबान से सवाल भी पूछे जाने लगे हैं, राहुल गांधी के बारे में।
- जब राहुल, पुराने ''अनफिट'' नेताओं के रिटायरमैंट की बात करते हैं तो सोनिया गांधी का नाम लेने लगे हैं लोग, क्योंकि वे काफी अर्से से बीमार चल रही हैं, पर आखिरी निर्णय में उनकी काफी चलती है।
- जिन लोगों को राहुल रिटायर देखना चाहते हैं, उनमें कमलनाथ, अशोक गहलोत, भूपेन्द्र हुड्डा का नाम ऊपर ही ऊपर है।
- जो, अपने आप रिटायर कर दिये गये उनमें टॉप में नाम है जनार्दन द्विवेदी का, जनार्दन द्विवेदी एक तरह से सोनिया गांधी के ''मैंटर'' जैसे थे, पर, उन्होंने अकारण एक स्टेटमैंट दे दिया कि राजीव गांधी ने उनसे कहा था कि दोनों भाई-बहन में प्रियंका ज्यादा उपयुक्त हैं, राजनीति के लिए। इस वक्तव्य के बाद वो कांग्रेस के रंगमंच से गायब से ही हो गये थे।
- इसी प्रकार गहलोत, हाईकमान के खिलाफ बगावत करने के कारण, ''साइड लाइन्ड'' हैं और लगातार कोशिशों के बावजूद, ''एंट्री'' नहीं पा सके हैं।

जब से राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की कमान संभाली है, पार्टी में नेताओं की तीन श्रेणियां उभर कर सामने आई हैं: वे, जिन्हें दरकिनार कर दिया गया है, वे जिन्हें जबरन रिटायर कर दिया गया है, और वे, जो पार्टी के संचालन के तौर-तरीकों से नाखुश होकर पार्टी छोड़ गये हैं।

सबसे पहला नाम, जिसकी चर्चा पार्टी में होती है, वह है प्रियंका गांधी का। वे हाईकमान का हिस्सा मानी जाती हैं, लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें एक तरह से निष्क्रिय कर दिया है। वे कहने को तो एआईसीसी की महासचिव हैं, लेकिन उनके पास न कोई विभाग है, न कोई जिम्मेवारी। उनके करीबी लोग पार्टी पदों से हटा दिए गए हैं और अन्य लोग भी उनसे दूर हो गए हैं, क्योंकि अब उन्हें लगता है कि प्रियंका उनके करियर में कोई मदद नहीं कर सकतीं।

ऐसे नेताओं की सूची लंबी है। जनार्दन द्विवेदी, जिन्हें सोनिया गांधी का राजनीतिक गुरु तक माना जाता था, ने एक बार सार्वजनिक रूप से कह दिया था कि राजीव गांधी ने उनसे कहा था कि प्रियंका गांधी राजनीति में राहुल से अधिक उपयुक्त हैं तथा वो राजनीति में अच्छा काम कर सकती हैं। उसी दिन से द्विवेदी का पतन शुरू हो गया और वे पूरी तरह हाशिए पर चले गए।

अशोक गहलोत, जो पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं तथा तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भगवान को न्याय में देखें जजों में नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत नई दिल्ली-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को लोगों से यह सलाह दी कि वे भगवान को न्यायाधीशों में न ढूंढ़े बल्कि न्याय में ढूंढ़े। जस्टिस एमएम सुंद्रेश ने यह टिप्पणी उस समय की, जब एक वकील ने कोर्ट में कहा, ''जज हमारे लिए भगवान की तरह होते हैं।'

न्यायमूर्ति सुंद्रेश ने स्पष्ट किया कि न्यायधीश सिर्फ विनम्र सेवक होते हैं और उन्होंने कहा, ''हम में भगवान की न तलाश करें, न्याय में भगवान की तलाश करें। हम केवल विनम्र सेवक हैं।''

- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुंद्रेश ने एक मामले की सुनवाई के दौरान उस समय यह टिप्पणी की जब वकील ने कहा कि जज हमारे लिए भगवान की तरह होते हैं।

यह टिप्पणी एक वकील द्वारा एक नोटिस पर आपत्ति जताए जाने के बाद आई, जिसमें यह दावा किया गया था कि वकीलों ने न्यायधीशों को फिक्स किया था। वकील ने उस नोटिस को ''अपमानजनक'' बताया।

जस्टिस सुंद्रेश ने कहा, कृपया भावुक न हों। जज के तौर पर हमें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता।''

पिछले साल, भारत के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने भी यह स्पष्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका व भारत के बीच टैरिफ समझौते की सम्भावना लगभग समाप्त

केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने वाशिंगटन में पत्रकारों से कहा, भारत ''डैड लाइन'' के दबाव में वाणिज्य समझौते नहीं करता है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौता, जिसे अमेरिका द्वारा 9 जुलाई से शुरू किए जाने वाले ''रैसिप्रोकल टैरिफ'' से पहले अंतिम रूप दिया जाना था, अब फिलहाल टलता हुआ नजर आ रहा है।

राष्ट्रपति पद के अपने दूसरे कार्यकाल के आरंभ के तुरंत बाद, डॉनल्ड ट्रंप ने विश्व के विभिन्न देशों पर ''रैसिप्रोकल टैरिफ'' लगाने की घोषणा की थी, जिसमें भारत पर भी 25 प्रतिशत शुल्क लगाया गया था, जो 9 जुलाई से लागू होना है।

वॉशिंगटन में केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा पत्रकारों को दिया गया यह बयान, कि भारत किसी डैडलाइन के दबाव में व्यापार समझौते नहीं करता, इस बात का संकेत है कि यह बातचीत अब लम्बे समय तक चल सकती है। भारत यह संदेश देना चाहता था कि उसे दबाव डालकर किसी समझौते के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। भारत सरकार के सर्वोच्च स्तर

- जैसा की विदित ही है, दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प ने घोषणा की थी, कि 9 जुलाई से अमेरिका भारत से आयातित सभी सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगायेगा।
- टैरिफ समझौता वार्ता टूटने का आभास इस बात से भी मिलता है, कि, भारत ने डब्ल्यु.टी.ओ. में कहा है कि अमेरिका द्वारा भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा, एक तरफा निर्णय है, और गलत है।
- अमेरिका ने चीन को चेतावनी दी थी, कि ''रेअर अर्थ'' ख़निज की सप्लाई अमेरिका को तुरन्त शुरू करे अन्यथा कई सख्त आर्थिक प्रतिबन्ध लगाने पड़ेंगे। इसके बाद चीन ने निर्यात शुरू कर दिया था।
- अमेरिका, भारत से भी यह उम्मीद कर रहा था। पर, पिछले दिनों पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसीफ मुनीर के भड़काऊ भाषणों के बाद पहलगाम नरसंहार हुआ, तथा अमेरिका ने मुनीर को भारी सम्मान दिया उनकी की यात्रा के दौरान।

से स्वीकृति के बिना सार्वजनिक रूप से इस रुख की घोषणा नहीं की जा सकती थी।

इस बीच, भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के डिस्प्यूट ट्रिब्युनल में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुंभलगढ़ जिले में मोहर्रम जुलूस की अनुमति का विवाद गहराया

किले में प्रवेश बंद, सैंकड़ों पर्यटक वापस लौटे, बाज़ार पूरा बंद रहा

उदयपुर, 4 जुलाई। (कासं)। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ किले में मोहर्रम के जुलूस की अनुमति को लेकर विवाद अब और अधिक गहराता जा रहा है। शुक्रवार को भी हालात यथावत ही बने रहे। किले में किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, बाजार आज भी बंद रहे और स्थानीय बसों का संचालन भी पूरी तरह ठप्प है। विवाद के कारण बाहर से आने वाले पर्यटक भी किला नहीं देख पा रहे हैं जिससे पर्यटन प्रभावित हुआ है और स्थानीय व्यापारियों में नाराजगी है। हिंदू संघर्ष समिति ने मोहर्रम के जुलूस को दी गई अनुमति को लेकर विरोध जताते हुए आज भी प्रदर्शन किया गया।

समिति का कहना है कि जब पुरातत्व विभाग के नियमों के अनुसार शाम पांच बजे के बाद किले में प्रवेश की अनुमति नहीं होती तो मोहर्रम के ताजियों को शाम को किले में जाने की अनुमति कैसे दी गई। समिति ने इस पर

- हिन्दू संघर्ष समिति का कहना है कि जब पुरातत्व के नियमों के अनुसार, शाम पाँच बजे के बाद किले में प्रवेश की अनुमति नहीं होती तो मोहर्रम के ताजियों को शाम को किले में जाने की अनुमति कैसे दी गई। समिति ने इसे धार्मिक आयोजनों पर दोहरा मापदंड बताया।

कड़ी आपत्ति जताई और धार्मिक आयोजनों में दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। गुरुवार को हिंदू संघर्ष समिति के आव्हान पर बड़ी संख्या में लोग कुंभलगढ़ बस स्टैंड पर एकत्र हुए और किले की ओर मार्च किया। रास्ते में टायर जलाकर प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। इस दौरान किले में प्रवेश पर रोक को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में तीखी नोकझोंक भी हुई। संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासन ने कुंभलगढ़ में भारी पुलिस बल तैनात किया है।

इस बीच कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड भी प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस पूरे विवाद की जड़ पुरातत्व विभाग की गलती है। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले केलवाड़ा में भी मोहर्रम के रूट को बदला गया था तो यहां भी ऐसा किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन इस मामले में समुचित समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इधर हिंदू संघर्ष समिति ने साफ कर दिया है कि जब तक मोहर्रम जुलूस की अनुमति वापस नहीं ली जाती तब तक कुंभलगढ़ का बाजार अनिश्चितकाल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोचिंग विद्यार्थियों की आत्महत्या पर सुनवाई जुलाई के अंत में

जयपुर, 4 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों के आत्महत्या करने से जुड़े मामले में सुनवाई जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में रखी है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में समान मामला लंबित बताया जा रहा है। वहां 17 जुलाई को

- सुप्रीम कोर्ट का इस बिंदु पर रुख स्पष्ट होने तक हाई कोर्ट ने सुनवाई टाली।

सुनवाई होनी है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट उच्च शिक्षा को लेकर मामला सुन रहा है या कोचिंग छात्रों के बिंदु पर प्रकरण की सुनवाई कर रहा है। ऐसे में 17 जुलाई को होने वाली सुनवाई के बाद इसकी स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। इसलिए प्रकरण की सुनवाई जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में करना उचित होगा। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सात हाईकोर्ट्स में 36 न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने दो दिन तक 54 उम्मीदवारों का इटरव्यू लेकर यह नियुक्तियां की हैं

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 जुलाई। न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया में बड़े बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने इस सप्ताह की शुरुआत में दो दिन तक 54 उम्मीदवारों के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार किया उसके बाद 7 उच्च न्यायालयों में जजों के रूप में पदोन्नति के लिए रिकॉर्ड 36 नामों को मंज़ूरी दी। इसके साथ ही देशभर के 25 उच्च न्यायालयों में 1,122 स्वीकृत पदों के मुकाबले 371 रिक्तियों में से कुल 90 पद भर दिए गए हैं।

जिन उच्च न्यायालयों में नियुक्तियों के लिए नाम मंज़ूर किए गए हैं, उनमें दिल्ली, पंजाब एवं हरियाणा, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, पटना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान सहित कई न्यायालय शामिल हैं।

कोलीजियम के प्रस्ताव के

- इन 36 जजों में से दो जज राजस्थान हाईकोर्ट के लिए चयनित हुए हैं। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा हाईकोर्ट व मध्यप्रदेश में दस-दस, तेलंगाना व गौटारी हाईकोर्ट में 4-4, दिल्ली हाईकोर्ट में तीन तथा पटना हाईकोर्ट में दो जज नियुक्त किए गए है।
- कोलीजियम ने इस बार नियुक्ति के लिए साक्षात्कार का विकल्प चुना है, बजाय दस्तावेजों की जांच के। जिन अभ्यर्थियों का साक्षात्कार हुआ उनमें न्यायिक अधिकारी व वरिष्ठ वकील शामिल हैं।

अनुसार, पंजाब एवं हरियाणा और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालयों में 10-10, तेलंगाना और गुवाहाटी उच्च न्यायालयों में 4-4, दिल्ली उच्च न्यायालय में 3, राजस्थान और पटना उच्च न्यायालयों में 2-2 तथा आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में 1 नाम की सिफारिश की गई है।

कोलीजियम में भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, और वरिष्ठ न्यायमूर्ति सूर्यकांत व विक्रम नाथ शामिल हैं। उन्होंने 2 और 3 जुलाई को ये साक्षात्कार आयोजित किए। चयनित उम्मीदवारों में न्यायिक अधिकारी और बार से जुड़े वकीलों का मिश्रण है, जिनका चयन कानूनी समझ, समसामयिक संवैधानिक मुद्दों पर उनके विचार और व्यक्तित्व के व्यापक आकलन के आधार पर किया गया।

कोलीजियम की यह नवीनतम पहल एक स्थायी बदलाव को दर्शाती है, जिसमें केवल दस्तावेज़ी समीक्षा की पारंपरिक प्रणाली से हटकर अब प्रत्यक्ष संवाद और सक्रिय मूल्यांकन पर अधिक जोर दिया जा रहा है। पहले की प्रणाली में उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, राज्य सरकारों, केंद्रीय विधि मंत्रालय और खुफिया ब्यूरो की रिपोर्टों को प्रमुखता दी जाती थी, जबकि नई प्रक्रिया में उम्मीदवारों के साथ सीधे संवाद को ज्यादा महत्त्व दिया गया है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि ये साक्षात्कार सुप्रीम कोर्ट की पारंपरिक गर्मी की छुट्टियों के दौरान आयोजित किए गए, जिन्हें अब ''आंशिक कार्य दिवस'' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस दौरान जहां न्यायिक पीठों ने अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई की, वहीं प्रशासनिक व संस्थागत कार्य, जैसे नियुक्तियाँ आदि, भी सक्रिय रूप से जारी रहे।

सब लैफ्टिनैंट आस्था पूनिया नौ सेना की पहली महिला फाइटर पायलट बनीं

नयी दिल्ली, 04 जुलाई। सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट बनी हैं।

नौसेना ने शुक्रवार को बताया कि विशाखापत्तनम स्थित नौसैनिक एयर बेस पर दूसरे बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के पूरा होने के बाद गुरूवार को उन्हें यह

- बेसिक हॉक कन्वर्ज़न कोर्स के बाद उन्हें यह गौरव मिला। ज्ञातव्य है कि आस्था पूनिया व अतुल कुमार को इस कोर्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ''विंग्स ऑफ गोल्ड'' सम्मान भी मिला है।

गौरव हासिल हुआ। इस कोर्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए लेफ्टिनेंट अतुल कुमार और सब लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया को सहायक नौसेना प्रमुख (वायु) रियर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चीन, पाकिस्तान को ''ऑपरेशन सिंदूर'' के दौरान, भारत के हवाई हमले व सेना के ''मूवमैंट'' की सारी जानकारी तुरंत भेज रहा था'

भारतीय सेना के डिप्टी चीफ, ले.जनरल राहुल आर. सिंह ने स्पष्ट जानकारी दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। देश के डेपुटी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (कैपेबिलिटी डवलपमैंट एंड सस्टीनेन्स) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने आज यह स्वीकार किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को लाइव ऑपरेशनल डेटा प्रदान किया, जिससे भारत की रक्षा और रणनीतिक योजना पर सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत की रक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण गैप को उजागर करते हुए, उप सेनाध्यक्ष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत तीन दुश्मनों से लड़ रहा था। ''हमारे पास एक सीमा थी और दो दुश्मन थे, वास्तव में तो तीन थे। पाकिस्तान तो सामने था। चीन उसे सभी संभव सहायता

- सिंह के अनुसार, उस समय हम तीन दुश्मनों, चीन, पाकिस्तान व टर्की से एक साथ लड़ रहे थे तथा पाकिस्तान का अस्सी प्रतिशत युद्ध का सामान चीन में निर्मित था और चीन द्वारा सप्लाई किया गया था।
- पाकिस्तान, चीन व टर्की यह जानते थे कि जैसे ही युद्ध लंबा खिंचा और उसका स्तर, तकनीकी दृष्टि से और जटिल हुआ, भारत का पलड़ा बहुत भारी हो जाएगा और पाकिस्तान उसके मुकाबले में टिक नहीं पायेगा।
- अतः, जैसे ही युद्ध ''एस्कलेट'' होता दिखा, चीन ने पाकिस्तान को सलाह दी, आत्मसमर्पण करो व संधि की कोशिश करो। इसलिए, पाकिस्तान के डी.जी.एम.ओ. ने भारत के डी.जी.एम.ओ. को फोन किया और युद्ध विराम की अर्ज़ी दी।
- ले.जनरल सिंह के अनुसार, भारत के लिये यह जानना अत्यन्त जरुरी है कि उसके हवाई जहाजों, मिसाइल्स आदि की जानकारी चीन तक कैसे पहुँच रही थी, भारत के सुरक्षातंत्र में इतना बड़ा ''गैप'' क्यों था और कहाँ से आया था।
- ले.जनरल सिंह के अनुसार, भारत ने भी पाकिस्तान की युद्ध विराम की अर्ज़ी इसलिये स्वीकार कर ली, क्योंकि, ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य तो पूरा हो गया था। पाकिस्तान समझ गया था कि भारत अब दर्द बर्दाश्त नहीं करेगा, तुरंत प्रभाव से आंतकवादी हमले का अवश्य जवाब देगा।

प्रदान कर रहा था। पाकिस्तान का 81 प्रतिशत सैन्य हार्डवेयर चीनी है, चीन अपने हथियारों का परीक्षण दूसरे हथियारों के खिलाफ करना चाहता है, तो यह संघर्ष उसके लिए एक ''लाइव'' प्रयोगशाला की तरह था।''

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी- फिक्की) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, ''जब डीजीएमओ स्तर की वार्ता चल रही थी, तब पाकिस्तान को चीन से हमारी सैन्य तैनाती के बारे में इनपुट मिल रहे थे। इस मसले पर हमें तेजी से कदम उठाने और उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है, पिछले पांच वर्षों में, पाकिस्तान का 81 प्रतिशत सैन्य हार्डवेयर चीन का ही रहा है।''

सिंह ने कहा कि चीन की मदद से ही पाकिस्तान भारत की गतिविधियों को तुरंत ट्रैक कर सका, जिससे ऑपरेशन का रूप बदल गया और भारत की रक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण झोल (गैप) का पता चला, जिसे जल्दी ही ठीक करने की आवश्यकता है।

सिंह ने यह भी कहा कि तुर्की ने पाकिस्तान को उन्नत किस्म के ड्रोन प्रदान किए। ''तुर्की ने भी पाकिस्तान को विशिष्ट प्रकार का सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उसने पाकिस्तान को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार के एस.आई.आर. के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी कांग्रेस

नयी दिल्ली, 04 जुलाई। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देते हुए इसके खिलाफ वह उच्चतम न्यायालय जायेगी।

कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया लगभग दो करोड़

- कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के स्पेशल इन्टैंसिव रिवीज़न से दो करोड़ मतदाता वोट देने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। यह राष्ट्रीय मसला है इसलिए पार्टी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी।

मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश है।

पार्टी सूत्रों ने आज यहां बताया कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कोई भी भाषा अपने साथ एक संस्कार, एक सोच, एक पहचान और प्रवृत्ति को लेकर चलती है। – भरत प्रसाद

हिन्दी भाषा को लिंक भाषा के रूप में अनिवार्य करने की आवश्यकता

देश सम्राट अशोक के शासन काल में एक बृहत देश बन गया था जिसकी सीमाएं पूर्व में म्यांमार, श्री लंका, अफगानिस्तान, कश्मीर, गिलगित, नेपाल भूटान आदि अनेक राज्य उसका हिस्सा थे। इस बात के प्रमाण अभी भी अनेक देशों में मिलते हैं। भाषा सदैव भिन्न रही है बल्कि प्रति पचास मील पश्चात् बोली बदल जाती है। मध्य भारत में अवध, ब्रज, भोजपुरी, बंगाली, उड़िया, कन्नड, तेलगु, तमिल, मराठी और मलयालम प्रमुख भाषाएँ रहीं हैं इन सबके अतिरिक्त संस्कृत सभी प्रांतों में बोली और लिपिबद्ध कर शास्त्र रचना में मुख्य भूमिका निभाती थी। कालान्तर में अनेक कारणों और बदलती परस्तिथिओं ने इन भाषाओँ का प्राय लोप होता गया.. और सही व्याकरण न बन पाने से बिदेशी आक्रांताओं द्वारा फ़ारसी, अरबी, उर्दू आदि भाषाओं और बोलिओं का प्रादुर्भाव् इतना बढ़ा कि राज काज भी इन्ही भाषाओँ में होंने लगे,..मध्य कालीन भारत में कतिपय कुछ हिंदी साहित्यकारों ने हिंदी (देवनागरी) का सूत्रपात किया और व्याकरण के नियम बना कर सुद्रण भाषा का निर्माण आरम्भ किया। आज हम देख रहे हैं कुछ राज्यों में हिंदी के प्रति दुर्भाव चरम तक बढ़ गया है दक्षिण भारत और बंगाल में सब राज्य अपनी लोकल भाषा को राज्य की भाषा का दर्जा देने की बकालत कर आंदोलन तक कर रहे हैं। उन्हें ज्ञान होना चाहिए कि इतने बड़े और सभी भौगोलिक परिस्तिथिओं के रहते तथा सामजिक परम्पराओं के चलते जब तक एक कोई भाषा लिंक भाषा नही बनेगी राज्यों के आपस में व्यवहार और क्रिया कलापों में सामजस्य और सामाजिक सम्बन्ध नहीं पनप पाएंगे? सभी अपनी अपनी ढपली और राग आलापते रहेंगे। अन्य आम बोलचाल और लिखित सामग्री न होने से विचार विनमय और सम्बाद की कमी खलेगी। समाजों से सामजस्य नही होने से द्वेष, विषमता, क्लेश बढ़कर समाज अनेक समूह में बट जायेगा और यह स्तिथि संभवत: राजनैतिक लोगों को भी मुफीद न लगे?

शिक्षित और जागरूक समाज इस समस्या पर गहन विचार करें, समय निकलने पर फिर पछताते क्या होत 'जब चिड़ियाँ चुग गयी खेत' उदाहरण हमारे सामने हैं। भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, वर्मा, नेपाल, आदि, अभी भारत के संघीय ढांचे से बाहर हैं। बलूचिस्तान और सिंध प्रान्त पाकिस्तान से स्वतंत्र होने के कगार पर हैं। बंगाल,, और बांग्ला देश भी टूटेगा, क्योंकि वहां धर्म आधारित द्वेष चरम पर है। हिन्दू और हिंदीभाषी लोग वहां के एक विशेष धर्म को सुहाते नहीं, इससे वहां इन लोगों को असुरक्षा की भावना बढ़ गयी है। वहीं कट्टरता के बढ़ते प्रभाव से संघर्ष की स्तिथि उत्पन्न हो चुकी है। बंगाल में तो केंद्र को बहुत पहले ही राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। ऐसी अनुशासनहीनता ही बड़े रूप में बिघटन का रूप ले लेती है। मैं कोई राजनैतिक आदमी तो हूँ नहीं, संभवत: केंद्र में बैठे नेता अपने कुछ गुना भाग और समीकरण अलग ही रचते हैं।

केंद्रीय सरकार भी अपने स्तर पर समय रहते वांछित कदम उठाकर स्तिथि को बिगड़ने से बचा सकती है। हिंदी भाषा को एक लिंक भाषा के रूप में सभी राज्यों में आवश्यक रूप से अनिवार्य करना चाहिए, तदुपरांत संस्कृत, अंग्रेजी, ब्रज, अवधी, मलयालम, कन्नड आदि अलग से पाठ्यक्रम में छात्र की रूचि के अनुसार समावेश किया जा सकता है। कोई भी कितनी भी भाषाएँ सीख सकता है, भविष्य में ये उसके काम आ सकती हैं।

देश में आग सुलग रही है लोग सभी तरह से असंतुष्ट हैं अभी कोई बोल नहीं रहा है। सरकार कहती है कि जातियां ख़तम हो चुकी हैं तो फिर, एस सी, एसटी, ओ बी सी, बेकवर्ड, आदि क्या जातियाँ नहीं हैं? सरकार जनता को क्या विवेकहीन समझती है? आम चुनाव के समय जातीय समीकरण और संख्या प्रत्याशी चुनने से लेकर मंत्री बनने तक प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जाति ही जहन में रह कर मुख्य भूमिका निभाती है। देश के सभी नेता अभी स्वप्ननिल अवस्था में है उन्हें खुद का कार्यकाल ठीक प्रकार बीत जाने का बोध रहता है अन्य घटनाओं के होते हुए वे अपना पांच साल का कार्यकाल ढो रहे होते हैं।

ऐसा कभी नहीं रहा कि देश पूर्व में विखंडित न हुए हों। सोवियत संघ का उदाहरण अभी घटित ही हुआ है शायद सत्तर वर्षों तक ही संघीय बना रहा फिर गोर्बाचोव के आने के बाद सब खंडित होकर स्वतंत्र देश बन गए, उससे पूर्व भी ये सभी अलग ही थे। इसलिए मेरी अंतरात्मा विभिन्न परिस्तिथिओं से संकेत दे रही हैं कि बिघटन प्रकृति प्रदत्त है, उसके लिए कारण भी अपने आप बनते हैं हालांकि जनता का कारणों को बनाने में योगदान होता है। चरम सीमा होने पर जनता उपद्रव पर उतर आती है। फिर स्वतंत्र होने की लालसा बलवती होकर बिघटन को अंजाम देती है। देश में वैसे तो प्रधान मंत्री एक योग्य व्यक्ति हैं और विदेश नीतिओं में अभी तक सफल भी रहे हैं., कुछ ताकतों को यह स्वीकार नहीं होता चाहे वे देश के अंदर की हों अथवा बाहर की हों। आरम्भ अंदर से ही निर्मित होता है इसके लिए हवा-पानी भी अंदर ही मिलता है फिर कुछ विदेशी ताकतें बिभिन्न प्रकार से संलग्न होकर उस सुलगती आग में घी अथवा अन्य ज्वलनशील पदार्थ डाल कर असंतोष को भड़का देते हैं। जिसके लिए उन्हें विदेशों से ही आर्थिक संबल मिलता रहता है।

खैर, ऐसी बाते सभी राजनीतिक लोग जानते रहते हैं लेकिन चुप रहते हैं। शायद पार्टी भय या अन्य कोई लालसा उनेह चुप रहने के लये आत्मीय बल देता रहता है।

यह सब लिखने के लिए मेरे पास कोई भी प्रमाण नहीं हैं केवल घटित हो रही दशाएं और मीडिया पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर मेरी ये सोच बनी और मजबूत हुई है हो सकता है मेरी सोच और धरना भविष्य में गलत और आधारहीन सावित हो। फिर भी राजनैतिक और सामाजिक स्तिथिओं को देखते हुए, संघीय ढांचे से केरल, महाराष्ट्र, मिजोरम, तेलंगना, पंजाब, कश्मीर, बंगाल आदि कुछ राज्यों के स्वत: स्वतंत्र घोषित होने की प्रबल सम्भावना बनती दिखती है। मैं कोई राजनितिक आदमी नहीं और न ही किसी पार्टी और नेता से मेरा नाता। विचारधारा जरूर मेरी सनातनी पुश्तैनी रही है और उसी को आज भी पोषित कर रहा हूँ। लेख के माध्यम से मैं पाठकों को और राजनीत में रूचि रखने वालों को उपरोक्त विचार जरूर दे रहा हूँ ताकि वे स्वंग और सामूहिक और सामाजिक स्तर पर उपज रहे फफूंदी की तरह जयचंदो को शीघ्रति शीघ्र निपटा लें। केंद्रीय सरकार भी अपने स्तर पर समय रहते वांछित कदम उठाकर स्तिथि को बिगड़ने से बचा सकती है। हिंदी भाषा को एक लिंक भाषा के रूप में सभी राज्यों में आवश्यक रूप से अनिवार्य करना चाहिए, तदुपरांत संस्कृत, अंग्रेजी, ब्रज, अवधी, मलयालम, कन्नड आदि अलग से पाठ्यक्रम में छात्र की रूचि के अनुसार समावेश किया जा सकता है। कोई भी कितनी भी भाषाएँ सीख सकता है, भविष्य में ये उसके काम आ सकती हैं।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राज.

राशिफल शनिवार 5 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र सायं 7:51 तक, सिद्ध योग सायं 8:36 तक, तैतिल करण प्रात: 5:45 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:51 तक है। रवियोग रात्रि 7:51 तक है। आज आशा दशमी का व्रत है। आज गुप्त नवरात्रौत्थापन, मन्वादि, गिरिजा दशमी पूजा है। आज कत्ल की रात (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:24 से 9:06 तक, चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सरकार के निर्णयों से ''सहकार से समृद्धि'' के पथ पर आगे बढ़ रहा राजस्थान

5 जुलाई, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस विशेष.....

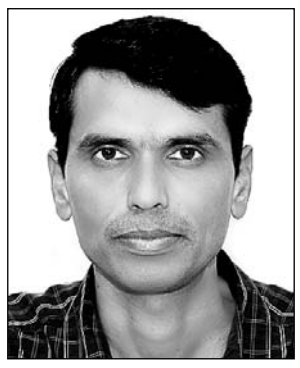

दिनेश शर्मा

सहकारिता हमारे सामाजिक जीवन और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग रही है। प्राचीन भारतीय लोकाचार में भी सहकारिता के बीज देखने को मिलते हैं। ऋग्वेद जैसे प्राचीन शास्त्र में भी संगठन और सहकारिता पर जोर दिया गया है। वसुधैव कुटुम्बकम से बड़ा सहकारिता मंत्र और क्या हो सकता है, जिसमें कुछ लाख या करोड़ लोगों के बीच नहीं, मानव मात्र के बीच नहीं, सम्पूर्ण प्रकृति जिसमें मूर्त और अमूर्त, चल और अचल, सभी के बीच, अनंत, शाश्वत और सनातन पारस्परिक निर्भरता और सह अस्तित्व की संकल्पना है। समय के साथ सहकारी आन्दोलन मजबूत हुआ और इसने सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से किसानों, श्रमिकों, शिल्पकारों, लघु व्यवसाईयों एवं विविध स्तरों पर उत्पादक गतिविधियों में संलग्न जनसाधारण को बिचौलियों के शोषण से मुक्त कराने में सहकारिता का अहम योगदान है।

सहकारिता के महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। पूरा विश्व 'सहकारिता से एक बेहतर दुनिया का निर्माण होता है' थीम पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष मना रहा है। राजस्थान में भी सहकारी आन्दोलन का लगभग 125 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है। राजस्थान में वर्ष 1904 में अजमेर से सहकारी आन्दोलन की शुरूआत हुई और वर्तमान में इसने विशाल वट वृक्ष का रूप ले लिया है। वर्तमान में राज्य में 41 हजार से अधिक पंजीकृत सहकारी समितियों के 1 करोड़ 10 लाख से अधिक सदस्य हैं।

सहकारिता के महत्व को इंगित करते हुए 6 जुलाई, 2021 को केन्द्र सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन कर अमित शाह को इसका जिम्मा सौंपा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर मंत्रालय द्वारा 'सहकार से समृद्धि' योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसके अंतर्गत 60 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाया जा रहा है। ये पहलें विशेष रूप से सहकारी समितियों, किसानों, कारीगरों, पशुपालकों और छोटे उद्यिमयों को सशक्त बनाने की दिशा में केन्द्रित हैं। राज्य में योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में राज्य शीर्ष समिति गठित है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य सहकारी विकास समिति एवं जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति गठित है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक के निर्देशन में राजस्थान भी 'सहकार से समृद्धि' के पथ पर निरन्तर अग्रसर हो रहा है। 'सहकार से समृद्धि' की विभिन्न पहलों को क्रियान्वित करने एवं सहकारी क्षेत्र में नवाचार करने में राज्य अग्रिम पंक्ति में है।

पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के अंतर्गत अब तक 5,300 से अधिक पैक्स को गो-लाइव किया जा चुका है। प्रत्येक पंचायत में बहुउद्देशीय पैक्स/ डेयरी/ मत्स्य सहकारी समितियों के गठन की दिशा में कार्य करते हुए अब तक लगभग 2,700 नई सहकारी समितियां गठित की जा चुकी हैं। विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत राज्य में 500 मीट्रिक टन के 135 गोदाम स्वीकृत किये जा चुके हैं, जिनमें से 97 गोदामों का निर्माण आगामी जुलाई माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। राज्य की 3,800 से अधिक पैक्स प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र एवं लगभग 5,300 पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में कार्य कर रही हैं। सहकारी क्षेत्र में प्रदेश की पहली बाइक ऑन रेंट सेवा 'को-ऑप राइड' का विगत दिनों उदयपुर से शुभारम्भ हुआ है।

राज्य सरकार सहकारी क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों के मान-सम्मान और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दिया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के राज्य के पात्र किसानों को अब 9,000 रुपये सालाना मिल रहे हैं। राज्य सरकार इसे चरणबद्ध रूप से 12 हजार रुपये करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत गोपालक परिवारों को गाय/भैंस के लिए शैड, खेली निर्माण और चारा/बांटा सहित उपकरण खरीदने के लिए 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किए जाने का प्रावधान राज्य बजट में किया गया है। इसके ब्याज अनुदान पर 768 करोड़ रुपये व्यय होंगे। इसी प्रकार, सहकारी भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणों हेतु 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना लागू की गई है। इसमें ऋणी सदस्यों को केवल मूल धन की राशि जमा करवाने पर राज्य सरकार द्वारा अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत की राहत दी जा रही है। राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता के लिए भी प्रतिबद्ध है। सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नवीन को-ऑपरेटिव कोड लागू करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

सहकारिता हमारी सामाजिक परम्परा के साथ ही हमारी आवश्यकता भी है। बदलते दौर में यह और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है। यह आर्थिक सशक्तीकरण के साथ ही ग्रामीण विकास में योगदान देती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। सहकारी संस्थाएं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करती हैं, जिससे पलायन रूकता है। सहकारिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता एवं नेतृत्व के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इतना ही नहीं, सहकारिता जाति, वर्ग, धर्म और लिंग आदि से ऊपर उठकर सबको साथ लेकर चलती है, जिससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। आशा है कि राज्य व केन्द्र सरकार और अन्य स्टेकहोल्डर्स मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में राज्य में सहकारिता आन्दोलन को नई दिशा देकर विकसित राजस्थान के संकल्प का साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगें।

दिनेश शर्मा, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, सहकारिता विभाग, राजस्थान।

अंत्योदय संबल शिविर में पांच भाइयों का 25 वर्ष से लम्बित भूमि बंटवारा हुआ तो कटुता दूर हुई

हरिओम सिंह गुर्जर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा प्रदेशभर में शुरू किये गये पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण के साथ परिवारों में चली आ रही आपसी कटुता को दूर कर भाईचारे का संदेश भी दे रहा है। भरतपुर जिले के बांसीकलां में आयोजित शिविर में ओमप्रकाश और उसके 4 भाइयों का विरासत नामांतरण व आपसी बंटवारे की 25 वर्ष से चली आ रही समस्या का एक दिन में आपसी सहमति से निराकरण हुआ। इससे सभी भाइयों में आपसी मनमुटाव दूर होने के साथ भूमि के कृषि व राजस्व संबंधी अनुदान योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता भी आसान हुआ।

बांसीकलां निवासी पन्नालाल जाट की मृत्यु के बार उनके पांचों बेटों में विरासत भूमि का बंटवारा हो गया लेकिन आपसी सहमति नहीं बन पाने के कारण खाता विभाजन तथा नामांतरण संबंधी समस्या चली आ रही थी। वे इसके लिए 25 साल से एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के चक्कर काट रहे थे लेकिन कोई न कोई नई समस्या आ जाती थी, कभी कोई भाई और कभी कोई भाई उपलब्ध नहीं हो पाता था और काम नहीं हो पाया। किसान ओमप्रकाश और उसके भाई रामगोपाल, भीमसिंह, सोहनलाल व संजय सिंह ने शिविर में उपस्थित होकर माता के नाम चली आ रही विरासत नामांतरण एवं आपसी सहमति से खाता विभाजन संबंधी समस्या से शिविर प्रभारी को अवगत कराया। शिविर प्रभारी ने राजस्व विभाग की टीम को निर्देश देकर प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये समस्या का शिविर में ही समाधान करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों एवं अधिकारियों की समझाइश से पांचों भाइयों में आपसी सहमति से विरासत भूमि का नामांतरण संभव हो सका। राजस्व टीम द्वारा पांचों भाईयों की माता स्व. श्रीमती सोमोती के नाम चली आ रही भूमि का विरासत नामांतरण भी खोला तथा बहनों के नाम चला आ रहा हिस्से की हक त्याग कार्यवाही भी पूरी करवाई गई।

किसान ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी 65 बीघा भूमि पर 25 वर्षो से खाता विभाजन, नामांतरण संबंधी समस्या चली आ रही थी, जिसके समाधान के लिये अनेक बार प्रयास किये गये। कार्यालयों में आवेदन देने के साथ परिवार के मध्य बैठकर समझाइश भी की गई लेकिन आपसी सहमति नहीं बनने के कारण समस्या दूर नहीं हो सकी। शिविर में जैसे ही राजस्व विभाग की टीम द्वारा समस्याओं का निराकरण कर खाता विभाजन के पत्र सौंपे तो पांचों भाईयों की खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने घर बैठे समस्या निराकरण होने पर शिविर आयोजन के लिये मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुये अधिकारियों द्वारा किये गये प्रयास के लिये जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

राधा के लिये खुशियों की सौगात लेकर आया अन्त्योदय संबल अभियान- भजनलाल स्व. दीनदयाल जी के अन्त्योदय को साकार करने के लिए ही मुख्यमंत्री बने हैं। भरतपुर जिले के सेवर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बांसी खुर्द में आयोजित शिविर राधा पुत्री हरद्वारी के लिये खुशियों की सौगात लेकर आया। फार्मर आईडी नहीं बनवा पाने के कारण उसे सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। फार्मर आईडी मोबाईल लिंकेज के कारण नहीं बन पाई थी। यह समस्या राधा ने जिला कलेक्टर कमर चौधरी को बताई तो उनके निर्देश पर राधा के पुत्र से मोबाईल पर बात कर रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर से ओटीपी प्राप्त किया तथा शिविर में ही फार्मर आईडी पंजीकरण की आईडी का पंजीकरण किया गया।

राधा ने बताया कि फार्मर आईडी बन जाने से उसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पैसा मिलेगा, साथ ही केसीसी लोन, उन्नत बीज, फार्म पौंड, स्प्रिंकलर सहित कृषि एवं राजस्व विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा। राधा ने इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि वह कम पढ़ी लिखी है लेकिन उसने सुना है कि जिन दीनदयालजी के नाम पर ये कैंप लगा, वे हम जैसे आम लोगों को ही खास लोग बनाकर इस देश का विकास चाहते थे। मुख्यमंत्रीजी ने उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

हरिओम सिंह गुर्जर, संयुक्त निदेशक, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय भरतपुर।

चार महीनों से जारी पानी की किल्लत से लोग परेशान

सूरतगढ़, (निसं)। उपखंड की ग्राम पंचायत भैरोंपुरा सीलवानी और विशेष रूप से अमरपुरा जाटान में पिछले चार महीनों से जारी पानी की किल्लत ने ग्रामवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। इस समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस के किसान नेता अमर सिंह गोदारा, ओमप्रकाश गेदर, कांग्रेस नेता श्रवण सिंगाठिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के सहायक अभियन्ता कार्यालय पर गुरूवार को प्रदर्शन कर 30 साल पुरानी जर्जर पत्थर की पाइपलाइन को बदलने की मांग की, जो बार-बार टूटने से आपूर्ति बाधित करती है। ठेकेदारों द्वारा मरम्मत में देरी की शिकायत भी दर्ज की गई।

जलदाय विभाग के एईएन को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामवासियों ने कहा कि पुरानी पाइपलाइन को तुरंत नई लाइन से बदला जाए। अमर सिंह गोदारा ने सुझाव दिया कि 5 लाख लीटर की गोल डिग्गी, जिसे ग्रामवासियों ने मिलकर कुछ दिन पहले साफ करवाया है, उसमे पानी भंडारण की व्यवस्था की जाए। इससे 4-5 दिनों तक गांव की जरूरतें पूरी हो सकती हैं। उन्होंने सोलर ट्यूबवेल के लिए बिजली आपूर्ति और नहर से पाइपलाइन के जरिए मीठे पानी की व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा। पुराने ट्यूबवेल का पानी फ्लोराइड युक्त और कड़वा होने से ग्रामवासियों में घुटनों की बीमारियां बढ़ रही हैं।

■ ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर 30 साल पुरानी जर्जर पत्थर की पाइपलाइन को बदलने की मांग की, जो बार-बार टूटने से आपूर्ति बाधित करती है

कई घरों में आज तक जलदाय विभाग की पाइपलाइन नहीं पहुंची, जिसके लिए नई लाइन बिछाने की मांग की गई। जलदाय विभाग के अधिकारी ने गांव में कैंप आयोजित करने का आश्वासन दिया, जहां ग्रामवासी अपनी समस्याएं रख सकेंगे। अधिकारी ने सभी मुद्दों के जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। ग्रामवासियों ने कैंप में एकजुट होकर अपनी मांगें रखने का फैसला किया है।

इस मौके पर गांव के जितेंद्र खालिया, मोमनराम गोदारा, मांगीलाल सैन, मूलाराम पंवार, पपूराम मेघवाल, मनीराम मेघवाल, मानसिंह गोदारा, दिलीप नायक और बनवारी नायक सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों में गंभीर खामियां मिली

सूरतगढ़, (निसं)। बीकानेर मंडल के 'ए' श्रेणी के सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों में गंभीर खामियां सामने आई हैं। बीकानेर डिवीजन के एडीआरएम रुपेश कुमार के निरीक्षण के दौरान रेल विकास संघर्ष समिति ने इन समस्याओं को उनसे मुलाकात करते हुए कार्रवाई की मांग की।

समिति ने बताया कि पहली बरसात में ही स्टेशन की दीवारों में रिसाव, सर्कुलेटिंग एरिया की सड़क का उखड़ना, और चारों प्लेटफार्म पर बने शेड से पानी टपकने जैसी खामियां सामने आईं, जिससे यात्रियों में भारी आक्रोश है। संघर्ष समिति ने इंजीनियरिंग विभाग और स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। समिति के संयोजक दर्शन भगत प्रणामी, संजय वेद, सुभाष सोनी, भंवर बारिया, कृष्ण स्वामी, उमेश मुद्गल, खूबचंद नायक, लीलाधर फौजी, धर्मवीर सैनी, श्याम सोमानी, सुरेंद्र कोठारी, गुरु भूपेंद्र, अमरचंद नायक और ललित किशोर शर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि यात्री सुविधाएं जल्द उपलब्ध नहीं करवाई गई तो आम जनता के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा।

■ बीकानेर मंडल के 'ए' श्रेणी के सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कार्य चल रहा है

समिति ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की और शनिवार से ही धरना-प्रदर्शन की घोषणा की।

निरीक्षण के दौरान गति शक्ति यूनिट के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद कुमार, सीनियर डीएसटी ललित किशोर, स्टेशन अधीक्षक हरि शंकर त्यागी और ट्रैफिक इंस्पेक्टर सलविंदर सिंह मौजूद थे। रेलवे का दावा है कि स्टेशन पर 83 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसमें सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार, नई बाउंड्री वॉल और पार्किंग सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, समिति का कहना है कि आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, और दिव्यांगजनों के लिए रैंप जैसी यात्री सुविधाएं नदारद है। समिति ने बताया कि आम जनता में स्टेशन की बदहाल स्थिति को लेकर गुस्सा है। कहा गया कि यात्रियों की सुविधा के लिए त्वरित कदम उठाने की जरूरत है। समिति ने स्पष्ट किया कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सार-समाचार

राजकुमार को अध्यक्ष बनाने से खुशी

जोधपुर, (कासं)। ब्राह्मण समाज की राष्ट्रीय संस्था विप्र फाउंडेशन ने युवाओं को नई दिशा देने के लिए जोधपुर के समाजसेवी राजकुमार शर्मा को विप्र फाउंडेशन राजस्थान जोन का प्रदेश युवा कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक हस्तीमल सारस्वत, प्रदेश प्रभारी नवीन जोशी और प्रदेश अध्यक्ष अशोक राजपुरोहित की अनुशंसा पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री कामना खंडेलवाल द्वारा की गई है। शर्मा उद्यमी होने के साथ वक्ता, कवि और समाज सेवक के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने शिक्षा, युवा उत्थान और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई कार्यक्रमों का संचालन किया है। विप्र फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष कैलाश सारस्वत ने इस नियुक्ति को संगठन के विस्तार और युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। संस्था के पदाधिकारी मनीष आचार्य, इंद्रजीत त्रिपाठी, दिनेश कल्ला, कपिल बोहरा, आनंद शर्मा, रमेश गोस्वामी व अन्य ने शर्मा को बधाई दी और कहा कि उनका नेतृत्व युवाओं को एक नई ऊर्जा देगा। नवनियुक्त प्रदेश युवा अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने जिम्मेदारी को समाज सेवा का अवसर बताते हुए कहा कि वे युवाओं को संगठित कर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सद्भाव के क्षेत्र में नए प्रयास करेंगे। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों और समाज के लोगों का आभार जताया तथा सभी से सहयोग की अपील की।

पेंशन देने की मांग को लेकर धरना

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में पेंशनर्स पेंशन देने की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उनकी मांगे नहीं मानी गई है। इसको लेकर शुक्रवार को पेंशनर्स ने अनूठा प्रदर्शन किया। उन्होंने बार- बार बताने के बाद भी नहीं मिलने पर कुलपति का प्रतीकात्मक पुतला बनाया। इसके बाद उनकी शवयात्रा निकाली गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पेंशनर्स शामिल हुए। पेंशनर्स ने बताया- पेंशन देने की मांग को लेकर 51 दिन से धरना दे रहे हैं लेकिन उन्हें पेंशन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। विश्वविद्यालय का प्रशासन उनकी मांग को नहीं मान रहा है, जबकि पेंशन के अभाव में उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि जोधपुर की प्रतिष्ठित जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी जहां से देश की राजनीति से लेकर कला साहित्य सहित विभिन्न विधाओं के दिग्गजों ने पढ़ाई की, लेकिन वर्तमान में यह विश्वविद्यालय आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। विश्वविद्यालय में पूर्व में कार्यरत रहे कर्मचारियों को पेंशन भी नहीं दे पा रहा है। इसके चलते उसे हर बार राज्य सरकार से मिलने वाले पैसों का इंतजार रहता है।

अंगदान जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर अस्पताल के ट्रोमा आइसीयू में अंगदान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के अधीक्षक एवं ट्रोमा आइसीयू इंचार्ज डॉक्टर विकास राजपुरोहित ने अंगदान की महत्वता एवं अंगदान से जुड़े हुए मिथकों पर प्रकाश डाला। डॉ विकास राजपुरोहित ने बताया कि अभी किडनी तथा लिवर अंगदान की आवश्यकता और उपलब्धता में भारी असंतुलन है, इसके अलावा हार्ट और लंग ट्रांसप्लांट तो सिर्फ ब्रेन डेड व्यक्ति के दान किए अंगों से ही संभव है। उन्होंने कहा अभी जोधपुर संभाग अंगदान के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ है। किडनी रोग विभागाध्यक्ष डॉक्टर सुरेंद्रसिंह राठौड़ ने अंगदान से जुड़ी प्रक्रिया एवं अंगदान के बारे में बताया।यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर गॉर्डन चौधरी ने अंगदान से जुड़ी हुई क़ानूनी प्रक्रियाओं एवं मिथकों के बारे में जनता को जागरूक करने की आवश्यकता के बारे में बताया एवं अंगदान कमी के बारे में बात उजागर किया।अंत में कार्यक्रम का समापन एवम धन्यवाद संबोधन नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉक्टर जगदीश चौधरी द्वारा किया गया।

वकील पर हमले के तीन आरोपी पकड़े

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के वेस्ट जिले की पुलिस ने एक वकील पर जानलेवा हमले की घटना का खुलासा करते हुए मामले में शामिल 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि 3 नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। आरोपियों को रोहट थाना अधिकारी पाना चौधरी के सहयोग से पुलिस ने पकड़ने में सफलता हासिल की है। पूछताछ में सामने आया कि आपसी पारिवारिक विवाद के चलते आरोपियों ने हमला किया था। बता दे की एक जुलाई को रात 8 से 9 बजे के बीच वकील मधुसूदन मेघवाल अपने घर आ रहे थे। तभी 8 से 10 बदमाशों ने उन पर धारदार हथियार तलवार, लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इतना ही नहीं उनके घर में महिलाओं का गला पकड़ कर मारपीट कर सोने की चेन और मंगलसूत्र तोड़ दिया। इस पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले को लेकर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें अविनाश सरगरा (27) निवासी पांचवी रोड सरगरा कॉलोनी, अमन (18) निवासी जवाहर कालोनी व सुनील भाट (21) निवासी लाला लाजपत राय कॉलोनी पांचवीं रोड को गिरफ्तार किया।

उप स्वास्थ्य केन्द्र पर ताले से परेशानी

धोरीमन्ना, (कासं)। धौरीमन्ना पंचायत समिति के ग्राम पंचायत कोठाला का नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र पर ताला लगा होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने बताया कि कोठाला का उप स्वास्थ्य केन्द्र बंद होने से लोगों को 15 किमी दूर धोरीमन्ना जाना पडता है। लोगों ने कहा कि अगर कोठाला का उप स्वास्थ्य केन्द्र शुरू हो जाने से आसपास के ग्रामीण लोगों को स्वास्थ्य का लाभ मिलेगा व धोरीमन्ना तक चक्कर नही लगाना पडेगा। लोगों को नार्मल बिमारी के ईलाज के लिए धोरीमन्ना जाना पडता है। यहां के लोगों का कहना है कि सरकार केवल घोषणा तक ही सीमित है, लेकिन कोठाला मे उप स्वास्थ्य केन्द्र बना तो मुझे बहुत खुशी हुई। अब है जो एक साल बीत जाने के बावजूद भी ताले जडें हुए हैं। अगर राज्य सरकार उप स्वास्थ्य केन्द्र के ताले खोल कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ दे तो बहुत ही फायदेमंद होगा। कोठाला ग्राम पंचायत के लोगों कि उप स्वास्थ्य केन्द्र सुचारू रूप से चालू करवाने की मांग की।

अरणाय में लोगों ने रास्ता रोका

सांचौर, (कासं)। सांचौर तहसील के अरणाय गांव में शुक्रवार को विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने मिलकर मुख्य सडक पर प्रदर्शन करते हुए रास्ता जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि प्रशासन जल्द से जल्द जल निकासी की उचित व्यवस्था करे। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में सडक पर पानी भर जाता है, जिससे आमजन और विशेष रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विद्यार्थियों ने बताया कि स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है क्योंकि घुटनों तक भरे पानी और कीचड से रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। कई बार तो स्कूल जाना ही छोडना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से तुरंत सड़क की ऊंचाई बढाने और नाली निर्माण की मांग की है, जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह इस मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करेगा।

बाइक व इलेक्ट्रिक साइकिल चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में वाहन चोरों ने अलग अलग स्थानों से बाइक के साथ इलेक्ट्रिक साइकिल को चुराया। इस बारे में संबंधित थानों में केस दर्ज कराए गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि बैंक कॉलोनी राइकाबाग निवासी अविनाश त्रिवेदी पुत्र अम्बा शंकर त्रिवेदी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह 3 जुलाई को ओलिम्पक टावर के पास आया था। जहां से अज्ञात शख्स उसकी बाइक को चुरा ले गया। दूसरी तरफ शास्त्री नगर थाने में दी रिपोर्ट में मोहन नगर बीजेएस कॉलोनी निवासी मधुराज सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह राठौड़ ने पुलिस को बताया कि वह एमडीएम अस्पताल आया था, जहां से उसकी बाइक चोरी हो गई। इसी प्रकार आईआईटी सर्किल शास्त्रीनगर निवासी सौरभ सिंह पुत्र भंवर सिंह ने रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी कि वह गत 9 जून को अपनी इलेक्ट्रीक साइकल लेकर आया था। अज्ञात शख्स उसकी इलेक्ट्रिक साइकिल को चुरा ले गया।

मारपीट के केस दर्ज, गाड़ी में तोडफ़ोड़

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के कुड़ी भगतासनी थाने में करवड़ के नेतड़ा हाल हाल सरकारी स्कूल 6 सेक्टर के पास रहने वाले बागाराम पुत्र श्यामलाल भाट ने पुलिस को बताया कि 3 जुलाई को वह झालामंड चौराहा आया हुआ था। जहां पर सीताराम और उसके साथियों ने रास्ता रोका और मारपीट की। वहीं मथानिया थाने में दी रिपोर्ट में शिवनगर घेवड़ा ओसियां निवासी किशनाराम पुत्र मोतीराम ने पुलिस को बताया कि बिजारी बावड़ी के पास रात के समय में ओमाराम भांबू और उसके साथियों ने उसे कार में जाते हुए रोका। उसके साथ मारपीट करते हुए गाड़ी में तोडफ़ोड़ की।

जोधपुर डिस्कॉम के एम.डी. ने राजस्व वसूली की समीक्षा की

बाड़मेर, (नि.सं.)। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. बी.एल.डेलू की अध्यक्षता में शुक्रवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जन सुनवाई, विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रबंध निदेशक डेलू ने राजस्व प्राप्ति के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान प्रबंध निदेशक डॉ. बी.एल. डेलू ने विभागीय अधिकारियों के राजस्व वसूली प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि बकाया राशि वसूली के कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिक विद्युत छीजत वाले उपखंड अधिकारियों को इसकी सघन मोनेटरिंग करते हुए छीजत को नियंत्रित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक घरेलू कनेक्शन जारी करने, खराब मीटर बदलने, आरडीएसएस कार्य, कृषि कनेक्शन, पीएचईडी के पेयजल स्त्रोतों के कनेक्शन, स्मार्ट मीटर, पीएम सूर्य घर योजना, सतर्कता जांच, जले हुए ट्रांसफॉर्मर बदलने के कार्यो की प्रगति की समीक्षा के साथ ही प्रसारण निगम के विभिन्न कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिला कलक्टर टीना डाबी, प्रशिक्षु आईएएस छायासिंह समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बाड़मेर जोन के मुख्य अभियंता एन.के. जोशी ने पीपीटी के माध्यम से योजनाओं की प्रगति के बारे में अवगत कराया।

जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. बी.एल.डेलू की अध्यक्षता में बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जन सुनवाई, विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

कुसुम के प्रोजेक्ट पूर्ण कराने में सहयोग करवाएं

प्रबंध निदेशक डॉ. बी.एल. डेलू ने कहा कि कुसुम ए एवं सी के तहत लग रहे विभिन्न सौलर प्लांट से निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ सरकार तथा आमजन को सस्ती बिजली मिल पाएंगी। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले में कुसुम योजना के तहत लग रहे प्लांट के कार्यो में किसी प्रकार दिक्कत होने पर उनका सहयोग करते हुए उनकी समस्या दूर करवाएं, ताकि कार्य शीघ्र पूर्ण हो सके।

संपर्क पोर्टल की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करे

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने संपर्क पोर्टल की शिकायतों का त्वरित गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण के लिए जरूरी हैं। साथ ही परिवादी से बात करके उनकी समस्या पर विभागीय कार्यवाही कर उन्हे यथासंभव संतुष्ट करें, ताकि असंतुष्ट परिवादों की संख्या कम हो।

जन सुनवाई में 60 परिवादियों की सुनवाई हुई

समीक्षा बैठक से पूर्व प्रबंध निदेशक डॉ. डेलू ने जन सुनवाई के दौरान आमजन की परिवेदनाएं सुनी। इस दौरान घरेलू कनेक्शन, कृषि कनेक्शन, वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए ट्रांसफॉर्मर लगाने, बिल संशोधन करने सहित 60 परिवाद प्राप्त हुए। जन सुनवाई में बालोतरा एवं जैसलमेर जिले के भी कुछ परिवादी जन सुनवाई में शामिल हुए। जन सुनवाई के दौरान चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, समाजसेवी अनंतराम विश्नोई सहित जन प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जन सुनवाई के बाद चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल एवं समाजसेवी अनंतराम विश्नोई ने बकाया घरेलू कनेक्शन जारी करने, लंबित कृषि कनेक्शनों शीघ्र जारी करने, जले हुए ट्रांसफॉर्मर को समय पर बदलने, प्रसारण एवं वितरण निगम के विभिन्न जीएसएस के कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने की मांगों के संबंध में प्रबंध निदेशक को अवगत कराया।

बैठक में अधीक्षण अभियंता बाड़मेर अशोक कुमार मीना, प्रावैधिक सहायक जोधपुर प्रकाश जैन, प्रसारण निगम बाड़मेर के अधीक्षण अभियंता उदयसिंह मीना, अधीक्षण अभियंता पीपीएम जोधपुर ए.के. रमणानी, मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी जोधपुर के.एल. रेगर सहित बाड़मेर वृत के अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता एवं सहायक राजस्व अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

आसाराम के आश्रम वालों ने योजना पोस्ट की

जोधपुर, (कासं)। तीन महीने की अंतरिम जमानत पर इलाज कराने के लिए जेल से बाहर आए दुष्कर्म के आरोपी आसाराम बापू ने आर्थिक तंगी से जूझ रहे अपने भक्तों के लिए अक्षय धन मुद्रा योजना की शुरुआत की है। गुरुवार शाम आसाराम बापू के आश्रम वालों ने भक्तों के वॉट्सऐप ग्रुप में एक पोस्ट शेयर करते हुए यह जानकारी साझा की है। इस पोस्ट में दाहिनी तरफ आसाराम बापू की कुछ साल पुरानी तस्वीर लगी है जबकि बाईं तरफ 200-200 रुपये के नोटों की 2 गड्डियां दर्शाई गई हैं।

पोस्टर में लिखा है कि आसाराम बापू द्वारा स्पर्श व संकल्पित धन मुद्रा, आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों के लिए रामबाण उपाय है। ऋषि प्रसाद के 100 सदस्य अथवा ऋषि दर्शन के 50 सदस्य बनने वाले भक्तों को 200 की धन मुद्रा प्रसाद के रूप में प्रदान की जाएगी। इससे आपकी हर चिंता दूर हो जाएगी, सभी मनोकामना पूरी हो जाएगी। ऋषि प्रसाद के संबंध में जब आसाराम बापू के आश्रम वालों से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले मेंबरशिप लेनी पड़ेगी।

एक साल की मेंबरशिप फीस 75 रुपए और दो साल की फीस 140 रुपए है। मेंबर बनने के बाद आपके पास हर महीने लाइजिन आएगी। यह योजना सिर्फ साधकों और दीक्षा ले चुके भक्तों के लिए ही है।

बताते चलें कि इस वक्त आसाराम बापू दिल्ली में है और कुछ दिन बाद वहां से वो अहमदाबाद जाने वाला है। गुरुवार शाम ही आसाराम बापू को गुजरात हाई कोर्ट से एक महीने का आखिरी बेल एक्सटेंशन मिला है। राजस्थान हाईकोर्ट ने भी 9 जुलाई तक आसाराम को सरेंडर करने से छूट दी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जोधपुर हाईकोर्ट से भी उसे जमानत अवधि बढ़ाए जाने की राहत मिल सकती है। अदालत में पेश मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, यौन उत्पीडऩ के दो अलग-अलग मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू को प्रोस्टेट संबंधी समस्या है और उसके दिल की दो धमनियों में 90 फीसदी ब्लॉकेज है। फिलहाल आसाराम का आयुर्वेदिक और प्राकृतिक मेडिकल ट्रीटमेंट चल रहा है।

कोई भी व्यक्ति कानून से बड़ा नहीं : पटेल

जोधपुर, (कासं)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में कानून का राज है। कोई भी व्यक्ति कानून से बड़ा नहीं है। कानून सबको मानना पड़ेगा। यह बात उन्होंने शुक्रवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने नागौर सांसद व रालोपा प्रमुख हनुमान बेनीवाल पर भजनलाल सरकार को कोसने पर पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि अगर किसी का लाखों का बिजली बिल बकाया है और नहीं देंगे तो कनेक्शन कटेगा ही। बिल जमा नहीं होगा तो डिस्कॉम कैसे चलेगा? उनसे जब बेनीवाल के बारे में पूछा गया तो बोले कि जनप्रतिनिधि को नियमों की पालना करनी चाहिए, यदि विधायक नहीं हैं और विधायक आवास दबाकर बैठे हैं तो यह कानून के विपरीत है। राजस्थान में कानून के विपरीत कोई भी काम नहीं चलेगा।

बता दे कि लाखों का बकाया होने पर बिजली कनेक्शन काटने व सरकारी आवास खाली करने के नोटिस पर बेनीवाल ने सरकार व अधिकारियों को आड़े हाथ लिया था। हनुमान बेनीवाल ने इसे सरकार की ओछी मानसिकता बताया था। बेनीवाल ने कहा था कि सरकारी विभागों के भी बकाया हैं, लेकिन उनके कनेक्शन नहीं काटे गए।

विधि मंत्री पटेल ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर गांवों के लोगों के लिए बड़ी राहत लाए हैं। सोलह विभागों की सुविधाएं मौके पर ही मिल रही है। इससे गांव के मसले सुलझ रहे हैं। इसका सीधा फायदा हर गरीब हो रहा है, जो विभागों में नहीं जा पा रहे थे।

जोगराम पटेल ने कहा कि प्रदेश में अब तक का यह सर्वाधिक सफल अभियान है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल रही है। जल्दी ही ऐसा अभियान शहरों में शुरू होगा।

सी.डी.ई.ओ. कार्यालय में वीसी कक्ष का शुभारंभ

जालोर में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के वी.सी. कक्ष का शुभारम्भ मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने शुक्रवार को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्थापित वीडियो कॉफ्रेंस (वीसी) कक्ष का विधिवत् फीता काटकर शुभारंभ किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभारंभ समारोह में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि वीसी कक्ष से शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही योजनाओं की मॉनिटरिंग में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षा में आधुनिक तकनीक का समावेश अतिआवश्यक है, बच्चों के शिक्षण कार्य में शिक्षक भी समय के अनुरूप चलते हुए उन्हें शिक्षण कार्य करवाएं। शिक्षक आधुनिक तकनीक का उपयोग कर नई पीढ़ी के अनुरूप अपडेट रहते हुए शिक्षा को सरल बनावें।

उन्होंने कहा कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों का योगदान सदैव अग्रणी रहा है। इसलिए भामाशाहों से सम्पर्क कर इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के साथ विकास में सहयोग लिया जावें।

इस अवसर मुख्य जिला शिक्षाधिकारी गंगा कलावंत, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक भंवरलाल परमार, जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक मुनेश मीणा, डाइट प्रधानाचार्य भेराराम सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

कामरेड मोहन पुनमिया की पुण्यतिथि मनाई

पाली, (नि.सं.)। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र कि राज्य शाखा राजस्थान ट्रेड यूनियन केंद्र (आर. सीटू) की ओर से मजदूर आंदोलन के जन्मदाता कामरेड मोहन पुनमिया की 28वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

राजस्थान सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड गंगा सिंह मेड़तिया ने बताया कि कामरेड मोहन पुनमिया की 28 वी पुण्यतिथि पर आज दिनांक 4 जुलाई 2025 को स्थानीय मिल गेट कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कामरेड मेड़तिया ने कहां की केंद्र सरकार की श्रम विरोधी एवं जन विरोधी नीतियों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के चलते देश में बेरोजगारी महंगाई बढ़ रही है। देश में अराजकता का माहौल है। श्रद्धांजलि सभा को कामरेड अशोक सिंह, आसाराम बंजारा, शैलेंद्र सिंह, रुपाराम ने संबोधित किया।

पैदल संघ आज रवाना होगा

पाली, (नि.सं.)। श्री गाजण माता पैदल यात्रा संघ इस बार सिल्वर जुबली मनाने जा रहा है। पाली में पैदल संघ के 25 वें वर्ष में प्रवेश होने पर कई धार्मिक कार्यक्रम होंगे।

इस बार 5 जुलाई को श्री गाजण माता पैदल यात्रा संघ के बैनर तले पैदल संघ पाली के बजरंग बाग से रवाना होगा।

विश्व सहकारिता दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

जोधपुर, (का.सं.)। केन्दीय संचार ब्यूरो, जोधपुर द्वारा ग्राम सेवा सहकारी समिति लि. और चौधरी बुद्धाराम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पोपावास के सहयोग से विद्यालय परिसर के सभाकक्ष में "विश्व सहकारिता दिवस" पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य मदनलाल मेघवाल ने बताया कि सहकारी समितियां में नागरिक अपने समुदाय और राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उन्नित में योगदान करते हुए अपने जीवन को प्रभावी ढ़ग से अच्छा बना सकने की बात कही।

इसी अवसर पर विद्यालय की व्याख्यता अनुप चौधरी ने बताया की सहकारी समितियाँ बाहरी समानता को भी बढ़ावा देती है। चूंकि वे समुदाय पर आधारित हैं, इसलिए वे अपने समुदायों के सतत् विकास के लिए प्रतिबंद्ध है।

इसी क्रम में ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक मोहनराम चौधरी ने बताया कि धरातल पर सहकारी समितियों से ग्रामीणजन एवं ग्रामीण समुदाय के लोगों को काफी फायदा होता है। तथा सहकारी समितियिं की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर के के. आर. सोनी ने विश्व सहकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर आमजन को प्रभावी व महत्तवपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा विभाग द्वारा इसी अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया साथ ही इंडिया टू डे प्रचार सामठी भी वितरित की गयी।

इस अवसर पर केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना- स्वच्छ भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की साथ ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, जोधपुर द्वारा मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी तथा जिसमें सफल प्रतिभागियों को विभाग की ओर से पुरूस्कृत कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी आगुन्तको का विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वयोवृद्ध संत अभय मुनि का चातुर्मासिक प्रवेश

जोधपुर, (कासं)। नानक संप्रदाय के आचार्य प्रवर हगामी लाल महाराज के पट्टधर शिष्य आचार्य अभय मुनि, सेवाभावी भूपेन्द्र मुनि, सरलमना ऋषि मुनि का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शुक्रवार को जयकारों के साथ आचार्य श्री जयमल स्मृति भवन पहली पोल महामंदिर में हुआ।

श्री नवकार नवयुवक मंडल के संयोजक प्रवीण बोहरा एवं मीडिया प्रभारी जितेन्द्र नाहर ने बताया कि 95 वर्षीय आचार्य अभय मुनि के मंगल प्रवेश पर पुरुषों ने श्वेत वस्त्र एवं महिलाओं ने चूंदड़ी साड़ी में मंगल गीत के साथ जुलूस में अपनी सहभागिता निभाई। चार्तुमास में प्रतिदिन प्रार्थना, प्रवचन, ज्ञानचर्चा, प्रतिक्रमण, धर्मचर्चा इत्यादि धार्मिक कार्यक्रम होंगे। चातुर्मास को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ महामंदिर के अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, महामंत्री शांतिलाल लुंकड़, कोषाध्यक्ष कुशलराज डोसी, मालरक्षक गौतमचंद बोहरा, श्री नवकार नवयुवक मंडल के संयोजक प्रवीण बोहरा, अध्यक्ष अजय मेहता, मंत्री मुकेश लुंकड़, एवं श्री केशर जैन महिला मंडल की अध्यक्ष सरला बोहरा, मंत्री पुष्पा भंडारी, कोषाध्यक्ष प्रभा सुराणा इत्यादि पदाधिकारी रूप रेखा तैयार कर रहे है।

सरिताकुमारी को जिला स्तरीय बुनकर पुरस्कार

जैसलमेर में कलैक्टर प्रतापसिंह एव राजूराम ने बुनकरों के उत्पादों का अवलोकन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। कुशल बुनकरोंके द्वारा उत्पादित उत्कृष्ट उत्पादों को पहचान व सम्मान दिलाने के लिए जिला स्तर पर बुनकर पुरस्कार के लिए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा जिला स्तरीय हथकरघा/बुनकर पुरस्कार के लिए चयन समिति के अध्यक्ष जिला कलैक्टर प्रतापसिंह एवं समिति के सदस्य राजुराम मंत्री जैसलमेर जिला खादी ग्रामोदय परिषद द्वारा बुनकरों के उत्पादों का अवलोकन कर उत्कृष्ट उत्पादों का चयन किया गया। सरिता कुमारी को प्रथम स्थान, गोरधनराम को द्वितीय, तिलोकाराम को तृतीय स्थान तथा दीपाराम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए। बैठक में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक सन्तोष कुमारी ने बताया कि पुरस्कार के तहत प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान वालों को क्रमशः 51सौ, 31सौ, 21सौ तथा सांत्वना पुरस्कार स्वरूप 11सौ रूपये की राशि दिये जाने का प्रावधान किया गया है तथा जिला स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त बुनकरों के उत्पादों को राज्य स्तरीय पुरस्कार चयन हेतु आयुक्तालय उद्योग एवं वाणिज्य, जयपुर को भिजवाया जाएगा।

8 जुलाई को पेंशन अदालत

जोधपुर, (नि.सं.)। फ्रंटियर मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, जोधपुर द्वारा सीसुबल के पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए 8 जुलाई को राष्ट्र-व्यापी पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

यह पेंशन अदालत फ्रंटियर मुख्यालय, जोधपुर में आयोजित की जाएगी, जिसमें राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और जम्मू राज्य के सीमा सुरक्षा बल पेंशनभोगियों, पारिवारिक पेंशन भोगियों की पेंशन से संबंधी शिकायतों व समस्याओं का निवारण किया जायेगा। यदि किसी पेंशन एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों को पेंशन से संबंधित कोई समस्या है, तो वह इस पेंशन अदालत में स्वयं उपस्थित होकर, निकटतम सीमा सुरक्षा बल की बटालियन /मुख्यालय में पहुँच कर या पेंशनभोगी अपने स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। इस पेंशन अदालत में पेंशनभोगी व्यक्तिगत रूप से शामिल होते हैं तो वह शिकायत / समस्या के निपटान में ज्यादा उपयोगी होगा।

आम सूचना

श्रीमती फुलवन्ती माली पत्नि मोहनलाल माली, निवासी -कालन्द्री जिला सिरोही का कब्जासुदा, मालिकाना हक का भुखण्ड ग्राम कालन्द्री की आबादी भूमि नया खेडा में कुल क्षैत्रफल 3034 वर्गफीट का आया हुआ है। जिसका पट्टा संख्या 43 दिनांक 25.07.1967 को छोगाराम पुत्र लकमाजी माली के पक्ष में ग्राम पंचायत कालन्द्री द्वारा जारी किया गया एवं दिनांक 23.03.2008 को छोगाराम का एवं दिनांक 14.09.2024 को चुन्नीबाई का देहान्त हो गया जिनके वारिसदार मोहनलाल, राजू, गोपाल, कमला व लीला हैं एवं कमला व लीला ने अपना हक मोहनलाल राजू माली और गोपाल माली के पक्ष में जरिये हकर्तकनामा संख्या 20190338100997 दिनांक 02.09.2019 को उप पंजीयक कार्यालय कालन्द्री में निष्पादित किया एवं दिनांक 03.09.2019 को मोहनलाल, गोपाल माली, राजू माली, के बीच में बंटवाडानामा उप पंजीष्क कार्य्रालय कालन्द्री में निष्पादित कर क्रम संख्या 201903328101002 पर दिनांक 03.09.2019 को पंजीबद्ध किया गया । जिसमें मोहनलाल के पक्ष में 1025 वर्गफीट का हिस्सा आया हुआ । जिसका बक्षीशनामा पत्नि फुलवन्ती के पक्ष में दिनांक 19.05.2025 को मोहनलाल माली द्वारा निष्पादित कर बख्शीशनामें का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय कालन्द्री में दिनांक 19.05.2025 को पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 96 पृष्ठ संख्या 76 क्रम संख्या 202503328101101 पर पंजीबद्ध किया गया । फुलवन्ती माली द्वारा पट्टा संख्या 43 एवं हकतर्कनामा संख्या 20190338100997 कहीं गुम हो गया है । जिसकी गुमसूदगी राजस्थान पुलिस में दिनांक 07.04.2025 क्रम संख्या 2818635/2025 पर दर्ज करवाई गई । उपरोक्त सम्पति पर फुलवन्ती माली द्वारा **इंडिया शेल्टर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड शाखा सिरोही** द्वारा ऋण लिया जाना प्रस्तावित है । इसलिये उक्त आम सुचना के जरिये सुचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को उक्त खोए गए दस्तावेज मिले हो तो अध्योहस्ताक्षारकर्ता को सम्पर्क कर लौटाने का श्रम करावें तथा यदि किसी को कोई आपति हो तो तीन दिन के भीतर अध्योहस्तक्षरकर्ता को दर्ज करावें । बाद म्याद गुजरने कोई आपति स्वीकार्य नही होगी ।

इति दिनांक 04.07.2025

अभिनव सुथार अधिवक्ता
R/1443/2005
वर्धमान कॉलोनी , आहोर, तहसील आहोर , जिला जालोर (राज.)
मो.न.9799152119

हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी का कुख्यात सरगना गिरफ्तार

तस्कर पर आईजी, अजमेर रेंज ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था

पुलिस ने 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस ने हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी के कुख्यात सरगना को गिरफ्तार किया है। इस पर आईजी, अजमेर रेंज ने 50 हजार रुपये का इनाम रखा था। इस ऑपरेशन को शाहपुरा, हमीरगढ़ थानों के साथ ही सायबर टीम ने अंजाम दिया।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इनामी-वांछित आरोपित की धरपकड़ को लेकर अभियान चला रखा है। इसी के तहत 50 हजार रुपये के इनामी बजरंग पिता अम्बा लाला मीना निवासी टोपा थाना शाहपुरा की गिरफ्तारी के लिए एएसपी शाहपुरा राजेश आर्य के निकटतम सुपरविजन व डीएसपी शाहपुरा ओमप्रकाश विश्नोई के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शाहपुरा थाने में आरोपी बजरंग व अन्य आरोपियों को हथियार देने का मामला दर्ज किया गया। आरोपी के खिलाफ पूर्व में चार प्रकरण एक्साईज एक्ट, दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट, एक प्रकरण डकैती का, तीन प्रकरण जानलेवा हमला मारपीट का एक प्रकरण जालसाजी धोखाधड़ी का दर्ज है जो जैर ट्रायल है। आरोपी की गिरफ्तारी पर महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज अजमेर ने 50 हजार रूपये इनाम की घोषणा की थी। गठित पुलिस टीम ने आरोपी के बारे में सूचना देने के लिए दोस्तों, रिश्तेदारों के यहां मुखबीर लगाये। आरोपित इतना शातिर है कि

- ऑपरेशन को शाहपुरा, हमीरगढ़ थानों के साथ ही सायबर टीम ने अंजाम दिया

पुलिस के पहुंचने से पहले वह फरार हो जाता था।

तकनिकी विश्लेषण से मिले सुराग के बाद पुलिस ने उसके ठिकाने का पता लगाया और उसे दबोच लिया। सजा पुलिस ने आरोपित बजरंग का आपराधिक रेकार्ड का खुलासा करते हुये बताया कि इसके खिलाफ 2009 में फूलियाकलां थाने में जानलेवा हमले का, जबकि 2012 में एक्ससाइज एक्ट के दो मामले दर्ज हुये थे। इन दोनों में 20 दिसंबर 2012 को उसे सजा हो चुकी है। इसके अलावा मारपीट, जानलेवा हमले जैसे कई गंभीर आरोपों में अलग अलग थाने में दर्जन भर मामले दर्ज है।

किसान की डिग्गी में डूबने से मौत

अनूपगढ़, (निसं)। गांव एक पीजीएम में खेत में बनी 30 फीट गहरी पानी की डिग्गी में डूबने से बुजुर्ग की मौत हो गई।

- मौके पर गोताखोरों को बुलाया गया

पानी निकालते समय 65 वर्षीय सुखविंदर सिंह का पैर फिसल गया, जिससे यह हादसा हो गया। सुबह करीब नौ बजे उनके बेटे गुरप्रीत सिंह को डिग्गी के पास चप्पल और बाइक दिखी। शक होने पर जब वह डिग्गी के पास गया तो अंदर सुखविंदर सिंह का साफा तैरता दिखा। गुरप्रीत ने तुरंत आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी। मौके पर गोताखोरों को बुलाया गया। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद डिग्गी से पानी कम कर सुखविंदर को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम और पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया। प्रथमदृष्टया में लग रहा है कि सुखविंदर सिंह डिग्गी में से बाल्टी के जरिए पानी निकाल रहा होगा और उसी दौरान उसका पैर फिसल गया और यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतक के बेटे गुरप्रीत सिंह ने बताया कि वह और परिवार के अन्य सदस्य पोस्टमॉर्टम नहीं करवाना चाहते हैं और न ही कोई पुलिस कार्रवाई करवाना चाहते है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत बीकानेर
Email ID - sephedbkn@gmail.com, Contact No. 0151-2226454
क्रमांक-3186 दिनांकः 23-6-2025

बोली सूचना संख्या 03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इस कार्य का निविदा प्रपत्र वेबसाईट http:/eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 24.06.2025 को दोपहर 02.00 बजे से दिनांक 14.07.2025 को सांय 06.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 15.07.2025 को दोपहर 01.00 बजे उपस्थिति निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष ऑनलाईन http://eproc.rajasthan.gov.in पर खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र में शुल्क, धरोहर राशि ई-चालान के रूप में निविदा प्रपत्र में वर्णित पक्ष में देय हो, जमा करानी होगी। निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट "www.sppprajasthan.gov.in" एवं http:/eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। कार्य की राशि 158.35 लाख है। शर्त सहित निविदा मान्य नहीं होगी। डाक द्वारा प्रस्तुत निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
UBN No. PHE 2526W50B04011
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
(खेमचंद सिंगारिया) अधीक्षण अभियंता जन स्वा. अभि विभाग, वृत बीकानेर
DIPR/C/8806/2025

Sanitation, Water and Community Health Project
कार्यालय निदेशक, स्वच्छ परियोजना, उदयपुर
पुलिस अन्वेषण भवन के आगे, बडी रोड, उदयपुर (राज.)
ई-मेल-directorswach@rajasthan.gov.in, swachhoudaipur@gmail.com
Ref.: 2540 **E-TENDER NOTICE :- 69/2025-26** Date: 26.06.2025
NIB-SWP2526A0197 UBN:-SWP2526G LRC00452

FOR SUPPLY OF NUTRITIONAL FOOD ITEMS (FOR MAKING SATTU) FOR TB PATIENTS AT FOR MAKING SATTU KENDRA PS JAISAMAND DISTRICT SALUMBER (RAJASTHAN)

Single Stage, Two-envelopes unconditional Bids are invited from Manufacturers/ Distributors/Bonafide dealer in the good for the SUPPLY OF NUTRITIONAL FOOD PRODUCTS (FOR MAKING SATTU) FOR TB PATIENTS AT FOR MAKING SATTU KENDRA PS JAISAMAND DISTRICT SALUMBER (RAJASTHAN) under Swach Project:

S. No	Details of Commodities	Estimated Total cost (in Lacs.)	Bid Security (EMD) (in Rs.)	Bid Fee (in Rs)	Processing Fee (in Rs)
1.	SUPPLY OF NUTRITIONAL FOOD ITEMS (FOR MAKING SATTU) FOR TB PATIENTS AT FOR MAKING SATTU KENDRA PS JAISAMAND DISTRICT SALUMBER (RAJASTHAN)	116.37	232740/-	1000.00	2000.00

The Tender/Bid will only be submitted through online tendering system of www.eproc.rajasthan.gov.in. The interested bidders will have to be enrolled/registered with portal of www.eproc.rajasthan.gov.in for participating in the bidding process.
DIPR/C/9097/2025 DIRECTOR SWACH

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः प.6()जविप्रा/सा.स्टोर/स्कैनिंग कार्य/2025/डी-251 दिनांक : 03.07.2025

निविदा सूचना

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ''स्कैनिंग कार्य'' हेतु जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. 60,00,000/- (अक्षरे साठ लाख रूपये) के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 14.07.2025 को सायं 6:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 14.07.2025 को सायं 6:00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी :-
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रॉक्योरमेन्ट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत होना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/5551 उपायुक्त (सा.स्टोर)

दस हजार का इनामी दलपतसिंह व दो साथी गिरफ्तार

चार देशी पिस्टल मय 19 कारतूस व कार जब्त

उदयपुर, (निसं)। हिरणमगरी थाना पुलिस ने दस हजार रूपये के इनामी बदमाश दलपतसिंह व उसके दो अन्य साथियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चार पिस्टल, 19 कारतूस व एक कार जब्त की। तीनों बदमाश हिस्ट्रीशिटर प्रवीण वसीटा व शंभू झिडोली की हत्या के प्रयास में थे।

प्रकरण के अनुसार 3 जुलाई को डीएसटीटीम के हेडकांस्टेबल भंवर विश्नोई को सूचना मिली कि हिरणमगरी पुलिस थाने का वांछित अभियुक्त दस हजार के इनामी दलपतसिंह अपने दो साथी राजेन्द्र सिंह देवड़ा उर्फ वीरू व किशनलाल खटीक के पास अवैध हथियार हैं जो बेचने की फिराक में है तथा एक कार में सबसिटी सर्कल की तरफ घूम रहे हैं।

इस पर डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी मय टीम ने मौके पर पहुंच दलपतसिंह पुत्र रणजीतसिंह डुलावत निवासी खेतपाल का गुडा खमनौर राजसमंद हाल ग्रेटर कैलाश नगर बड़ी बड़गांव के कब्जे से अवैध 2 देशी पिस्टल 11 जिंदा कारतूस, राजेन्द्र सिंह उर्फ वीरू पुत्र मोतीसिंह देवड़ा निवासी लियों का गुड़ा बड़ी के कब्जे से अवैध एक देशी पिस्टल मय 4 कारतूस तथा किशन खटीक पुत्र लोगर खटीक निवासी थूर बड़गांव के कब्जे से अवैध पिस्टल एवं चार जिंदा कारतूस जब्त किये। दलपत सिंह के कब्जे से कार जब्त कर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

इस मामले में 23 मार्च को पीड़ित चतरसिंह ने हिरणमगरी पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि सवेरे मेरी पत्नी फाटक बजाने की आवाज सुने बाहर आकर देखा तो घर के बाहर रोड़ पर एक मोटरसाइकिल पर दो जने सवार थे एक ने मास्क लगा रखा था एवं एक खुले मुंह था। दोनों ने चतरसिंह के घर पर है या नहीं पूछा तो पत्नी ने घर पर होना बताया। दोनों के कहने पर पत्नी ने मुझे बाहर बुलाया। इस दौरान बदमाश ने मुझ पर पिस्टल से फायर किया तो मैने फाटक के सहारे निचे झुककर बचाव किया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर दलपतसिंह द्वारा भेजे गए अभियुक्त सुभाष लौहार पुत्र मदन लौहार निवासी डांगियों की पचोली हाल वैशाली नगर प्रतापनगर, रघुवीरसिंह देवड़ा उर्फ विशाल पुत्र शंभू सिंह निवासी मटुन को गिरफ्तार किया गया था जबकि दलपतसिंह फरार था। जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रूपये का इनाम घोषित कर रखा था।

मंदिर में चोरी

अजमेर, (कासं)। शहर के अजय नगर स्थित कांच वाले भोलेश्वर मंदिर में बीती रात चोरी की वारदात सामने आई है।

मंदिर के पुजारी चक्रेशचंद जोशी ने बताया कि जब वह रोजाना की तरह सुबह आरती के लिए पहुंचे तो भगवान की मूर्ति के ऊपर लगा चांदी का करीब चार सौ ग्राम वजनी छत्र गायब मिला। रामगंज थाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुजारी के अनुसार एक चोर मंदिर में दाखिल हुआ और भगवान की मूर्ति के ऊपर से चांदी का छत्र चुरा ले गया। मंदिर के बाहर एक और संदिग्ध व्यक्ति रैकी करता नजर आया। घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में वारदात कैद हो गई है, जिसमें एक चोर मंदिर के भीतर घुसकर छत्र चोरी करता नजर आ रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर चोर की शिनाख्त और तलाश शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बीकानेर, (निसं)। गंगाशहर थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद उसका शव पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा गया है। रेलवे लाइन के आसपास सुसाइड के मामलों में बढ़ोतरी हुई है।

जानकारी के अनुसार गंगाशहर पुलिस थाना क्षेत्र के घड़सीसर गांव के पास पुलिया के निकट से गुजर रही रेलवे लाइन पर युवक का शव मिला है। माना जा रहा है कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। हादसा शुक्रवार सुबह का है। मौत कैसे हुई इसकी जांच की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही गंगाशहर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को रेल पटरी से हटाकर किनारे रखवाया गया। सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने मौके पर पहुंचकर खून से लथपथ शव को

- परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम होगा

पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी तक पहुंचाया। शव आशीष नगर निवासी माणक चंद का है, जिसकी उम्र करीब पचास साल है। उसके परिजनों को सूचना दी गई है। उनके आने के बाद ही पोस्टमॉर्टम होगा। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर गंगाशहर पुलिस जांच करेगी। शव को पीबीएम पहुंचाने में खादिमतगार खादिम सोसाइटी और असहाय सेवा संस्थान के सेवादार हाजी जाकिर, हाजी नसीम, सोयब, असहाय सेवा संस्थान के राजकुमार खडगावत, ताहिर हुसैन, मो जुनैद, अब्दुल सतार ने शव को मॉर्च्युरी में रखवाया।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड
राज्य कृषि प्रबंध संस्थान परिसर, दुर्गापुरा, जयपुर-302018, फोन - 0141-2552796
क्रमांक-प.14(131)RSSB/अर्थना/NHM/संविदा भर्ती/2024/
दिनांकः यथाहस्ताक्षर

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के विभिन्न संवर्ग के संविदा पदों हेतु सीधी भर्ती परीक्षा-2025

बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के विभिन्न संवर्ग के लिये **राजस्थान कान्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स, 2022 यथा संशोधित** के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न संवर्ग के कुल 8256 (गैर अनुसूचित क्षेत्र के 7828 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 428) तथा राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के विभिन्न संवर्ग के कुल 5142 (गैर अनुसूचित क्षेत्र के 4850 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 292) पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 01/2025 दिनांक 28.01.2025 तथा संशोधित विज्ञप्ति दिनांक 17.02.2025, 18.02.2025 तथा 01.04.2025 को जारी की गई थी। उक्त संवर्ग की भर्ती परीक्षाएं दिनांक 02.06.2025 से 13.06.2025 तक आयोजित करवाई गई हैं। इस भर्ती में आवेदकों को सूचित किया जाता है कि वे अपने ऑनलाईन आवेदन में **07.07.2025 से दिनांक 16.07.2025 तक को 23.59 बजे तक** संशोधन कर सकते है। अभ्यर्थी अपने ऑनलाईन आवेदन में **श्रेणी, विशेष श्रेणी, उप श्रेणी, वैवाहिक स्थिति** इत्यादि में निर्धारित रू. 300/- का शुल्क ऑनलाईन भुगतान कर संशोधन कर सकेंगे। इनके अतिरिक्त शेष अन्य सूचनाओं को परिवर्तित नहीं कर पाऐंगे।
उक्त समय सीमा के पश्चात् किसी भी स्थिति में बोर्ड द्वारा कोई भी ऑफलाईन प्रार्थना पत्र संशोधन हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाईट https://rssb.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें।
DIPR/C/9141/2025 (डॉ. बी. सी. बधाल) सचिव

Government Of Rajasthan
Water Resources Department
Office of the Executive Engineer Water Resources Division Dholpur
Tel & Fax No. 05642-220880 E-Mail - eewrddholpur1@gmail.com
INVITATION OF E-NIT NO. 04 YEAR 2025-26
No.- Date-
On behalf of governor of Rajasthan E-NIT No 04 Year 2025-26 is invited from eligible contractor for 04 Nos. works cost of works is Rs. 51.81 Lacs The detail of works is available on following websites.
UBN No. - (1) WRD 2526 WSO B00533, (2) INRD 2526 WSO B00534
(3) WRD 2526 WSO 1300535, (4) WRD 2526 WSO B00536
1. www.diprrajasthan.gov.in, 2. www.sppp.rajasthan.gov.in, 3. www.eproc.rajasthan.gov.in
Executive Engineer Water Resources Division Dholpur
DIPR/C/8867/2025

दुष्कर्म मामले में आरोपी गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने पीड़िता को सकुशल दस्तयाब कर लिया है।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि पीड़िता के पिता ने अनूपगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि विक्रम (26) उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया, जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर नाबालिग लड़की को दस्तयाब करने के लिए टीम का गठन किया। उन्होंने बताया कि नाबालिग लड़की को दस्तयाब लिया गया है और नाबालिग लड़की को श्रीगंगानगर में बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। नाबालिग लड़की को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी विक्रम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस टीम के द्वारा इस मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)
NOTICE INVITING Bid No. 13/2025-26 Item No. 1-A to 1-C
Bids for Annual Rate contract for Construction & commissioning of 200 mm dia tube wells with submersible pump sets etc. complete work in all types of strata & laying, jointing, testing, commissioning of HDPE pipe line including defect liability period of PANCHAYAT SAMITI AKLERA, MANOHARTHANA, JHALARAPATAN, KHANPUR, BAKANI, BHAWANI MANDI, DAG & PIRAEA of PHED Division Jhalawar/ Bhawani Mandi, District Jhalawar (With Material Complete) are invited from interested bidders upto 10.07.2025 at 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.In. Departmental websites.
NIB No. PHE2526A2023
UBN No. PHE2526WSOB04142, PHE2526WSOB04144, PHE2526WSOB04145
Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar
DIPR/C/9070/2025

कार्यालय सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, बीकानेर
क्रमांकः- एनएचएम/बिड/लेखा/2025/780-782 दिनांक :- 26/6/25
खुली / ई-निविदा सूचना संख्या DHS/BKN 03/2025-26
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बीकानेर में आवास भोजन एवं जलपान व्यवस्था, औषधियों की व्यवस्था करने हेतु एक वर्ष के लिए दर संविदा हेतु ई-निविदा प्रक्रिया से दिनांक 07.07.2025 समय सांय 4.00 बजे तक प्रदायकर्ता से निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण राजकीय वेबसाईट http:sppp.raj.nic.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
1. Essential Drugs E Tender NIB NO:-MHS2526 UBN No:-MHS 2546 GLRC02389
2. Food & Residential arrangements E Tender NIB No :- 41511 UBN No:- Mlts 2526 SLAC02390
मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी एवं सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, बीकानेर
DIPR/C/9044/2025

आठ फीट लंबे जख्मी ब्लैक कोबरा सांप की सफल सर्जरी

पशु चिकित्सक टीम ने कोबरा के शरीर पर आई गंभीर चोटों और कटे हुए अंगों को जोड़ने के लिए जटिल सर्जरी की

अजमेर, (कासं)। माखुपुरा गांव में मानवता और जीव संरक्षण की अनूठी मिसाल सामने आई है, जहां आठ फीट लंबे जख्मी ब्लैक कोबरा को स्नेक कैचर द्वारा रेस्क्यू कर शास्त्री नगर स्थित पशु चिकित्सालय पहुंचे, जहां डॉक्टर डॉ. मयंक और उनकी टीम ने कोबरा सांप की सफल सर्जरी कर उसकी जान

- डॉक्टरों की टीम ने कोबरा के जख्मी हिस्से को साफ किया, फिर लगभग 20 टांके लगाए

चिकित्सकों टीम ने जख्मी सांप का उपचार किया।

बचाई। आमतौर पर जहरीले सांपों से दूरी बनाकर रखते हैं, स्नेक केचर और चिकित्सकों की इस मानवता की मिसाल की सब तारीफ कर रहे हैं।

स्नेक कैचर ने जख्मी सांप रेस्क्यू कर पहुंचाया अस्पताल :-जानकारी के अनुसार आदर्श नगर थाना क्षेत्र के माखुपुरा गांव में घायल काले कोबरा को स्नेक कैचर नरेश कुमार ने देखकर रेस्क्यू किया और तत्काल शास्त्री नगर स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जख्मी सांप को शास्त्री नगर स्थित पशु चिकित्सालय लाया गया, जहां पशु चिकित्सक डॉ. मयंक और उनकी टीम ने कोबरा के शरीर पर आई गंभीर चोटों और कटे हुए अंगों को जोड़ने के लिए जटिल सर्जरी की। डॉक्टरों ने कोबरा के जख्मी हिस्से को पहले साफ किया, फिर लगभग 20 टांके लगाए। डॉक्टरों की टीम ने सफलता पूर्वक सर्जरी को अंजाम दिया। डॉ. मयंक ने बताया कि घायल कोबरा को उचित इलाज देने के बाद पूरी तरह स्वस्थ होने पर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया।

स्नेक केचर नरेश कुमार ने बताया कि मानसून के मौसम में विभिन्न प्रजातियों के अक्सर जहरीले सांप रिहायशी इलाकों में आ जाते हैं, ऐसे में वे लोगों को जागरूक कर सांपों को सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल या नाग पहाड़ियों में छोड़ते हैं।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-
इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में): भिवाड़ी(प्रथम)-औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी में जोन 4 और 5 में आर.सी.सी. नालियों के निर्माण, सी.डी. तथा अप्रोच कल्वर्ट का कार्य। RDC2526WLOB00511(1754.57), RDC2526WSOB00514(7.68), RDC2526WSOB00515(51.86), RDC2526WSOB00516(4.74), RDC2526WSOB00517(4.27), RDC2526WSOB00518(10.46), जयपुर(उत्तर)-औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा, जयपुर में थिन व्हाईट टोपिंग द्वारा सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण एवं विभिन्न स्थानों पर नालियों का उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB00482(769.74), औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा-विस्तार, जयपुर में थिन व्हाईट टोपिंग द्वारा सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण एवं आरसीसी बॉक्स टाईप नाली द्वारा नालियों का उन्नयन का कार्य। RDC2526WLOB00483(701.46), RDC2526WSOB00485(52.49), RDC2526WSOB00486(10.09), RDC2526WSOB00487(16.32), RDC2526WSOB00488(1.95), ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर-RDC2526WSOB00492(271.45), RDC2526WSOB00491(134.39), RDC2526WSOB00493(1.84), RDC2526WSOB00494(1.76), किशनगढ-RDC2526WSOB00501(392.46), RDC2526WSOB00504(8.49), सवाईमाधोपुर-RDC2526WSOB00505(199.84), अजमेर-RDC2526WSOB00458(19.81), कोटा-RDC2526WSRC00459(37.92), RDC2526WSRC00460(28.85), उदयपुर-RDC2526WSOB00461(7.50), RDC2526WSOB00462(8.38), RDC2526WSOB00463(2.65), RDC2526WSOB00464(20.23), RDC2526WSOB00481(95.34), चूरू-RDC2526WSOB00465(3.25), नागौर-RDC2526WSOB00466(75.48), RDC2526WSOB00467(17.62), RDC2526WSOB00512(4.08), RDC2526WSOB00513(21.27), अलवर-RDC2526WSOB00468(14.53), RDC2526WSOB00469(14.26), RDC2526WSOB00470(18.73), RDC2526WSOB00471(28.06), RDC2526WSOB00472(69.61), सीकर-RDC2526WSOB00473(1.85), RDC2526WSOB00474(1.91), RDC2526WSOB00475(1.85), RDC2526WSOB00476(1.91), RDC2526WSOB00477(2.49), RDC2526WSOB00478(9.30), RDC2526WSOB00479(10.55), RDC2526WSOB00480(10.02), पाली-RDC2526WSOB00484(5.11), नीमराना-RDC2526WSOB00489(33.72), RDC2526WSOB00490(11.31), झुंझुनु-RDC2526WSOB00499(65.05), RDC2526WSOB00502(4.64), जयपुर(दक्षिण)-RDC2526WSOB00495(78.81), RDC2526WSOB00496(8.32), RDC2526WSOB00497(2.49), RDC2526WSRC00498(1.08), RDC2526WSOB00500(1.46), मण्डोर-RDC2526WSOB00506(3.76), श्रीगंगानगर-RDC2526WSOB00507(8.25), RDC2526WSOB00508(12.45), धौलोठ-RDC2526WSOB00509(7.92), RDC2526WSOB00510(12.23), आबूरोड-RDC2526WSOB00519(1.90), RDC2526WSOB00524(19.12), RDC2526WSOB00520(12.05), जयपुर(ग्रामीण)-RDC2526WSOB00521(5.47), RDC2526WSOB00522(6.96), RDC2526WSOB00525(5.16), RDC2526WSOB00526(4.56), RDC2526WSOB00527(6.38), RDC2526WSOB00528(3.81), RDC2526WSOB00531(68.86), भिवाड़ी(द्वितीय)-RDC2526WSOB00523(17.41), RDC2526WSOB00529(11.20), RDC2526WSOB00530(73.80), RDC2526WSOB00532(84.58)
कुल कार्यों की संख्या-74
निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593243
Raj.Samwad/C/25/5585

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिरार, गोरी चार बाग भरतपुर 321 001 (राज0)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030
क्रमांक-M&H/2025-26/711 दिनांकः 24.06.2025
निविदा सूचना संख्याः 13/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य भरतपुर संभाग में रू. 270.00 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

S.NO.	Name of work	Amount	UBIN No
1	Construction of New PHC Building at Tuhiya Distt. Bharatpur	135.00	MHS2526WSOB02306
2	Construction of New PHC Building at Gudla Distt. Karauli	135.00	MHS2526WSOB02307

(एल.के. अग्रवाल) अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर
DIPR/C/8984/2025

चाकू की नोक पर विवाहिता से दुष्कर्म

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली विवाहिता के साथ चाकू की नोक पर दुष्कर्म और 10 लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति के दोस्त पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता के पति की 2024 में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद पति का दोस्त लगातार मदद करने के बहाने घर

- पीड़िता ने पति के दोस्त पर दुष्कर्म व 10 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया

आता-जाता रहा। आरोपित ने व्यवसाय में निवेश करवाने और बच्चों के भविष्य का भरोसा देकर मार्च 2024 से 2025 के बीच पीड़िता से करीब 10 लाख रुपये भी ले लिए।

पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने नशे की हालत में कई बार घर में अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि एक दिन जब पीड़िता घर में अकेली थी तब आरोपी ने चाकू दिखाकर उसके साथ जबरन दुराचार किया और पैसे लौटाने से भी इनकार कर दिया। पीड़िता के अनुसार आरोपी द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना और डराया धमकाया जा रहा था। घटना की शिकायत मिलते ही क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगर परिषद्, झुन्झुनू (राज.)
क्रमांक :-एफ(5)( )विकास/2025-26/3755 दिनांक :- 03.07.2025
ई-निविदा संख्या 07/2025-26
(NIB Code- DLB2526A3188)
कुल राशि - 159.42 लाख

निविदा की कुल लागत (लाखो में)	15942000/-
कुल धरोहर राशि 2 प्रतिशत (रूपये में)	318840/-
कुल धरोहर राशि 1/2 प्रतिशत (रूपये में)	79710/-
निविदा डाउनलोड करने की तिथि	07.07.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 18.07.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की तिथि	07.07.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 18.07.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	18.07.2025 दोपहर 2.00 बजे

निविदा सूचना इंटरनेट साईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।
आयुक्त नगर परिषद झुन्झुनू
राज.संवाद/सी/25/5571

राजस्थान सरकार
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजसमन्द
(जिला स्वास्थ्य समिति, राजसमंद)
निविदा कमांक मु.चि.अ()/डीएचएस/लेखा/2025/2777 दिनांक-20/06/2025
आयुष्मान आरोग्य मंन्दिर में मानव संसाधन हेतु निविदा
ई-निविदा सूचना : 02/2025-26
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजसमन्द में आयुष्मान आरोग्य मंन्दिर हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 तक एव राज0 लोक उपापन परदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राज0 उपापन नियम 2013 के नियमानुसार जॉब बेसिस पर मानव संसाधन उपलब्ध कराये जाने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्तिकर्ताओं / स्वयं सहायता समूहों / संवेदक एजेंसी से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	नाम कार्य	अनुमानित लागत	निविदा शुल्क	Sppp/Eproc पोर्टल एवं कार्यालय से निविदा प्रपत्र बिड इत्यादि प्राप्त करने की तिथि	RISL शुल्क	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	कार्यकारी एजेंसी	UBN No.
1	आयुष्मान आरोग्य मंन्दिर में मानव संसाधन हेतु	195 लाख	1000/-	20 जून 2025	2000/-	14 जुलाई 2025	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजसमन्द	MHS2526 SLOBO2136

1. निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय के नोटिस बोर्ड www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजसमन्द
DIPR/C/8703/2025

राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कृतसंकल्पित : भजनलाल शर्मा

राज्य महिला सदन में 11 आवासनियों का विवाह सम्मेलन हुआ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जरूरतमंदों का सहारा बन रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। शर्मा शुक्रवार को राज्य महिला सदन, सांगानेर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमारी सरकार की सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह आयोजन सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित बेटियों के लिए एक नया सवेरा है। इससे उन्हें सम्मान, स्नेह और आत्मनिर्भरता की राह मिली है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 11 लाडलियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले सामूहिक विवाह के बाद 1900 से अधिक युवकों ने यहां की बेटियों से विवाह के लिए आवेदन किया था। इनमें से 11 योग्य युवकों का चयन किया गया, जो आज हमारी लाड़लियों के जीवनसाथी बने हैं। यह चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही, इसमें बेटियों के सम्मान और पसंद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। शर्मा ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश की हर बेटी, हर महिला न केवल आत्मनिर्भर बने, बल्कि समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। हमारी सरकार ने उनके कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधा लाभ लाखों बालिकाओं और महिलाओं तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में विवाह के लिए 21 हजार से 51 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। लाडो प्रोत्साहन योजना बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने 11 लाड़लियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21-21 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक भेंट किए।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, प्रताप राव, राजीव सिंह चौहान, डी.डी. सिंह, बबीता शर्मा, रीना शर्मा सहित समाजसेवी एवं आमजन उपस्थित रहे।

'चातुर्मास मंगल प्रवेश आत्म कल्याण का पावन प्रभात'

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संतशक्ति को नमन करते हुए कहा कि चातुर्मास मंगल प्रवेश आत्म कल्याण का पावन प्रभात है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन आत्मशुद्धि, संयम और साधना का जीवंत प्रतीक है। आचार्यश्री और समस्त साधु-साध्वियों के साथ चातुर्मास समाज को आंतरिक परिवर्तन, करुणा और अध्यात्म की दिशा में अग्रसर करने वाला पर्व है। देवनानी ने यहां तिलक नगर स्थित श्री साधुमार्गी शांत क्रांति जैन संघ द्वारा नवकार भवन में आयोजित समारोह में श्रद्धालुओं को सम्बोधित किया। देवनानी ने कहा कि आचार्यश्री के ओजस्वी प्रवचनों ने अंतर्मन को मंथन यात्रा के लिए प्रेरित किया है। विश्ववल्लभ आचार्य प्रवर 1008 प. पू. विजयराज के सान्निध्य में उनके आजानुवर्ती 30 साधु-साध्वियों ने चातुर्मास मंगल प्रवेश किया।

प्रगतिशील पूर्व विधायक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल संघ के अध्यास जीतराम चौधरी के नेतृत्व में राजस्थान के राज्यपाल माननीय हरिभाऊ वागडे से मिला और अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसे उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल को भेज दिया। प्रतिनिधि मंडल में उपाध्याय रामकिशोर मीणा सचिव अत्तरसिंह भड़ाना, ममता शर्मा एवंअशोक तंवर शामिल थे।

सूचना सहायक भर्ती के नियुक्ति पत्र जारी करने पर लगी रोक हटी, याचिकाएं खारिज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना सहायक भर्ती-2023 में नियुक्ति पत्र जारी करने पर लगी अंतरिम रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही अदालत ने विवादित प्रश्न-उत्तरों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश बबीता बाई बैरवा व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अदालत न तो विषय विशेषज्ञ है और ना ही विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है। याचिकाकर्ताओं ने लिखित परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल नहीं उठाया है। याचिकाकर्ता सिर्फ अंतिम उत्तर कुंजी से सहमत नहीं है। वहीं अंतिम उत्तर कुंजी जारी करने से पूर्व सवालों का विषय विशेषज्ञों से परीक्षण कराया गया है। ऐसे में विवादित प्रश्नों के उत्तरों पर फिर से विचार करने के लिए नई विशेषज्ञ कमेटी गठित करने का कोई औचित्य नहीं है। याचिकाओं में कहा गया कि राज्य सरकार ने सूचना सहायकों के 3415 पदों के लिए भर्ती निकाली थी। जिसकी लिखीत परीक्षा 21 जनवरी, 2024 को हुई और प्रथम उत्तर कुंजी 2 फरवरी, 2024 को जारी की गई।

याचिका में कहा गया कि उत्तर कुंजी में कुछ सवालों के जवाब गलत जांचे गए। जिसके चलते याचिकाकर्ताओं के अंक कम आए और वे चयन प्रक्रिया से बाहर हो गए। इसलिए विवादित प्रश्नों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि चयन बोर्ड ने अभ्यर्थियों से आपत्तियां मांगकर उनका विशेषज्ञों से परीक्षण करवाकर अंतिम उत्तर कुंजी जारी की थी। ऐसे में अदालत विशेषज्ञ की रिपोर्ट पर दखल नहीं दे सकती है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाओं को खारिज करते हुए पूर्व में नियुक्ति पत्र जारी करने लगी रोक को हटा दिया है।

अपील के निर्णय के अधीन रहेगी नर्सिंग ऑफिसर भर्ती

- सीएचए व सीएचओ का काम अपीलार्थियों के समान नहीं है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में कोविड काल में संविदा पर दो साल से भी कम समय काम करने वाले कोविड हेल्थ वर्कर व कोविड हेल्थ ऑफिसर को कार्य अनुभव के 15 बोनस अंक का लाभ देने के मामले में राज्य सरकार से जवाब देने के लिए कहा है। वहीं भर्ती की चयन प्रक्रिया को अपील में होने वाले निर्णय के अधीन रखा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस मनीष शर्मा ने यह आदेश मनोहर लाल की अपील पर दिया।

मामले से जुड़े अधिवक्ता प्रदीप सिंह ने बताया कि अपील में एकलपीठ के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की याचिका को खारिज कर दिया था। अपील में कहा कि राज्य सरकार ने 25 अप्रैल 2023 को अधिसूचना जारी कर कोविड काल में संविदा पर दो साल से भी कम समय काम करने वाले कोविड हेल्थ वर्कर व कोविड हेल्थ ऑफिसर को कार्य अनुभव के 15 बोनस अंक का लाभ देने के लिए कहा है। यह गलत है, इससे कोविड में एक दिन काम करने वाला अभ्यर्थी भी बोनस अंक का पात्र हो गया है।

इसके अलावा सीएचए व सीएचओ का काम अपीलार्थियों के समान नहीं है। ऐसे में सीएचए व सीएचओ को कार्य अनुभव के बोनस अंक देने से अपीलार्थी अस्थाई वरीयता सूची से बाहर हो गए हैं। जबकि वे पिछले 7-8 साल से नियमित तौर पर नर्सिंग का काम कर रहे हैं। उन्हें बोनस अंक देने से अपीलार्थियों के हित भी प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए दो साल से कम काम करने वाले सीएचए और सीएचओ को बोनस अंक का लाभ नहीं दिया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए चयन प्रक्रिया को अपील के निर्णय के अधीन रखा है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। विधाधर नगर थाना पुलिस ने संगीन अपहरण की वारदात का 12 घंटे में खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार एक नाबालिक बालक को भी निरुद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात के काम में ली गई बोलेरो कैम्पर गाडी भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए करीब 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और रुट मैप तैयार कर आरोपियों को दबोच लिया।

कथा समापन दिवस पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

- शिव महापुराण कथा शिव तत्व की प्राप्ति का श्रेष्ठ माध्यम : संतोष सागर

जयपुर। श्री शिव महापुराण कथा समिति की ओर से बनीपार्क में आयोजित शिव महापुराण कथा में शुक्रवार अंतिम दिवस को भगवान शिव के महामृत्युंजय और पंचाक्षरी मंत्र की महिमा, महान शिवभक्तों के चरित का बखान कथावाचक संतोष सागर ने व्यास पीठ से किया।

संतोष सागर ने बताया कि भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं। पंचाक्षरी मंत्र का जप उनकी विशेष कृपा देने वाला है। महामृत्युंजय जप जीव को मुक्ति देने वाला है। अनेक शिव भक्तों ने इन मंत्रों के जप और भगवान शिव के प्रति समर्पण के भाव से शिवलोक प्राप्त किया। समिति के महामंत्री अरुण खटोड़ ने बताया कि कथा के दौरान इस अनुष्ठान में सहयोग करने वाले समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सहयोगियों का व्यास पीठ की ओर से स्मृति चिह्न देकर आभार जताया गया। कथा के अंतिम दिवस भक्त भारी संख्या में उपस्थित रहे। 22 युगल जोड़े ऐसे रहे जिन्होंने अनुष्ठान के सभी नियमों का पालन करते हुए पूरे 9 दिन कथा श्रवण किया। समिति ने इन यजमान जोड़ों का विशेष सम्मान किया। कथा श्रवण में अतिथि के तौर पर घाट के बालाजी के महंत सुरेश मिश्रा, भाजपा नेता अशोक परनामी, एस एस अग्रवाल, संजय जैन, प्रधान यजमान हेरिटेज जयपुर नगर निगम मेयर कुसुम यादव सहित कार्यकर्ता व श्रोता उपस्थित रहे।

'लापताओं की तलाश के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाए'

- हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को कहा कि राजस्थान पुलिस की जांच का ढर्रा अभी भी पुरानी तरह से ही चल रहा है, आज एआई सहित मॉडर्न तकनीक आ गई है, लेकिन पुलिस उसका उपयोग नहीं कर रही है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को कहा है कि राजस्थान पुलिस की जांच का ढर्रा अभी भी पुरानी तरह से ही चल रहा है। आज एआई सहित मॉडर्न तकनीक आ गई है, लेकिन पुलिस उसका उपयोग नहीं कर रही है। अदालत ने कहा कि लापताओं की तलाश के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाए। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश नरेंद्र सिंह रावत अन्य की और से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान डीजीपी राजीव शर्मा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें कहा कि पुलिस लापता की तलाश की जांच मोबाइल तक ही सीमित रखती है। आजकल का युवा मोबाइल की तकनीक को भली-भांति समझता है। वहीं यदि पुलिस को जानकारी मिलती है कि आरोपी सुदूर इलाके में है तो पुलिस यहां से टीम बनाकर भेजती है। जब तक पुलिस वहां पहुंचती है, आरोपी वहां से निकल जाता है। यदि पुलिस उचित तकनीक काम में ले तो स्थानीय पुलिस की मदद से कुछ मिनट में ही आरोपी को पकड़ा जा सकता है। अदालत ने एक मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि 2 साल के बच्चे की तलाश 6 साल बाद भी जारी है, लेकिन पुलिस के पास उसका स्केच तक नहीं है। ऐसे में पुलिस किस आधार पर जांच कर रही है, यह समझ के परे है। अदालत में यह भी कहा कि मामलों की सुनवाई के दौरान कोर्ट के ऑब्जरवेशन को जांच अधिकारी अदालत का निर्देश समझ लेते हैं, जो भी उचित नहीं है। अदालत ने डीजीपी को कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि आपके कार्यकाल में कुछ अच्छा हो जाए। डीजीपी ने अदालत को कहा की लापताओं की तलाश नई तकनीक से की जाती है। वहीं अब अदालत की मंशा को देखते हुए मॉडर्न तकनीक काम में लाई जाएगी। अदालत में खाटू श्यामजी इलाके से लापता हुए 40 वर्षीय व्यक्ति के मामले में नामजद व्यक्ति की सहमति से उसका पॉलीग्राफ टेस्ट करने को कहा है। वहीं अदालत ने मामले में 10 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में अधिवक्ता नगेंद्र सिंह ने बताया कि अप्रैल 2024 में उसका भाई खाटू श्याम जी इलाके से लापता हुआ था। इसे लेकर स्थानीय पुलिस थाने में नामजद रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। इसके बावजूद अभी तक पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं एक अन्य मामले में अधिवक्ता एसएस अली ने बताया कि रामगंज थाना इलाके से 6 फरवरी 2024 को 15 वर्षीय किशोरी लापता हुई थी। आरोपी युवक का घर पीड़िता के घर के सामने ही है। पुलिस को नामजद रिपोर्ट देने के बाद भी अब तक पुलिस ने पीडिता की बरामद की नहीं की है। दूसरी ओर संबंधित युवक के परिजनों ने भी युवक के लापता होने की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। जिससे जाहिर है कि युवक के परिजनों को युवक को लेकर जानकारियां हैं।

'स्मार्ट मीटर नहीं, स्मार्ट बिजली व्यवस्था चाहिए'

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने राजस्थान सरकार द्वारा पुरानी मीटरिंग प्रणाली को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं के साथ छलावा बताया है ।उन्होंने कहा कि सरकार आम उपभोक्ताओं के हितों को दरकिनार कर केवल कुछ चुनिंदा कंपनियों को लाभ पहुंचाने का जरिया बन गई है। इसी कारण सरकार के इस पूरे अभियान की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठते हैं।

कांग्रेस नेता खंडेलवाल ने कहा कि जहां सरकार एक ओर यह दावा कर रही है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद होंगे, वहीं दूसरी ओर हाल ही में सामने आए तथ्यों के अनुसार स्मार्ट मीटर से रीडिंग कम नहीं बल्कि काफ़ी ज़्यादा आ रही हैं। एक उपभोक्ता द्वारा की गई जांच में पाया गया कि सामान्य मीटर से 279 यूनिट का उपयोग दर्ज हुआ, वहीं स्मार्ट मीटर ने उसी अवधि में 429 यूनिट दिखाए इससे 150 यूनिट का अंतर सीधा सीधा अत्यधिक बिल में तब्दील होता है । यह अंतर उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला है।जबकि सरकार का तर्क है कि स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी रुकेगी, रीडिंग ऑनलाइन जाएगी, और लाइव डाटा मिलेगा। लेकिन हकीकत यह है कि जो कार्य एक लाइनमैन करता है - जैसे चोरी पकड़ना, मीटर की जांच करना, उपभोक्ताओं से संपर्क बनाए रखना - वो काम एक मशीन नहीं कर सकती।कांग्रेस नेता खंडेलवाल ने बताया कि 1995-1996 से राजस्थान में कई बार मीटर बदल हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए ।अब पुन: इन पुराने मीटरो को हटाकर स्मार्ट मीटर लगाने की जबरदस्ती की जा रही है

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार का यह प्रोजेक्ट लगभग 10,000 करोड़ का है इसमें से सिर्फ 15 (900 रुपए प्रति मीटर) की सहायता केंद्र देगा ।बाकी पूरा खर्च राज्य और उपभोक्ता उठायेगे ।अगर राज्य सहयोग नहीं करता तो केंद्र 5,400 करोड़ रुपयों की सहायता राशि रोकने की धमकी दी गई है। ऊपर से सूर्यघर योजना के तहत एक और स्मार्ट मीटर का प्रावधान कर दिया गया है जिससे कुल खर्च 20,000 करोड़ हो जाएगा।

गिरिराज खंडेलवाल ने राज्य सरकार के इस निर्णय को ग़लत बताते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगवाना उपभोक्ताओं का वैकल्पिक अधिकार होना चाहिए, न कि जबरन थोपी गई व्यवस्था।

ज्वैलर्स से लूटपाट करने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 28 जून की रात को एक ज्वैलर्स से लूटपाट करने वाले पांच बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी मनोज कुमार बरेवाल ने बताया कि चंद्र प्रकाश सोनी ने मामला दर्ज करवाया था कि वह सेक्टर 26 प्रताप नगर में वर्ष 2004 से रह रहा है और वह मूलत बाटौदा जिला सवाई माधोपुर का रहने वाला है। उसकी शुभम ज्वैलर्स के नाम से दुकान है 28 जून की रात को दुकान मंगल कर घर जा रहा था तो प्रेम मंदिर के पास उसके घर की गली में मुड़ते ही उक स्कॉर्पियो गाड़ी ने टक्कर मार कर उसे नीचे गिर गया। इसके बाद गाडी में से दो-तीन लड़के उतरे और डंडों से मारते हुए बैग लूट कर ले गये। बैग में 25 हजार रूपय नगद 15 ग्राम सोना व 12 किलो चांदी सामान सहित एटीएम कार्ड ,चेक बुक आदि सामान था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आस-पास के लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों का रूट तैयार करते हुए सवाई माधोपुर, जयपुर व टोंक से डिटेन कर पांच बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया गया।

स्वप्रेरित प्रसंज्ञान अलवर बालिका गृह तक किया सीमित, गुप्ता न्यायमित्र नियुक्त

- बालिका गृह की किशोरियों की ओर से भेजे पत्र पर ही अदालत सुनवाई करेगी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर बालिका गृह की अव्यवस्थाओं और शेल्टर होम से बाहर निकले वयस्कों के लिए प्रावधान नहीं होने के संबंध में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान को अलवर बालिका गृह तक सीमित किया है। अदालत ने कहा कि बालिका गृह की किशोरियों की ओर से भेजे पत्र पर ही अदालत सुनवाई करेगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर गुप्ता को अदालत का सहयोग करने के लिए न्यायमित्र नियुक्त किया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

महाधिवक्ता मनोज कुमार शर्मा को तीन सप्ताह में बताने को कहा है कि किशोरियों की ओर से भेजी गई शिकायत पर क्या कार्रवाई की गई है। यदि मामले में सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है तो अदालत मामले में कठोर रुख अपनाएगी। गौरतलब है कि अलवर बालिका गृह में रहने वाली किशोरियों की ओर से गत दिनों हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को शिकायती पत्र भेजा था। जिसमें कहा गया था कि सरकारी अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते उन्हें अनुदान मिलने में गंभीर चुनौतियां हो रही हैं। इसके साथ ही अधिकारियों पर प्रताडऩा का भी आरोप लगाया गया था। पत्र पर कार्रवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही अदालत ने वयस्क होने पर शेल्टर होम छोड़ने वाले वयस्कों के लिए कोई प्रावधान नहीं होने के बिंदु पर भी केन्द्र व राज्य सरकार से जवाब तलब किया था। एकलपीठ ने कहा था कि शेल्टर होम में रहने वाले हजारों युवाओं को वयस्क होते ही बिना किसी पहचान, स्थाई पते और बिना सहारे बाहरी दुनिया में धकेल दिया जाता है।

विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। रामगंज थाना थाना इलाके में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का सवाई मानसिंह अस्पताल(एसएमएस) में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मृतका की मां की शिकायत पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सहायक पुलिस आयुक्त (रामगंज) हरिशंकर शर्मा ने बताया कि रामगंज में नेहरो की नदी निवासी लाली देवी (35) ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। जिसकी मई-2018 में शादी राहुल तिमोली से हुई थी।

मृतका लाली ने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के कमरे में जाने पर लाली देवी फंदे से लटकी मिली। फंदे से उतारकर लाली देवी को तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) पहुंचाया। डॉक्टर्स ने चेक कर उसे मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मोहर्रम पर सोशल मीडिया तक रहेगी पुलिस की कड़ी निगरानी

- राजधानी में पुलिस के कड़े इंतजाम , सादा वर्दी में तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी

जयपुर। मोहर्रम का पर्व छह जुलाई को है। इस दौरान शहर के अलग-अलग इलाकों से ताजिए निकाले जाएंगे। मोहर्रम पर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर जयपुर पुलिस ने कड़े व पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस दौरान असामाजिक तत्वों पर सड़क से सोशल मीडिया तक पुलिस कड़ी निगरानी रखेगी।

पुलिस, आरएसी और होमगार्ड के साथ ही सादा वर्दी में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। जो असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। इसें अलावा अभय कमांड सेंटर से शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। सोशल मीडिया पर अफवाहे फैलाने और भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि छह जुलाई (रविवार)को मोहर्रम का पर्व मनाया जाएगा। इसे देखते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के सभी जिलों में तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी जगह पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। साथ ही थानों और जिलों के अलावा पुलिस लाइन का भी जाप्ता तैनात किया जाएगा। आरएसी और होमगार्ड का जाप्ता तैनात किया जाएगा। वहीं ट्रैफिक को लेकर भी माकूल इंतजाम किए जाएंगे,ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

लाइसेंसधारी ताजियों को ही दी अनुमति:- उन्होंने कहा कि शांति समिति और सीएलजी की बैठकों का आयोजन किया गया है। थानों और जिलों के साथ ही जयपुर पुलिस कमिश्नरेट स्तर पर भी शांति समिति और सीएलजी की बैठकों का आयोजन किया गया है। ताजिए के लाइसेंसधारकों के साथ भी बैठक ली गई है।

उन्होंने बताया कि लाइसेंसधारी ताजियों को ही अनुमति दी गई है। इस संबंध में सभी को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही थाना अधिकारियों भी निर्देश जारी किए गए हैं। थानाधिकारी अपने स्तर पर प्रॉपर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। थानाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में निर्देशों की पालना सुनिश्चित कर रहे हैं।

यातायात के भी किए जाएंगे माकूल इंतजाम: उन्होंने कहा कि मोहर्रम पर भीड़भाड़ अधिक रहती है। इसे देखते हुए भी पुलिस की ओर से पूरी सतर्कता बरती जाएगीं इसके साथ ही यातायात को लेकर भी माकूल इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभय कमांड सेंटर की मदद से पूरे शहर में निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि अफवाहों को लेकर पुलिस की साइबर सेल की टीमें सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

इसके साथ ही सादा वर्दी में अलग से जाप्ता तैनात किया जाएगा। जो बदमाश और असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों पर निगरानी रखेगी। जो भी असामाजिक तत्व बदमाशी करने की कोशिश करेंगे। उनके खिलाफ समय रहते कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोटेरियन शिल्पा बेंद्रे को मिला मिस्टर रोटेरियन का प्रतिष्ठित सम्मान

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर की सक्रिय सदस्य रोटेरियन शिल्पा बेंद्रे को हाल ही में आयोजित एक भव्य समारोह में दोहरे सम्मान से नवाजा गया, जिससे उनकी असाधारण सेवाओं और नेतृत्व को मान्यता मिली। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 की प्रांतपाल डॉ. राखी गुप्ता ने उन्हें आउटस्टैंडिंग लेडी रोटेरियन के खिताब से सम्मानित किया। एक समारोह में, उन्हें रोटरी क्लब जयपुर का प्रतिष्ठित मिस्टर रोटेरियन अवॉर्ड 2024-25 भी प्रदान किया गया, जो क्लब का सर्वोच्च सम्मान है।

यह सम्मान रोटरी के विभिन्न आयामों में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है। रोटरी क्लब जयपुर के सत्र 2024-25 के अध्यक्ष, रोटेरियन गिरधर माहेश्वरी ने बताया कि मिस्टर रोटेरियन अवॉर्ड उस सदस्य को प्रदान किया जाता है जिसने रोटरी सेवा के पांच प्रमुख आयामों (क्लब सेवा, व्यावसायिक सेवा, सामुदायिक सेवा और अंतरराष्ट्रीय सेवा और पार्टनर इन सर्विस) में अद्वितीय योगदान और प्रभावशाली नेतृत्व के साथ संस्था के मूल्यों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाया हो। रोटेरियन शिल्पा बेंद्रे को पूरे वर्ष उनके सराहनीय सेवा कार्यों के लिए सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

भस्मासुर मोहिनी में जीवंत हुए पौराणिक प्रसंग, कचहरी में ताल वाद्यों की गूंज

- जवाहर कला केन्द्र में आयोजित तीन दिवसीय मल्हार महोत्सव में नज़ारा देखने को मिला। यहां ताल वाद्य कचहरी और कथक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी
- शास्त्रीय नृत्य कथक की दो विशेष प्रस्तुतियाँ रंगायन के मंच पर देखने को मिली। एक ओर नाट्यय रूप में भस्मासुर मोहिनी, दूसरी कथक की जटिल लयकारी पर आधारित 9 मात्रा का तकनीकी पक्ष

जयपुर। सुहाना मौसम, चारों ओर हरियाली और शास्त्रीय विधाओं की प्रस्तुतियां। जवाहर कला केन्द्र में शुक्रवार शाम यह नज़ारा देखने को मिला। यहां ताल वाद्य कचहरी और कथक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। परमेश्वर लाल कथक व समूह के कलाकारों ने ताल वाद्य कचहरी में अपना हुनर दिखाया। वहीं दिनेश परिहार ने कथक संरचना भस्मासुर मोहिनी व पारंपरिक शुद्ध कथक पेश कर दर्शकों का मन मोहा। इसी के साथ वर्षा ऋतु के सौंदर्य से रूबरू करवाने वाले तीन दिवसीय मल्हार महोत्सव का समापन हुआ।

सबसे पहले 8 वर्षीय प्रिंस कथक और शौर्य बेनीवाल ने अपनी नन्ही अंगुलियों का जादू तबले पर दिखाया। दोनों की जुगलबंदी के साथ कार्यक्रम की बेहतरीन शुरुआत हुई। इसके बाद ताल वाद्य कचहरी में विभिन्न ताल वाद्यों तबला, नगाड़ा, घटम, ढोलक, पखावज, जेम्बे की संयुक्त प्रस्तुति हुई। कलाकारों ने तीन ताल में विलंबित लय और द्रुत लय में वादन कर अपने हुनर का जलवा दिखाया। तबले पर परमेश्वर लाल कथक, मोहित कथक, नगाड़े पर मनीष कुमार देवली, घटम पर धीरज कुमार चौहान, ढोलक पर राकेश कुमार नागौरी और मुकेश कुमार चौहान ने जेम्बे वादन किया। किशन कथक ने सितार व सांवरमल कथक ने हारमोनियम पर संगत की।

इसके बाद शास्त्रीय नृत्य कथक की दो विशेष प्रस्तुतियाँ रंगायन के मंच पर देखने को मिली। एक ओर नाट्यय रूप में भस्मासुर मोहिनी, दूसरी कथक की जटिल लयकारी पर आधारित 9 मात्रा का तकनीकी पक्ष।

पहले नृत्य प्रस्तुति में कथक के नृत्य पक्ष की सूक्ष्मता,लयकारी, तोड़ा, टुकड़ा, परण और पढ़ंत की सुंदरता झलकी। पौराणिक कथा पर आधारित नृत्य नाटिका भस्मासुर मोहिनी में अभिनय, भाव एवं नृत्य का प्रभावशाली संगम दिखाई दिया। इसमें शिव, भस्मासुर और मोहिनी अवतार के प्रसंग को जीवंत किया गया। मुकेश गंगानी ने भगवान शिव, पूर्णिमा अरोड़ा ने मां पार्वती, दिनेश परिहार ने भस्मासुर, मोनिका अग्रवाल ने मोहिनी और जीवराज ने भगवान विष्णु की भूमिका निभाई।

हितेश गंगानी, लक्ष्य पंवार एवं गौरव ने अपनी सामूहिक प्रस्तुति से कार्यक्रम को और विशेष बनाया। कार्यक्रम को खास बनाने में प्रणय भारद्वाज ने अपने मंच संचालन से विशिष्ट भूमिका निभाई।

21 ग्राम पंचायतों में अंत्योदय संबल पखवाड़े के शिविर लगे

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में 24 जून से 9 जुलाई तक चलाए जा रहे पं.दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान शुक्रवार को 21 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांन्वित किया गया।

जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने शुक्रवार को पखवाडे.के दौरान उम्मेदाबाद में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएँ देखी। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा, जलदाय, जल संसाधन, कृषि, उद्यानिकी, वन, खाद्य, चिकित्सा, पशुपालन, शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वायत्त शासन, समाज कल्याण की विभागीय स्टाल पर पहुँचकर कार्मिकों से शिविर की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश देते हुए कहा कि शिविर में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभांवित करना सुनिश्चित करें। पखवाड़े के दौरान शुक्रवार को जालोर उपखण्ड की तडवा, केशवना व गोल, आहोर उपखण्ड की बादनवाड़ी, सामुजा व सांकरणा, बागोड़ा उपखण्ड की धुम्बडिया व नरसाणा, भीनमाल उपखण्ड की सरथला व जेतू, जसवंतपुरा उपखण्ड की राजीकावास, पुनगकला व धानसा, रानीवाड़ा उपखण्ड की आजोदर, धामसीन व जोड़वास़, चितलवाना उपखण्ड की वीरावास व केरिया तथा सांचौर उपखण्ड की सेड़िया, बावरला व बिछावाड़ी ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के दौरान लंबित पत्थरगढ़ी और सीमाज्ञान प्रकरण का निस्तारण, स्वामित्व पट्टों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (एनएफएसए) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण एवं नवीन पात्र परिवारों एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के कार्य किए गए। वही रास्तों व जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने और .षि विभाग द्वारा बीज वितरण, बिजली विभाग द्वारा झूलते तारों को खिंचवाने व विद्युत पोल समस्याओं का निस्तारण और वन विभाग द्वारा हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत पौधा वितरण किया गया। शिविरों में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा, जलदाय, कृषि, वन, खाद्य, स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, सामाजिक न्याय व अन्य विभागों की जनोपयोगी सेवाओं से ग्रामीणों को लाभांवित किया गया।

उम्मेदाबाद में शिविर का निरीक्षण जालोर कलैक्टर डॉ.प्रदीप के .गावंडे ने किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर का दिकपाल सिंह दिल्ली पढ़ने जायेगा

जालोर, (कासं)। जालोर निवासी दिकपाल सिंह राव पुत्र स्वर्गीय मालम सिंह एरावत धाणसा का एम ए कोर्स के लिए प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली में चयन हुआ है।

दिकपाल सिंह ने अपनी इस सफलता के लिए स्वयं की इच्छा शक्ति एवं दृढ निश्चय एवं सतत अभ्यास को बताया है। दिकपाल सिंह अपने इस सफलता का श्रेय अपने परिवार जन एवं अपने गुरुजनों को देते हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सीयूईटी- पीजी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। दिकपाल सिंह अपने गुरु अमित दवे को सफलता का श्रेय देते है, जिनके मार्गदर्शन में नियमित प्रयास किया। सीयूईटी- पीजी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिगपाल सिंह ने ऑल इण्डिया रैक 9वीं रैंक प्राप्त की हैं दिकपाल उच्च माध्यमिक विद्यालय जालोर का होनहार छात्र रहा हैं। उनकी माता कपिला देवी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सहायक कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं।

जालोर में साइबर सेल शुरू

जालोर में एस.पी. ज्ञानचन्द्र यादव ने पुलिस साइबर सेल का उदघाटन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय जालोर अन्तर्गत साइबर सेल का शुभारम्भ पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव व भामाशाह किशन परमार व निलेश परमार जूनी बाली बागोडा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर कांबले शरण गोपीनाथ सहायक पुलिस अधीक्षक वृत्त सांचोर, एएसपी जालोर मोटाराम गोदारा, एएसपी सांचोर आवडदान, समाज सेवी महेन्द्र परिहार, कृष्ण सुन्देशा, अम्बालाल परिहार समाज सेवी सहित जिले के समस्त वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारी उपस्थित थे। भामाशाह किशन परमार व निलेश परमार द्वारा साइबर सेल का रिनोवेशन कर अत्याधुनिक रूप देने पर पुलिस परिवार ने माला व साफा पहनाकर आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

नारणावास से खेजडला मार्ग पर बारिश का पानी भरा

खेजरला व नारणावास ग्राम के मार्ग पर जमा पानी हादसे को न्यौता दे रहा है। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के नारनावास से मादलपुरा ग्राम के बीच की मुख्य सड़क पर बीते दिनों हुई तेज बारिश के चलते जगह-जगह पानी भर गया है। इस पानी की निकासी नहीं होने के कारण खेजरला व नारणावास मार्ग अब खतरनाक होता जा रहा है।

ग्रामवासियों का कहना है कि सड़क पर भरे पानी के कारण वाहन चालक मार्ग की गहराई या गड्ढों का अनुमान नहीं लगा पाते, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों व स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर पानी की निकासी कराने और मार्ग को सुरक्षित बनाने की मांग की है, ताकि किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि से बचा जा सके।

फिरोज मेहर ने बताया कि इस मार्ग पर गहरा खड्ढा होने से बारिश का पानी जमा हो गया जिससे दो मोटरसाइकिल सवार गिरने से घायल हो गये। ग्राम पंचायत सहित आला अधिकारियों को अवगत करवाने बावजूद भी समस्या का समाधान नही हो रहा है।

भाजपा ने काला दिवस मनाया

रेवदर,(निसं)। रेवदर कस्बे के सिंधी समाज धर्मशाला में भाजपा नगर मंडल सिरोही द्वारा आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ पर भाजपा ने मीसा बंदि सम्मान समारोह एवं बूथ स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

यह आयोजन 25 जून 1975 को लगाये गये आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ पर किया गया. इस दिन को भाजपा ने लोकतंत्र पर हमले के काले अध्याय के रूप में याद किया।कार्य म की शुरुआत भारत माता,पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं

कार्यक्रम में आपातकाल के दौरान जेल में गए चंपत मिस्त्री एवं शंकर माली का राज्यमंत्री ओटाराम देवासी,जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ रक्षा भंडारी ने सोल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया।

देवासी ने कहा कि 1975 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने 'आंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल घोषित किया था।

इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गणपत सिंह राठौर, जिला महामंत्री नरपत सिंह राणावत,पूर्व जिला उपाध्यक्ष ताराराम माली, नारायण देवासी,भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता बाबूलाल सगरवंशी,भूबाराम माली, महामंत्री प्रकाश पटेल,कैलाश मेघवाल सहित नगर पदाधिकारी, मोर्चा के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, पार्षद सहित नगर के सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे। मंच संचालन हितेंद्र ओझा ने किया।

380 किमी लंबी लाइन से रेल नेटवर्क मजबूत होगा

जालोर, (कासं)। सांचोर जैसलमेर-बाड़मेर-भाभर रेललाइन सर्वे के लिए दस करोड़ रुपये स्वीकृति मिलने से सांचोर को रेल कनेक्टिविटी का तोहफा मिला है।

भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने पश्चिमी राजस्थान और गुजरात को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण रेल परियोजना, जैसलमेर-फतेहगढ़-शिव-बाड़मेर-धोरीमन्ना-रामजी का गोल-सांचोर-थराद-वाव-दियोदर-भाभर रेल लाइन के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) सर्वे के लिए दस करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है।

यह परियोजना तीन दशकों से लंबित थी और इसके सर्वे की स्वीकृति क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

यह प्रस्तावित 380 किलोमीटर लंबी रेल लाइन पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जिलों को गुजरात के भाभर तक जोड़ेगी, जिससे क्षेत्र की सामरिक और आर्थिक कनेक्टिविटी में बदलाव आएगा। यह रेल मार्ग खनन, पर्यटन और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देगा, साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षा बलों की आवाजाही को भी सुगम बनाएगा। सांचोर, चितलवाना, और अन्य क्षेत्रों के लिए यह परियोजना विकास का नया द्वार खोलेगी। इस स्वीकृति से सांचोर, बाड़मेर और जैसलमेर के स्थानीय निवासियों में उत्साह की लहर है। इस रेल लाइन के निर्माण से न केवल यात्रा सुविधा बढ़ेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत दस करोड़ रुपये का बजट इस रेल लाइन के डीपीआर और सर्वे कार्य के लिए उपयोग किया जाएगा। सर्वे पूरा होने के बाद परियोजना की कुल लागत और निर्माण की समय सीमा तय की जाएगी। इस रेल लाइन के बनने से क्षेत्र में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा और यह पश्चिमी भारत की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। जैसलमेर-बाड़मेर-भाभर रेल लाइन परियोजना के लिए सर्वे की मंजूरी क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह परियोजना न केवल आर्थिक विकास को गति देगी, बल्कि सामरिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण साबित होगी। क्षेत्रवासी इस रेल लाइन के निर्माण के लिए अब अगले कदमों का इंतजार कर रहे हैं।

ऐसा है प्रस्ताव दो स्टेट, 4 जिले के कई तहसील जुडगी :-यह लाइन राजस्थान व गुजरात को जोड़ेगी। इसमें राजस्थान का बाड़मेर, जैसलमेर व जालोर जिला शामिल है, जबकि गुजरात का बनासकांठा। लाइन इन जिलों के बाड़मेर, गुडामालाणी, चौहटन, सांचौर, शिव, फतेहगढ़, जैसलमेर व गुजरात के थराद, वाव व दियोदर तहसील से होकर निकलेगी।

राजस्थान में 986 हैक्टेयर जमीन अवाप्त होगी

रेलवे विभाग के मुताबिक इस लाइन के लिए बड़ी मात्रा में जमीन अवाप्त करनी होगी। राजस्थान में 986.8 हेक्टेयर व गुजरात में 246.2 हेक्टेयर जमीन अवाप्त होगी। साथ ही इस रेलवे लाइन पर 256 छोटे ब्रिज, 34 बड़े ब्रिज, 31 रोड ब्रिज व 56 अंडर रोड ब्रिज बनेंगे।

कारोबारियों से माल मंगवा कर धोखाधड़ी की

जोधपुर, (कासं)। सूरसागर स्थित पत्थर खान कारोबारी और महामंदिर के कपड़ा व्यापारी से लाखों का माल मंगवाने के बाद उनको रकम नहीं दी गई। कारोबारियों ने बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि राम सैण्ड स्टोन सरकारी स्कूल के पास काली बेरी सूरसागर के मालिक और भादरवा बेरा चौखा निवासी जेठाराम पुत्र बाबूलाल माली ने की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 15 अप्रेल को गुजरात के एंमजेल्स काउण्डी धबोई रोड पालनपुर गुजरात के कारोबारी करण कुमार के कहने पर लाखों का पत्थर भेजा गया था। मगर अब तक उसके द्वारा भेजे गए माल का भुगतान नहीं किया गया है। दूसरी तरफ जालम विलास लक्ष्मी नगर सरकारी डिसपेंसरी के सामने रहने वाले आनंद कोटन मिल्स के प्रोपराइटर देवेन्द्र जैन पुत्र आनंद प्रकाश जैन ने महामंदिर थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। इसमें बताया कि उसकी फर्म के मार्फत लुधियाना पंजाब में एक कपड़ा फर्म के मालिक नहिना गोयल को माल भेजा था। उसने माल को हड़पने के साथ उसके पैसे भी नहीं दिए।

गर्ग ने दिया कुमारी को लिखा पत्र

जालोर, (कासं)। विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने राज्य की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को पत्र लिखकर बजट घोषणा में स्वीकृत रोहित-आहोर-डूडसी फाटा डीपीआर कार्य को सांथू-नून हवाई पट्टी तक स्वीकृत करवाने के लिए मांग रखी है।

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने पत्र के माध्यम से अवगत करवाया है कि बजट घोषणा के बिन्दु संख्या 15 (।।)-3 पर स्वीकृत डीपीआर का कार्य रोहित-आहोर-डूडसी फाटा तक वर्तमान में प्रगतिरत है। इसे सांथू-नून हवाई पट्टी तक स्वीकृति किया जाना अतिआवश्यक है क्योंकि नून हवाई पट्टी जिले की एकमात्र हवाई पट्टी है एवं बजट घोषणा में उच्च स्तरीय मानकों के तहत बड़े हवाई जहाज उतारने योग्य बनाये जाने की स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में डूडसी फाटा से हवाई पट्टी तक कम चौड़ाई की क्षतिग्रस्त डामर सड़क है।

निजी बैंक में नौकरी का झांसा, 40 लाख का फ्रॉड किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर स्थित शिव मंदिर के पीछे खोखरिया की पाल के रहने वाले एक युवक को निजी बैंक में 40-50 हजार की नौकरी देने का प्रलोभन देकर शातिर ने फर्जी तरीके से खाता खोलने के बाद 40 लाख का फ्रॉड कर डाला। उसके नाम से 40 लाख रूपए ट्रांजेक्शन कर लिए गए। बाद में उसे पश्चिमी बंगाल पुलिस को नोटिस मिला तो इसका पता लगा। स्थानीय युवक के खिलाफ वेस्ट बंगाल में फ्रॉड का केस भी दर्ज हो गया।

अब पीड़ित ने कोर्ट की शरण लेकर मंडोर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी है। पुलिस ने इसमें अब गहनता से तफ्तीश आरंभ की है।

मंडोर थाने के एसआई अरूणा कुमारी ने बताया कि शिव मंदिर के पीछे खोखरिया की पाल का रहने वाला प्रकाश सांखला पुत्र कमलेश सांखला की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि वह किराणा की दुकान पर काम करता है। गत साल 21 फरवरी को उसके पास किसी अंजान शख्स का कॉल आया और कहा कि वह एचडीएफसी बैंक से बोल रहा है। उसको बैंक में नौकरी दी जा रही है और उसकी तनख्वाह 40-50 हजार होगी। इसके लिए वह अपने संबंधित दस्तावेज ऑनलाइन भेजें। इस पर प्रकाश सांखला ने अपना पैन, आधार कार्ड इत्यादि दस्तावेज अंजान नंबर वाले को भेज दिए।

एसआई अरूणा कुमारी ने बताया कि प्रकाश ने ऑनलाइन ही सभी दस्तावेज भेजे जाने के साथ थंब इंप्रेशन भी कर दिया। शातिरों ने उसके द्वारा भेजे गए दस्तावेजों के आधार पर एक फर्जी खाता बालेसर की एचडीएफसी बैंक में खोल दिया। उसे पता भी नहीं चला। उसके घर पर लिफाफा भी आया मगर उसने उसे खोल कर भी नहीं देखा। उसके खाता खुलने की जानकारी उसे तब हुई जब पश्चिमी बंगाल पुलिस से उसे नोटिस मिला कि उसके बैंक खाते से 40 लाख रूपयों का ट्रांजेक्शन हुआ है। प्रकाश के खिलाफ वेस्ट बंगाल में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट में केस भी दर्ज हो गया।

पीड़ित प्रकाश सांखला अपने स्तर पर सालभर से ज्यादा समय तक वेस्ट बंगाल पुलिस के चक्कर काटने के साथ बालेसर की एचडीएफसी बैंक शाखा पर भी गया मगर निराशा हाथ लगी। अब उसने अपने साथ हुई धोखाधड़ी को लेकर कोर्ट की शरण लेकर मंडोर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

वयोवृद्ध संत अभय मुनि का चातुर्मासिक प्रवेश

जोधपुर, (कासं)। नानक संप्रदाय के आचार्य प्रवर हगामी लाल महाराज के पट्टधर शिष्य आचार्य अभय मुनि, सेवाभावी भूपेन्द्र मुनि, सरलमना ऋषि मुनि का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शुक्रवार को जयकारों के साथ आचार्य श्री जयमल स्मृति भवन पहली पोल महामंदिर में हुआ।

श्री नवकार नवयुवक मंडल के संयोजक प्रवीण बोहरा एवं मीडिया प्रभारी जितेन्द्र नाहर ने बताया कि 95 वर्षीय आचार्य अभय मुनि के मंगल प्रवेश पर पुरुषों ने श्वेत वस्त्र एवं महिलाओं ने चूंदड़ी साड़ी में मंगल गीत के साथ जुलूस में अपनी सहभागिता निभाई। चार्तुमास में प्रतिदिन प्रार्थना, प्रवचन, ज्ञानचर्चा, प्रतिक्रमण, धर्मचर्चा इत्यादि धार्मिक कार्यक्रम होंगे। चातुर्मास को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ महामंदिर के अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, महामंत्री शांतिलाल लुंकड़, कोषाध्यक्ष कुशलराज डोसी, मालरक्षक गौतमचंद बोहरा, श्री नवकार नवयुवक मंडल के संयोजक प्रवीण बोहरा, अध्यक्ष अजय मेहता, मंत्री मुकेश लुंकड़, एवं श्री केशर जैन महिला मंडल की अध्यक्ष सरला बोहरा, मंत्री पुष्पा भंडारी, कोषाध्यक्ष प्रभा सुराणा आदि रूप रेखा तैयार कर रहे है।

पाली में साध्वी काव्यलता का मंगल प्रवेश पर स्वागत

पाली में आचाय महाश्रमण की विदुषी शिष्या साध्वी काव्यलता आदि ठाणा का मंगल प्रवेश पर स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली,(नि.सं.)। महावीर नगर स्थित भिक्षु साधना केंद्र से सुबह 9 बजे अनुशासित और पंक्तिबद्ध होकर पाली का श्रावक समाज अपनी गणवेश में पुरुष शुभ्र वस्त्र और महिलाए केशरिया वस्त्र में अहिंसा रैली के रूप में अनुशासित और पंक्तिबद्ध होकर मंडिया रोड स्थित तेरापंथ सभा भवन पहुंचा। पाली में साध्वी काव्यलता आदि ठाणा का मंगल प्रवेश पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया।

मंगल प्रवेश के पश्चात तेरापंथ भवन में चारित्र आत्माओं के स्वागत में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महिला मंडल के द्वारा मंगलाचरण के साथ हुआ।

मधुर गायक शिखरचंद चौरड़िया एवं कवि प्रमोद भंसाली द्वारा स्वागत गीत का सन्गान किया। महासभा सदस्य गौतम छाजेड़, श्री संघ अध्यक्ष रमेश मरलेचा, डूंगरचंद चौपड़ा, विनिता बैगानी ने साध्वी के स्वागत में अपनी भावना व्यक्त की। साध्वी ज्योतियशा साध्वी राहत प्रभा साध्वी सुरभि प्रभा के द्वारा सामूहिक गीतिका का गान किया।

साध्वी काव्यलता द्वारा धर्मनगरी पाली की महत्ता बताते हुए पचीस वर्ष पूर्व के चातुर्मास को स्मृति करते हुए आगामी 4 महीनों में किस प्रकार धर्माराधना की ओर अग्रसर होना है। चातुर्मास में कैसे जप तप से आत्मकल्याण की ओर बढ़ना है इस पर मंगल प्रवचन किया।

इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष भूरचंद तातेड, मंत्री प्रकाश कांकलिया, केशरीमल कटारिया सुरेंद्र दुग्गड़, गुमानमल भंसाली, महावीर सालेचा, राकेश पटावारी, अशोक नाहर, भीमराज खांटेड, पीयूष चौपड़ा, विपिन बांठिया, किरण पटवारी, विनीता बैंगानी, सुषमा डागा, सीमा मरलेचा आदि श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहे।

ज्ञापन दिया

जालोर, (कासं)। महाराष्ट्र के मुंबई में मीरा रोड क्षेत्र के मारपीट प्रकरण को लेकर राजाराम आजना छात्रावास जालोर के अध्यक्ष ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर प्रदीप गांवडे को मुख्यमंत्री राजस्थान के नाम कार्रवाई की मांग का ज्ञापन सौंपा है।

मीरा रोड मुंबई में हिंदी भाषा को आधार मानकर राजस्थान के प्रवासी लोगों के साथ मराठी बोलने की अनिवार्यता को लेकर मारपीट और अपमानजनक कृत्य का संज्ञान लेकर कार्यवाही करने की बात कही गई है।

पानी की डिग्गी में शव मिला

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र के 14 आरडी पर एक युवक की बॉडी मिलने से सनसनी फैल गई।

सूचना पर मोहनगढ़ पुलिस व नाचना सीओ गजेंद्रसिंह मौके पर पहुंचे और युवक भजनलाल के शव को पानी कि डिग्गी से बाहर निकालकर मोहनगढ़ अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। परिजनों द्वारा हत्या का मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने एक युवक को बाड़मेर से पकड़ा। युवक के पकड़े जाने के बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा की

जोधपुर, (कासं)। आरएलडी राजस्थान में आगामी निकाय और पंचायत चुनाव लड़ेगी। इसके लिए प्रदेश संभाग और जिला स्तर पर जल्द पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाएगी। 11 जुलाई को जयपुर में राष्ट्रीय लोकदल का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। इसमें चौधरी चरण सिंह की विचारधारा और संगठन की भावी दिशा पर मंथन किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने आज जोधपुर में प्रेसवार्ता में बताया कि राष्ट्रीय लोकदल का बहुप्रतीक्षित प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आगामी 11 जुलाई को जयपुर के बिडला सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

सम्मेलन की तैयारियों के बारे मे हुए अवाना ने बताया कि वे स्वयं प्रदेश के विभिन्न संभा और जिलों का दौरा कर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। जोधपुर में भी स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का आ ान किया गया। हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में शामिल होने की संभावना है.

प्रेस वार्ता के दौरान अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना के साथ आरएलडी राजस्थान के महासचिव राजपाल चौधरी (खण्डेला), प्रदेश सचिव राजेश गुर्जर (जोधपुर), आरएलडी नेता सुधीर बैंसला व अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण 7 से

जालोर, (कासं)। विधानसभा क्षेत्र संख्या जालोर-142 के समस्त बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण 7 से 11 जुलाई तक जिला परिषद सभागार में होगा। 261 बीएलओ को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

जालोर विधानसभा क्षेत्र (142) के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी मनोज चौधरी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बागरा, लेटा, जालोर-1, जालोर-2, जालोर-3, जालोर-4 पर्यवेक्षक क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण 7 जुलाई को, चोचवा, सांगाणा, जीवाणा, मेंगलवा, तिलोड़ा व सुराणा पर्यवेक्षक क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण 8 जुलाई को, वालेरा, देताकलां, थलवाड़, चौराउ, सायला पर्यवेक्षक क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण 9 जुलाई को, रेवतड़ा, उम्मेदाबाद, डांगरा, माण्डवला, बिशनगढ़, तीखी पर्यवेक्षक क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण 10 जुलाई को तथा केशवना, बाकरा, बाकरा रोड, सांथू पर्यवेक्षक क्षेत्र के बीएलओ का प्रशिक्षण 11 जुलाई को आयोजित होगा।

पी.पी. चौधरी ने निरीक्षण किया

पाली, (नि.सं.)। पाली सांसद और अध्यक्ष वन नेशन वन इलेक्शन समिति पीपी चौधरी ने शुक्रवार को ग्राम खारड़ा में आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े शिविर का अवलोकन किया।

उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। सासंद चौधरी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से प्राप्त प्रकरणों और निस्तारण की जानकारी ली। सांसद ने सभी को स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा अनुरूप इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना है।

एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। महामंदिर थाने के हैड कांस्टेबल गोपीराम ने भदवासिया पुलिया के नीचे चाकू लेकर घूम रहे सांसी कॉलोनी भदवासिया गली नंबर 6 निवासी नर सिंह पुत्र शंकरलाल सांसी को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस बनाया।

मेरी डॉक्टर्स के साथ अपॉइंटमेंट नहीं बदली जा सकती। अपॉइंटमेंट को बदलने की कोशिश की लेकिन किसी कारणवश वह ऐसा नहीं कर सके। दौरे की शुरुआत से पहले उन्होंने इस संबंध में बोर्ड से बात की और योजना बनाई। - फिल सिमंस

बांग्लादेश के मुख्य कोच, यूके में डॉक्टर के साथ अपॉइंटमेंट की जानकारी देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

वर्ल्ड चेस चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने ठोंड शतरंज टूर रैपिड 2025 के जागरेब चरण में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को छठे राउंड में परास्त किया है। गुकेश 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को मात दी थी। ये गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। पिछले महीने उन्होंने कार्लसन को नार्वे शतरंज में हराया था।

क्या आप जानते हैं ?... जेमी स्मिथइंग्लैंड के लिए तीसरा सबसे तेज शतक टेस्ट क्रिकेट में जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

टेस्ट कप्तान बनना चाहते हैं रविंद्र जडेजा

बर्मिंघम, 4 जुलाई। भारतीय टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड दौरे पर है। जहां टीम में युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ सबसे अनुभवी खिलाड़ी रवींद्र जडेजा भी है। वह अपने करियर में अब तक 80 से ज्यादा टेस्ट खेल चुके हैं। हालांकि, रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उन्हें कप्तानी या उपकप्तानी नहीं दी गई। एजबेस्टन टेस्ट के दूसरे दिन जडेजा शतक से चूक गए। उन्होंने 89 रन की पारी खेली और कप्तान शुभमन गिल के साथ 203 रन की पार्टनरशिप भी की। वहीं दूसरे दिन स्टंप के बाद जडेजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि उनके लिए, कप्तान की भूमिका निभाने का समय चला गया है। 2012 में डेब्यू करने वाले जडेजा के पास करीब 13 साल का टेस्ट अनुभव है। इतना ही नहीं वह अपने चौथे इंग्लैंड दौरे पर हैं। पीसी में जडेजा से कप्तानी की इच्छा के बारे में पूछा गया। इस पर जडेजा ने कहा कि, नहीं अब वह समय चला गया है। दिन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए जडेजा से गिल की पारी के बारे में भी पूछा गया। उन्होंने कहा कि, ईमानदारी से कहूं तो वह बहुत आत्मविश्वास से भरे हुए दिख रहे हैं। बल्लेबाजी में वह कप्तान की तरह नहीं दिख रहे हैं उन्हें एक अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। जडेजा ने कहा कि, वह सब कुछ अपने साथ लेकर चल रहे हैं। मुझे उनकी बल्लेबाजी में ऐसा कुछ नहीं लगता। आज भी दुर्भाग्य से गेंद फील्डर के हाथ से चली गई। लेकिन आज मुझे नहीं लगा कि वह इस पारी में आउट होंगे। उन्होंने बहुत अच्छा खेला। जब हम साथ में बल्लेबाजी कर रहे थे तो हम साझेदारी के बारे में बात कर रहे थे कि हमारी साझेदारी लंबी होगी और हम एक-दूसरे से बात करते रहेंगे।

सिराज ने झटके 6 विकेट, इंग्लैंड 407 पर ढेर

बर्मिंघम, 4 जुलाई। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने घातक गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटककर इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शुक्रवार को चायकाल के बाद 407 रन पर ढेर कर दिया और भारत को पहली पारी में 180 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाये थे।

भारत ने दूसरी पारी में तेज बल्लेबाजी करते हुए स्टंप्स तक एक विकेट खोकर 64 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 244 रन की हो गयी है। यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जायसवाल ने 22 गेंदों की अपनी पारी में छह चौके लगाए। स्टंप्स के समय के एल राहुल छह चौकों की मदद से 28 और करुण नायर सात रन बनाकर क्रीज पर हैं।

इससे पहले इंग्लैंड ने सुबह तीन विकेट पर 77 रन से आगे खेलना शुरू किया और पहले दो सत्रों में अपना दबदबा बनाया लेकिन तीसरे सत्र में सिराज ने इंग्लैंड को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। सिराज ने सुबह के सत्र में दो विकेट झटके थे और आखिरी सत्र में तीन विकेट लेकर 70 रन पर छह विकेट हासिल किये। कल दो विकेट लेने वाले आकाशदीप सिंह ने आज दो विकेट निकाले और 88 रन देकर चार विकेट हासिल किये। सिराज ने चौथी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी एक पारी में दो बल्लेबाजों ने 150 का स्कोर बनाया हो और उसी पारी में छह बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए हों। स्मिथ और ब्रूक के बीच हुए 303 रनों की साझेदारी ने इंग्लैंड को एक बेहद खराब स्थिति से अच्छी स्थिति में जरूर ला दिया है लेकिन बाकी के बल्लेबाजों का साथ मिलता तो वे अच्छी जगह पर होते। आकाश दीप और सिराज ने दूसरे नई गेंद के साथ कमाल की गेंदबाजी की। सिराज ने कुल छह विकेट हासिल किए, और आकाश दीप ने चार विकेट। अब भारत इस लीड को कम से कम 500 तक लेकर जाना चाहेगा।

जेमी स्मिथ 184 रन पर नाबाद रह गए। उन्होंने 207 गेंदों का सामना कर अपनी पारी में 21 चौके और चार छक्के लगाए। हैरी ब्रूक ने 234 गेंदों पर 158 रन में 17 चौके और एक छक्का लगाया।

इससे पहले इंग्लैंड ने चायकाल तक पांच विकेट खोकर 355 रन बना लिए थे। दिन का दूसरा सत्र पूरी तरह से इंग्लैंड के नाम रहा। इस सेशन में इंग्लैंड ने कुल 106 रन बनाए और कोई विकेट नहीं गंवाया। भारत ने स्मिथ और ब्रूक के खिलाफ जो कुछ भी प्लान किया, वह विफल रहा। हालांकि पिछले कुछ ओवरों में जडेजा को टर्न एंड बाउंस मिला है लेकिन सुंदर अभी भी लय नहीं पकड़ पा रहे थे। भारत उम्मीद करेगा कि अगले सेशन में जल्दी कुछ विकेट लिए जाएं। दूसरे तरफ बैजबॉल वाली टीम निश्चित रूप से ड्रॉ के लिए नहीं खेलेगी, ऐसे में कुछ चौकाने वाले फैसले लिए जा सकते हैं। भारत ने दूसरी नयी गेंद के साथ इंग्लैंड की कमर तोड़ दी।

इंग्लैंड ने लंच तक पांच विकेट पर 249 रन बनाये थे। इंग्लैंड ने कल के तीन विकेट पर 77 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। सुबह के सत्र में इंग्लैंड के खाते में सात रन और जुड़े थे कि मोहम्मद सिराज ने जो रूट (22) को अपना शिकार बनाकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद अगली ही गेंद पर कप्तान बेन स्टोक्स (शून्य) को भी आउटकर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने हैरी ब्रूक के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने अर्धशतक पूरे किये। इसके बाद जेमी स्मिथ ने 47वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया।

मोहम्मद सिराज हैट्रिक से चूके, रूट-स्टोक्स को भेजा पैवेलियन

बर्मिंघम, 4 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में खेल के तीसरे दिन मोहम्मद सिराज ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने जो रूट और कप्तान बेन स्टोक्स को बैक- टू बैक आउट करके भारत को बड़ी सफलता दिलाई। सिराज ने खेल के दूसरे दिन भी एक विकेट लिया था और ओपनर जैक क्राउली को आउट किया था।दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन पहली पारी में सिराज ने 22वें ओवर की तीसरे गेंद पर इंग्लैंड के सबसे खतरनाक बल्लेबाज जो रूट को अपना शिकार बनाया। लेकिन स्मिथ और ब्रूक के बीच कमाल की साझेदारी हुई। स्मिथ ने भारत की शॉर्ट पिच गेंदबाजी का बेहतरीन जवाब दिया और उसके बाद स्पिनरों पर भी करारा प्रहार किया। हालांकि एक फैक्ट यह भी है पिच फ्लैट है। यहां रन बनेंगे। काफी संयम के साथ यहां पर गेंदबाजों को सही लाइन और लेंथ गेंद पर गेंदबाजी करनी होगा और कैच नहीं टपकाना होगा। सुंदर और गिल दोनों के पास मुश्किल लेकिन अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने कैच गिरा दिया।

ताज पहने नहीं, कमाए जाते हैं : पीसीए

शुभमन गिल की तारीफ की

नई दिल्ली, 4 जुलाई। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टीम इंडिया की टेस्ट कप्तानी सौंपी गई। अपनी कप्तानी में दूसरे ही टेस्ट में भारतीय क्रिकेट के प्रिंस ने बल्ले से साबित कर दिया कि टीम इंडिया में नए किंग की दस्तक हो गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले लीड्स टेस्ट में शतक और अब एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक। उनकी 269 रन की ऐतिहासिक पारी का हर तरफ इस्तकबाल हो रहा है। लेकिन संभवतः सबसे प्यारा संदेश उनके गृह राज्य के क्रिकेट एसोसिएशन का है।

गिल के दोहरे शतक पर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने उनके सबसे पहले टीवी इंटरव्यू का क्लिप एक्स पर शेयर किया है। तब गिल शुरुआती किशोरावस्था में थे। बमुश्किल 15 साल के। लेकिन उस क्लिप के साथ पीसीए ने जो लिखा है कि वो किसी का भी दिल जीत लेगा। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने एक्स पर पोस्ट किया कि, हां शुभमन गिल आपने सिर्फ नेतृत्व ही नहीं किया बल्कि आपने राज किया। पंजाब के हृदय से लेकर भारतीय क्रिकेट की आत्मा तक। आपने दुनिया को दिखाया है कि मैदान पर राजसीपन कैसा होता है। सिर्फ कप्तान ही नहीं, एक ताकत, एक आग, एक सुनहरा भविष्य। ताज पहने नहीं जाते उन्हें कमाया जाता है। और आज आपका ताज सबसे ज्यादा चमक रहा है।

सिलिच से हारकर ड्रेपर विंबलडन से हुए बाहर

लंदन, 4 जुलाई। ब्रिटेन के नंबर एक खिलाड़ी जैक ड्रेपर क्रोएशियाई टेनिस खिलाड़ी मारिन सिलिच से हारकर विंबलडन से बाहर हो गये हैं। 36 वर्षीय मारिन सिलिच ने गुरुवार को खेले गये दूसरे दौर के मुकाबले में ब्रिटेन के ड्रेपर को 6-4, 6-3, 1-6, 6-4 से हराया। विंबलडन से बाहर होने के बाद ड्रेपर ने कहा कि उनका प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने इस दौरान दो बार विम्बलडन का खिताब जीतने वाले हमवतन एंडी मरे का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, इससे मुझे लगता है कि एंडी मरे ने जो हासिल किया 'यहाँ दो बार जीतना' अविश्वसनीय था। यह दबाव नहीं है। मैं यह सोचकर मैदान पर नहीं गया था कि मुझ पर इतना दबाव है। पत्रकार हमेशा इसका जिक्र करते हैं। मैंने बस अच्छा नहीं खेला। मैं एक बेहतर खिलाड़ी से हार गया। यही मुख्य कारण है।

गेंदबाजों की फिटनेस से संबंधी चिंताएं इंग्लैंड के लिए अशुभ संकेत : वॉन

बर्मिंघम, 4 जुलाई। पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि गेंदबाजों की फिटनेस संबंधी चिंताएं इंग्लैंड के लिए 'अशुभ' संकेत हैं। वॉन ने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम ने टेस्ट मैच के दूसरे दिन पूरी मेहनत की, हालांकि भारत ने 587 रन बनाए और मेजबान टीम ने 77 के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिये। ब्राइडन कार्स को पैर की समस्या से जूझना पड़ा, जबकि बेन स्टोक्स और क्रिस वोक्स ने अपने पहले स्पैल के बाद गेंदबाजी नहीं की।

उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि ब्रायडन कार्स के साथ समस्या है और हम इंग्लैंड में पाँच मैचों की सीरीज में दूसरा टेस्ट मैच खेल रहे हैं और उसमें ज्यादा समय नहीं बीता है। इसके बाद हमें ऑस्ट्रेलिया में पांच मैच खेलने होंगे, जहां बहुत गर्मी होगी।

इस साल की शुरुआत में कार्स को पैर की उंगलियों पर गंभीर कट और छाले के कारण टीम से तीन महीने के लिए बाहर कर दिया गया था। यह समस्या क्रिसमस से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरे पर पहली बार सामने आई थी। हालांकि वह बर्मिंघम में मैदान पर रहे, लेकिन उन्हें क्षेत्ररक्षण और गेंदबाजी के दौरान कई बार लंगड़ाते हुए देखा गया।

इस बीच, स्टोक्स हैमस्ट्रिंग सर्जरी के बाद इस साल गेंदबाजी में वापस आ गए हैं। पहले दिन उनमें कमर में खिंचाव की समस्या को देखा गया और खेल से पहले लंबे अभ्यास के बाद दूसरे दिन गेंदबाजी की शुरुआत की। इसी तरह वोक्स ने दिन की शुरुआत में चार ओवर में 22 रन देने के बाद नहीं खेले। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने 45 ओवर फेंके और तीन विकेट लेकर 167 रन दिए। जॉश टंग ने संघर्ष करते हुए 119 रन देकर दो विकेट लिये। 28 ओवरों में और यहां तक कि हैरी ब्रूक ने उनकी अनुपस्थिति में अपने पार्ट-टाइम सीम के पांच ओवर फेंके। वॉन ने कहा, भारत ने शानदार और बहुत नियंत्रण के साथ बल्लेबाजी की है, लेकिन इंग्लैंड ने जिस तरह से गेंदबाजी की, वह थोड़ी चिंताजनक थी। मैंने मैदान में कुछ चीजें देखीं, जिससे मुझे लगा कि यह अशुभ संकेत है।

मेयो कॉलेज के 150 वर्षों का जश्न पोलो मैच, गोल्फ टूर्नामेंट, क्रिकेट मैच, पिकल बॉल आदि का आयोजन होगा

जयपुर, 4 जुलाई। विश्व प्रसिद्ध अजमेर स्थित मेयो कॉलेज अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इस जश्न की श्रृंखला में मेयो एलुमनाई चैप्टर, जयपुर द्वारा 11 और 12 अक्टूबर को जयपुर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में देशभर से स्कूल के पूर्व छात्र, स्कूल के बोर्ड मेम्बर्स सहित कई गणमान्य लोग शामिल होंगे। जयपुर में होने वाले कार्यक्रम के संबंध में मेयो एलुमनाई जयपुर चैप्टर की कार्यकारी समिति द्वारा अशोक क्लब में एक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष, जगदीप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें मेयो कॉलेज ओल्ड बॉय सोसायटी के अध्यक्ष, कर्नल भवानी सिंह; जयपुर चैप्टर के सचिव, पृथ्वी सिंह सहित अन्य सदस्य और आमंत्रित मेहमान उपस्थित रहे। जयपुर के कार्यक्रम के लिए 1991 बैच के पूर्व छात्र हरीश भार्गव को समारोह का संयोजक नियुक्त किया गया है। बैठक में इस दो दिवसीय समारोह के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। इसमें पोलो मैच, गोल्फ टूर्नामेंट, क्रिकेट मैच, पिकल बॉल और नारायण निवास में भव्य गेट-टूगेदर डिनर का आयोजन आदि शामिल है।

भारत ने जीता रजत पदक

अस्ताना (कजाकिस्तान), 4 जुलाई। भारत की पुंगनी तारा ने शुक्रवार को 2025 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 किलोग्राम भार वर्ग (युवा बालिका) में रजत पदक जीता। पुंगनी ने कुल 141 किलोग्राम वजन उठाया। उनके व्यक्तिगत भारोत्तोलनों में 60 किलोग्राम स्नैच, 81 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क शामिल थे, जिससे उनका उठाया कुल वजन 141 किलोग्राम हो गया।

इंडिया और बांग्लादेश सीरीज हो सकती है रद्द

बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ले सकती हैं बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 4 जुलाई। विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान पर देखने के लिए क्रिकेट फैंस बेकरार हैं। ये दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे क्रिकेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे। क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में ये दोनों खिलाड़ी नीली जर्सी में दिखाई देंगे, लेकिन अब बांग्लादेश का दौरा खटाई में पड़ता हुआ दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा रद्द हो सकता है, पड़ोसी देश में हालात अच्छे नहीं है। शायद इसी कारण से केंद्र सरकार इस दौरे की इजाजत भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को नहीं दे रही है, क्योंकि वहां पर खिलाड़ियों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है।भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने बांग्लादेश के दौरे पर जाने वाली थी, लेकिन अब इस दौरे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में इन दिनों हालात अच्छे नहीं हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद वहां पर माहौल काफी बिगड़ गए है।

अंडर-17 वर्ग में युवराज सिंह ने जीता पहला स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 4 जुलाई। 59वीं दिल्ली राज्य जूनियर और सब जूनियर तैराकी चैंपियनशिप का आज यहां तालकटोरा स्विमिंग पूल में उद्घाटन एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष सीताराम साहू और पंजाब स्विमिंग एसोसिएशन के सीईओ बलराज शर्मा ने किया। चैंपियनशिप का आयोजन 7 जुलाई तक चलेगा। चैंपियनशिप में 410 से अधिक लड़के और लड़कियां भाग ले रहे हैं।

नोवाक जोकोविच का बेहतरीन प्रदर्शन, तीसरे राउंड में पहुंचने के साथ ही बनाया रिकॉर्ड

लंदन, 4 जुलाई। विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा है। इस दौरान उन्होंने डैन इवांस को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-0 से मात देकर मेन्स सिंगल्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। इस जीत के साथ जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना 99वां मुकाबला अपने नाम किया और 19वीं बार तीसरे दौर में पहुंचने वाले ओपन एरा के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिग्गज रोजर फेडरर के नाम था, जिन्होंने 18 बार विंबलडन के तीसरे दौर तक का सफर तय किया थाइस 38 वर्षीय टेनिस स्टार ने अब तक सात विंबलडन खिताब और कुल 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस मौके पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 19 बार तीसरे दौर में पहुंचना बेहतरीन है।ये संख्या शायद यानिक सिनर और कार्लोस अल्कारेज की उम्र जितनी है। बता दें कि, पिछले दो विंबलडन फाइनल में जोकोविच को हराने वाले अल्कारेज की उम्र 22 साल है जबकि दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर 23 साल के हैं।

134वें डूरंड कप ट्रॉफियों को राष्ट्रपति ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई दिल्ली, 4 जुलाई। विरासत और राष्ट्रीय गौरव से भरे इस ऐतिहासिक क्षण में, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) से 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप, एशिया का सबसे पुराना और भारत का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट, को औपचारिक रूप से प्रारंभ करते हुए तीन प्रतिष्ठित डूरंड कप ट्रॉफियों को रवाना किया। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब राष्ट्रपति ने यह प्रतीकात्मक कार्य किया है, जो डूरंड कप की खेल, सेवा और राष्ट्रभक्ति के संगम के रूप में स्थायी महत्व की पुष्टि करता है। यह समारोह स्वतंत्रता के बाद की उस गौरवशाली परंपरा को भी जारी रखता है, जिसमें देश के सर्वोच्च सेनापति की डूरंड कप से सीधी भागीदारी रही है।

वूमेन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 का हुआ भव्य आगाज

जयपुर, 4 जुलाई। वीरांगना वेलफेयर के तत्वावधान में आयोजित वूमेन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 का जय क्लब में भव्य आगाज हुआ। क्रिकेट प्रतियोगिता में महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए खेल प्रतिभा का परिचय भी दिया। इस मुकाबले में रॉयल वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7.1 ओवर में 15 रन बनाए और 7 विकेट गवाए जिसके बाद स्पेशल टास्क एडवोकेट के बॉलर रौनक शेखावत ने 1 विकेट लिया। स्पेशल टास्क एडवोकेट ने बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन किरण शर्मा 10 रन, सलिता 4 रन, मिडसु 2 रन बनाए। यह मैच स्पेशल टास्क एडवोकेट टीम ने 9 विकेट से जीता।

8वीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 4 जुलाई। सबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 8वीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पहले मैच में नावेद खान 51 रन (42 गेंद 6 चौके 2 छक्के) के अर्द्धशतक तथा आयुष्ट आमेरिया 36 रन व 26 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत ऐमी क्रिकेट एकेडमी ने रेल्वे क्रिकेट एकेडमी को 25 रन से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित कर 4 अंको से सेमीफाईनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर ऐमी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नावेद खान 51 रन, आयुष आमेरिया 36 रन, यथार्थ भारद्वाज 26 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 164 रन बनाये रेल्वे एकेडमी की ओर से अविनाश शर्मा, अर्णव वशिष्ठ, नावेद खान, राकेश लरूसान ने 1-1 विकेट लिये। जवाबी पारी में हैदर रशीद 57 रन (48 गेंद 3 चौके 4 छक्के) मयंक परमार 32 रन की पारियों के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट 139 रन ही बना सकी।

दूसरा मैच : आज खेले गये दूसरे मैच में नीरजा मोदी एकेडमी ने प्रतीक मान 57 रन (41 गेंद, 4 चौके 3 छक्के), मानेन्द्र सिंह 35 आदित्य झाला 32 रन की मददद से वी.जी. डी आधार पर कैंडलविक एकेडमी को 17 रन से हराकर पूल-ए तीनों मैच जीतकर 6 अंकों के साथ पहला स्थान तथा केन्डलविक ने 4 अंक के साथ दूसरे स्थान हासिल कर सेमीफाईनल में प्रवेश किया नीरजा मोदी ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोर 167 रन बनाये केन्डलविक की ओर से आदित्य सर्राफ 15/2, कुशाग्र ओझा, सार्थक त्यागी, आयुष गुर्जर प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में केन्डलविक एकेडमी ने ओशनिक ठोवर 54 रन नाबाद (44 गेंद, 4 चौके 2 छक्के) अनिकेत श्रीवास्तव 21 रन की मदद से 6 विकेट पर 125 रन बनाये। वर्षा से मैच रोकना पड़ा और फिर वी.जे.डी. द्वारा, नीरजा मोदी 17 रन से जीत गयी नीरजा मोदी की ओर मोटी जयसवाल, मानेन्द्र सिंह, चिराग शर्मा व हर्षित शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

तीसरा मैच आज खेले गये तीसरे मैच में हैदर रशीद 107 रन नाबाद (50 गेंद 9 चौके 8 छक्के) के शानदार नाबाद शतक, मयंक परमार 33 रन, अंकित सैन, 19 रन नाबाद की मदद से 14 ओवर में 1 विकेट खोकर रेल्वे क्रिकेट एकेडमी ने 1 विकेट खोकर 175 रन बनाये शिवा एकेडमी की ओर से भास्कर 1 मात्र विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहा। जवाबी पारी में शिवा क्रिकेट एकेडमी के बल्लेबाजों ने 176 रन के लक्ष्य को लेकर उतरे मगर तेज गति से रन बनाने के प्रयास में लगातार विकेट गिरने लगे तो उनके बल्लेबाज 14 ओवर तक टिक कर 14 ओवर में 6 विकेट खोकर 44 रन बनाये और 131 रन से मैच गवां दिया।

एएफसी महिला एशिया कप ऑस्ट्रेलिया 2026 में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे भारत और थाईलैंड

चियांग माई (थाईलैंड), 4 जुलाई। भारत और थाईलैंड की महिला फुटबॉल टीमें शनिवार को एएफसी महिला एशिया कप ऑस्ट्रेलिया 2026 में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। दो महीने से अधिक लगातार मेहनत और ग्रुप में तीन जीत के बाद भारतीय महिला टीम कल चियांग माई स्टेडियम की 700वीं वर्षगांठ पर छह बजे पर एएफसी महिला एशिया कप ऑस्ट्रेलिया 2026 में जगह बनाने के लिए थाईलैंड से भिड़ेगी। भारतीय टीम के लिए यह इतिहास का एक नया अध्याय लिखने का अवसर होगा। भारत इससे पहले कभी भी क्वालीफायर के जरिए एएफसी महिला एशिया कप में नहीं पहुंचा है। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में महाद्वीप के शीर्ष चरण में जगह बनाई थी। उस समय कोई क्वालीफायर नहीं था। भारत ने मेजबान देश के रूप में एएफसी महिला एशिया कप 2022 में भाग लिया था, लेकिन टीम में कोविड प्रकोप के कारण उसे हटना पड़ा। भारतीय टीम के पास यह तीन साल पहले की गई गलतियों को सुधारने का अवसर होगा। भारत के लिए बड़ा सपना निश्चित रूप से 2027 में फीफा महिला विश्व कप के लिए पहली बार क्वालीफिकेशन हासिल करना है। ब्राजील का रास्ता ऑस्ट्रेलिया से होकर जाता है। थाईलैंड की रैंकिंग 46वीं है जोकि भारत से 24 पायदान ऊपर है।

राजस्थान के 24 निशानेबाजों का एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप, कजाकिस्तान 2025 के लिए हुआ चयन

जयपुर, 4 जुलाई। कजाकिस्तान के सिमकेंत शहर में होने वाली में एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप, कजाकिस्तान 2025 जो की 16 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक होगा। इस प्रतियोगिता में राजस्थान शूटिंग के 24 प्रतिभाशाली निशानेबाजो का चयन हुआ है जो कि भारत का नेतृत्व करेंगे। पूर्व में भारत में आयोजित प्रतियोगिताओ में राजस्थान के इन खिलाड़ियों द्वारा बहुत ही शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि निशानेबाजो के समर्पण, कौशल और निशानेबाजी के खेल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। शूटर्स ने अपने शूटिंग करियर के दौरान लगातार असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है और उन्हें भारतीय निशानेबाजी दल में एक अच्छी जगह बनाई है। एशियाई गेम्स-2025 के लिए निशानेबाजों का चयन राजस्थान रायफल संघ के लिए बड़े सम्मान का क्षण है। यह खेल में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एसोसिएशन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एशियाई गेम्स-2025 में सेलेक्ट होने के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। हमें विश्वास है खिलाड़ियों द्वारा इस प्रतियोगिता में पदक हासिल कर अपने देश व राज्य का नाम रोशन करेंगे उनके उल्लेखनीय कौशल और अटूट भावना से निशानेबाज और देश दोनों का गौरव बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खेल हित में शानदार कार्य किया जा रहा है : विनोद सहारण

जयपुर, 4 जुलाई। विनोद सहारण, सचिव जिला क्रिकेट संघ गंगानगर एवं पूर्व संयोजक एडहोक कमेटी राजस्थान क्रिकेट संघ ने कहा कि मुख्यमंत्रीद्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के तदि खोलने का स्वागत करते हैं। राजस्थान क्रिकेट संघ के कार्यालय एसएमएस स्टेडियम जयपुर खुलवाने के लिये बहुत समय बाद भाजपा सरकार ने खेल हित में ही निर्णय किया है।मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खेल हित मे शानदार कार्य किया जा रहा है। मेरा विश्वास है कि जल्दी दीनदयाल कुमावत के नेतृत्व मे एडहॉक के सभी सदस्य जल्दी चुनाव करवाकर राजस्थान क्रिकेट संघ कार्यकारिणी का गठन किया जा सकेगा। सभी एडहोक के सदस्य भाजपा परिवार के अहम सदस्य है। अब जल्द ही कांठोस के एजेंटों का सफाया होगा और जल्द ही चुनाव की घोषणा करेंगे। ऐसा सभी खेल प्रेमी और खेल प्रशासक के लिये महत्वपूर्ण कार्य होगा। ये सोच हमारे खेल मंत्री राज्यवद्धर्न सिंह राठौड़ और एडहोक कमेटी आरसीए के सदस्य धनंजय सिंह खिवसर समय समय पर कहते रहे कि एडहोक का काम ही चुनाव करवाने का है। हमे पूर्ण विश्वास है अब जल्दी ही चुनाव का कार्य सम्पन्न करवाया जायेगा। भाजपा कभी जातिवाद पर राजनीति नही कीओर ना ही खेल में राजनिति की है।वर्तमान कमेटी खेल हित में निर्णय करेगी।

मारवाड़ खेल महोत्सव की ओर से जयपुर से कुणाल मनचंदा होंगे अध्यक्ष

जयपुर, 4 जुलाई। जोधपुर राज मारवाड खेल महोत्सव की ओर से राष्ट्रीय स्तर के बिलियर्ड्स स्नूकर खिलाड़ी और टेबल खेल के प्रति समर्पण और इस खेल में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना कई खेल आयोजन करवाने वाले प्रतिष्ठित खिलाड़ी कुणाल मनचन्दा को राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल आयोजन करने वाले राज मारवाड खेल महोत्सव द्वारा राजस्थान के जयपुर जिले से कुणाल मनचन्दा को बिलियर्ड्स स्नूकर विंग के अध्यक्ष पद से सुशोभित किया है जयपुर संभाग से राज मारवाड खेल महोत्सव में भाग लेने वाले सभी खिलाडियों का चयन आप ही के द्वारा निर्धारित किया जाएगा। सह संस्थापक राजेन्द्र कुमार गुर्जर ने बताया की आज की बैठक में अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह दोनों उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह भाटी भानु प्रताप सिंह चौहान के अलावा सभी पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

आरसीए एडहॉक कमेटी कल आरसीए अकादमी कार्यालय पर ग्रहण करेगी पदभार

जयपुर, 4 जुलाई। राज्य सहकारिता विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन हेतु गठित आरसीए एडहॉक कमेटी आगामी दिनांक 6 जुलाई को सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पहुंच विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभालेगी।

राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों धनञ्जय सिंह खींवसर, पिंकेश पोरवाल, आशीष तिवारी व मोहित यादव की उपस्थिति में दिनांक6 जुलाई को प्रातः 11.11 बजे आरसीए अकादमी स्थित आरसीए ऑफिस में आरसीए एडहॉक कमेटी विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण करेगी। डी डी कुमावत के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी को राज्य में क्रिकेट के विकास व राजस्थान क्रिकेट संघ को पुनः पटरी पर लाने की जो जिम्मेदारी व विश्वास राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने दी है उसे समस्त आरसीए एडहॉक कमेटी अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ पूर्ण करेगी।

'डेढ़ साल में कोटपूतली-बहरोड़ को 4500 करोड़ रू. विकास के लिए दिये'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने गिरुड़ी ग्राम पंचायत में अंत्योदय शिविर में लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिये

कोटपूतली, 4 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को शाम को बानसूर की निकटवर्ती ग्राम पंचायत गिरुड़ी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवड़ा शिविर का अवलोकन किया तथा योजनाओं के लाभान्वितों से बातचीत की।

इस दौरान, जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर हमारा संकल्प है। राजस्थान सरकार शिविर के माध्यम से हर घर तक योजनाओं को लेकर जा रही है। चाहे वह उज्ज्वला गैस योजना हो, वृद्धावस्था पेंशन, किसानों के लिए मुख्यमंत्री फसल बीमा योजना, छात्रवृत्तियां, जन आवास योजनाएं या रोजगार बढ़ाने के प्रयास। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ है।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि 2027 तक किसानों को दिन में बिजली मिलने लगेगी तथा घरेलू बिजली 24 घंटे मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बानसूर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कई योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र व स्कूटी वितरित की।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले डेढ़ साल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। सरकार ने वादा किया था कि युवाओं को 5 साल में चार लाख नौकरियाँ देगी।

उनके लिए सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कोटपूतली बहरोड़ जिले को डेढ़ साल में साढ़े चार हजार करोड़ रुपये विकास के लिए दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2027 तक किसानों को दिन में बिजली मिलने लगेगी एवं 24 घंटे घरेलू बिजली मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजबपुरा सरपंच प्रियंका नरूका और हमीरपुर सरपंच सीता सैनी को टीबी-मुक्त ग्राम पंचायत बनाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और अन्य योजनाओं में लाभार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर स्वागत किया और बानसूर कस्बे में सीवर लाइन डालने, रामपुर ग्राम पंचायत को नगरपालिका बनाने व हरसौरा को तहसील बनाने की मांग की।

इस अवसर पर विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने भी सभा को सम्बोधित किया। कोटपुतली, बहरोड़ जिला प्रभारी मंत्री विजय चौधरी, कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़,बहरोड़ विधायक जसवंत यादव पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव, शशिकांत बोहरा, जिला अध्यक्ष सहित, बड़ी संख्या में भाजपाई इस अवसर पर मौजूद थे।

'भगवान को न्याय में देखें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से कहा था कि जजों को देवताओं से जोड़ने की प्रवृत्ति गलत है। उन्होंने कहा था कि जज का कर्तव्य जनहित की सेवा करना है और उन्होंने चेतावनी दी थी कि कोर्ट न्याय का मंदिर है यह कहना एक गंभीर खतरा है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कोलकाता में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था। "जब हमें मान्यवर या लॉर्डशिप या लेडीशिप के रूप में संबोधित किया जाता है, तो यह एक बहुत ही गंभीर खतरा है और लोग कहते हैं कि कोर्ट न्याय का मंदिर है।

यह एक गंभीर खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवता के रूप में देख सकते हैं।"

उन्होंने यह भी कहा था, "इसलिए मैं अपने बारे में बात करते हुए कहूं तो, हालांकि मेरे अपने व्यक्तिगत मूल्य हैं जो मेरे काफी करीब हैं, मुझे थोडा संकोच होता है जब मुझे कहा जाता है कि यह न्याय का मंदिर है, क्योंकि मंदिर यह मानता है कि न्यायाधीश देवता की स्थिति में होते हैं।"

कोलकाता रेपः केस पुलिस ने क्राइम सीन रीक्रिएट किया

कोलकाता, 04 जुलाई। कोलकाता में लॉ की छात्रा के साथ हुए गैंगरेप मामले में पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में मुख्य आरोपी समेत कुल चार को गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ जारी है। कोलकाता पुलिस ने आज सुबह इस घटना को लेकर क्राइम सीन को रीक्रिएट किया। इस दौरान सभी चार आरोपी पुलिस के साथ ही मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने आरोपी को करीब 5 घंटे घटनास्थल पर ही रखा। सीन रीक्रिएट करने के बाद आरोपियों को वापस लेकर जाया गया।

पुलिस की जांच के बीच मोनोजीत मिश्रा को लेकर कई बड़े और चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार आरोपी मोनोजीत मिश्रा का लम्बा आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। कोलकाता पुलिस के टॉप सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि इनमें से कई मामले महिलाओं के साथ छेड़खानी और उनके साथ बदसलूकी के हैं। मोनोजीत इन सभी मामलों में जमानत पर चल रहा था। पीड़िता कॉलेज में पहले दिन से मोनोजीत के निशाने पर थी।

- पुलिस चारों गिरफ्तार आरोपियों को लॉ कॉलेज लेकर गई।

25 जून को हुए पीड़िता के साथ सामुहिक दुस्कर्म के बाद से मुख्य आरोपी मनीजित मिश्रा ने कुछ भरोसेमंद साथियों को कॉलेज में रुककर कासबा पुलिस स्टेशन के आसपास निगरानी करने को कहा था। कॉलेज से पुलिस स्टेशन करीब एक किलोमीटर दूर है।

इसके बाद वह दूसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद के साथ कॉलेज से निकल गया।अगले दिन सुबह मोनोजित ने एक कॉलेज अधिकारी को कॉल किया और पुलिस के आने के बारे में पूछा। उसी दिन प्रमित ने एक वकील से संपर्क किया और दोनों ने कॉलेज के कई वरिष्ठ छात्रों से भी मदद मांगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने माधोगढ़ में थानागाजी विधायक कांति मीणा के पेट्रोल पंप उद्घाटन व सवामणी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनका कई जगह पर माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

'केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार को महंगाई व बेरोजगारी की फिक्र नहीं'

सचिन पायलट ने थानागाजी विधायक के पेट्रोल पंप के उद्घाटन व सवामणी में भाग लिया

- पायलट का प्रतापगढ़, पडाक छापली, चौसला, आगर आदि विभिन्न स्थानों पर माला व साफा पहना कर स्वागत किया गया। पायलट के कार्यक्रम में भंवर जितेन्द्र सिंह, सांसद मुरारी लाल मीणा, दौसा, राजगढ़, मुंडावर, किशनगढ़बास, शाहपुरा के विधायक व कई पूर्व विधायक भी मौजूद थे।

प्रतापगढ़ , 4 जुलाई (निस)। समीपवर्ती गांव माधोगढ़ में एक निजी कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट का प्रतापगढ़ , पडाक-छापली, चौसला, आगर सहित, विभिन्न जगहों पर कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

माधोगढ़ में थानागाजी विधायक कांति मीणा के पेट्रोल पंप उद्घाटन व सवामणी कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस संगठन महासचिव सचिन पायलट, पूर्व मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह, दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा, दौसा विधायक डीसी बेरवा, राजगढ़ विधायक मांगीलाल मीणा, पूर्व मंत्री शंकुतला रावत, मुंडावर विधायक ललित यादव, किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खोरिया, पूर्व विद्यायक गोपाल मीणा, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, शाहपुरा विधायक मनीष यादव सहित, अनेक दिग्गज कांग्रेस नेताओं के आगमन पर जगह-जगह जेसीबी मशीन से फूल बरसाकर स्वागत किया किया। इस अवसर पर मंच से आमजन को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार को महंगाई व बेरोजगारी की कोई फिक्र नहीं है। हर कोई राज्य में पिछली सरकार के कामों को याद कर रहा है। भाजपा धर्म साम्प्रदायिकता सम्बन्धी झगड़ों को बढ़ावा दे रही हैं।

आगामी दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा वहां नागरिकों की मतदाता सूची तैयार करवा रही है।

देश में अगर विपक्ष जनता के लिए आवाज उठाता है तो सरकारी संस्थाओं के माध्यम से उस पर ईडी, इनकम टैक्स जैसी कई संस्था को पीछे लगाकर उसे दबाने की कोशिश की जाती है। इस अवसर पर अलवर,जयपुर ग्रामीण व दौसा से अनेक कांग्रेस संगठन के अनेक पदाधिकारी व स्थानीय ग्रामीण महिला-पुरुष मौजूद थे।

बिहार के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआईआर के खिलाफ शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की जायेगी। यह राष्ट्रीय मसला है। बिहार के बाद अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया शुरु की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक यह मसला सिर्फ राज्य का होता तो इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाती। चूंकि यह राष्ट्रीय स्तर का मामला है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट का दवाजा खटखटाया जायेगा। सूत्रों के अनुसार अगर सर्वोच्च न्यायालय इसे हाई कोर्ट ले जाने के लिए कहेगा तो संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत इसके खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जायेगी।

पिछली सरकार के इस्तीफा प्रकरण की सुनवाई 4 सप्ताह टली

- हाई कोर्ट ने पाँच तत्कालीन विधायकों, शांति धारीवाल, महेश जोशी, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस तामील कराने के निर्देश दिए।

जयपुर, 4 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के तत्कालीन 81 विधायकों के इस्तीफे देने से जुड़े मामले में 6 विधायकों द्वारा अपने और 75 विधायकों के इस्तीफे की कॉपी स्पीकर को सौंपने वाले तत्कालीन पांच विधायकों पर नोटिस तामील नहीं होने पर मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी। अदालत ने पांचों विधायकों पर नोटिस तामील कराने को कहा है। चीफ जस्टिस एम एम श्रीवास्तव और जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने यह आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि अदालत की ओर से पूर्व में छह विधायकों शांति धारीवाल, महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। लेकिन अभी तक सिर्फ रफीक खान को ही नोटिस की तामील हुई है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी।

याचिका में कहा गया कि 81 विधायकों ने 25 सितंबर, 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता ने कई बार स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफों पर निर्णय करने को कहा, लेकिन उन्होंने कोई निर्णय नहीं लिया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को कहा गया कि इस्तीफा देने के बाद इन 81 विधायकों ने वेतन भत्तों के तौर पर करीब 18 करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं। ऐसे में इस बिन्दु पर उचित आदेश दिए जाए। इसके अलावा स्पीकर के समक्ष लंबित इस्तीफों के संबंध में निर्णय करने की अधिकतम समय सीमा तय की जाए।

अधिवक्ता हेमंत नाहटा ने बताया कि इन छह तत्कालीन विधायकों ने अपने व 75 अन्य विधायकों के इस्तीफे स्पीकर को सौंपे थे। वहीं तत्कालीन स्पीकर ने इन इस्तीफों को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि विधायकों ने अपने इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिए थे। इसलिए इन विधायकों को मामले में पक्षकार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया था, ताकि पता चल सके कि विधायकों ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे।

कुंभलगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए बंद रहेगा। समिति ने तय किया है कि केवल सुबह 6 से 8 बजे और शाम 6 से 8 बजे तक जरूरी वस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिए दुकानें खोली जाएंगी।

विवाद का असर कुंभलगढ़ में पर्यटन और स्थानीय व्यापार पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है। शुक्रवार को दूर-दूर से आए सैकड़ों पर्यटक किले के बाहर से ही लौटते देखे गए।

होटल, दुकानें और गाइड सेवाएं सब ठप हो गई हैं। इससे ना केवल पर्यटकों को असुविधा हो रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ रहा है।

'चीन, पाकिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैयरैक्टर और अन्य अनेक ड्रोन प्रदान किए।"

साथ ही, तुर्की और चीन दोनों ही भारत के प्रयासों को बढ़ने से रोकने के लिए प्रयत्नशील थे। संघर्ष के निचले स्तर पर, बीजिंग और अंकारा दोनों जानते थे कि इस्लामाबाद की भारत पर बढ़त है। दूसरी ओर, यदि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को तेज करके संघर्ष की स्तर को ऊपर ले जा पाता तो भारत की मूलभूत ताकतों को नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो जाता।

इसलिए, भारत के युद्ध के प्रयासों को जटिल बनाकर और शांति का रास्ता दिखा कर तुर्की जैसे देशों ने प्रभावी रूप से युद्ध का उपयोग अमेरिका के बाद वैश्विक व्यवस्था में अपनी खुद की स्थिति को सुधारने के लिए किया।

उन्होंने कहा कि भारत को हमेशा "एस्केलेशन लैडर" पर एक कदम आगे रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, "जब हम एक सैन्य उद्देश्य तक पहुंच जाते हैं, तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि उसे वहीं रोक दें, युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन उसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है। इसलिए मैं यह कहना चाहूँगा कि यह एक बहुत ही कुशल दांव था, जो युद्ध को उपयुक्त समय पर रोकने के लिए उठाया गया था।"

सिंह ने यह भी कहा कि संघर्ष विराम होने से पहले, भारत की ओर से वह कठोर प्रहार पूरी तरह तैयार था तथा पाकिस्तान को एहसास हो गया था कि वह बुरी स्थिति में पहुँच सकता है, यही कारण था कि उसने संघर्षविराम की मांग की।

सिंह ने यह स्पष्ट किया कि भारत की रणनीति अब बदल चुकी है।

उन्होंने कहा, "यदि आवश्यक हुआ तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अब दर्द सहने की कोई गुंजाइश नहीं है, जैसा कि हमने कुछ साल पहले किया था। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो स्पष्ट और बुलंद आवाज में सामने आ चुका है।"

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के इस स्वीकारोक्ति और खुलासे, जिसे मोदी सरकार छिपाने की कोशिश कर रही है, पर नज़र डालने से यह साफ़ होता है कि रणनीति तय करने वाले ग्रुप, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे, ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का निर्णय लेते समय चीन के कारक को ध्यान में नहीं रखा था।

युद्ध के एक पुराने अनुभवी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि सैन्य हमला शुरू करने के लिए केवल साहस से भरे शब्द ही पर्याप्त नहीं होते, ऐसा कदम उठाने के लिए सभी संभावित कारकों को ध्यान में रखते हुए व्यापक योजना बनानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सामान्य व्यक्ति भी इस बात को खारिज नहीं करता कि चीन पाकिस्तान की पूरी तरह से सहायता करेगा।

पीएम मोदी को त्रिनिदाद-टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला

पोर्ट ऑफ स्पेन, 04 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता, भारतीय प्रवासी समुदाय से गहरे जुड़ाव और कोविड-19 महामारी के दौरान मानवीय प्रयासों के लिए दिया गया। बता दें कि पीएम मोदी फिलहाल पांच देशों के दौरे पर हैं और त्रिनिदाद और टोबैगो की यह दो दिन की यात्रा उनका दूसरा पड़ाव है। वहीं सम्मान मिलने के बाद उन्होंने कहा, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होकर मैं गौरवान्वित हूं।

सब लैफ्टिनैंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एडमिरल जनक बेवली ने प्रतिष्ठित 'विंग्स ऑफ गोल्ड' पुरस्कार से सम्मानित किया।

सब लेफ्टिनेंट पूनिया नौसेना विमानन की फाइटर स्ट्रीम में शामिल होने वाली पहली महिला हैं। इससे नौसेना में महिला फाइटर पायलटों के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

नौसेना में टोही विमानों और हेलीकॉप्टरों में पायलट तथा नौसेना वायु संचालन अधिकारियों के रूप में पहले से ही महिला अधिकारी काम कर रही हैं। नौसेना ने सब लेफ्टिनेंट पूनिया की इस उपलब्धि की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भी दी है। पोस्ट में लिखा है , नौसेना विमानन में एक नया अध्याय। भारतीय नौसेना ने तीन जुलाई को द्वितीय बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के साथ ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया।

कांग्रेस बिहार में 5 लाख महिलाओं को सैनिटरी पैड बाँटेगी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने यह घोषणा कर यह भी बताया कि पैड के पैकेट पर राहुल गाँधी की तस्वीर होगी

पटना, 04 जुलाई। बिहार में विधानसभा चुनाव सन्निकट है और प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश के अध्यक्ष राजेश कुमार ने महिलाओं के लिए एक नई योजना की घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य की 5 लाख महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी पैड बांटेगी। जिसके पैकेट पर राहुल गांधी की तस्वीर होगी।

कांग्रेस की इस घोषणा पर भाजपा ने कड़ा एतराज जताया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, "सैनिटरी पैड पर राहुल गांधी की तस्वीर लगाना बिहार की महिलाओं का अपमान है। कांग्रेस महिला विरोधी पार्टी रही है और अब वह सस्ती लोकप्रियता के लिए महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ कर रही है। बिहार की महिलाएं कांग्रेस और आरजेडी को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देंगी।"

अब देखना यह होगा कि कांग्रेस की यह नई पहल चुनावी मैदान में कितना असर डालती है और महिला वोटर्स की प्राथमिकता को कितना प्रभावित कर पाती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि इन सैनिटरी पैड के पैकेट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर छपी होगी, और इसे माई-बहन मान योजना के तहत वितरित किया जाएगा।

कोचिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोचिंग सेंटरों के विद्यार्थियों की ओर से आत्महत्या करने के मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान ले रखा है।

अमेरिका व भारत के बीच टैरिफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- अमेरिका के इस अद्भुत बर्ताव से भारत अमेरिका के आपसी संबंधों में खटास तो आनी ही थी, और इससे टैरिफ वार्ता को पटरी से उतरना ही था।

अमेरिका द्वारा लगाए गए एकतरफा शुल्क के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत ने औपचारिक रूप से अमेरिका के साथ कुछ व्यापार मुद्दों पर असहमति व्यक्त की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत के साथ एक बहुत बड़ा व्यापार समझौता जल्द ही पूरा हो जाएगा। यह दावा उन्होंने उस समय किया, जब चीन ने अमेरिका को महत्वपूर्ण दुलर्भ खनिजों (रेअर अर्थ) की आपूर्ति का समझौता हाल ही में किया था। ट्रंप ने चीन को चेतावनी दी थी कि अगर कोई व्यापार समझौता नहीं हुआ तो उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

भारत के मामले में, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में आई तल्ख़ी का असर व्यापार समझौते की गति पर भी पड़ा है।

ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को वाइट हाउस में लंच के लिए आमंत्रित किया था। माना जाता है कि मुनीर के भारत और पाकिस्तान को लेकर दिए गए भड़काऊ बयान ने पहलगाम में हुई हत्याओं की पृष्ठभूमि तैयार की थी। इसके बाद से भारत और अमेरिका के रिश्ते मित्रता से हटकर एक तरह की औपचारिकता तक सीमित हो गए।

ट्रंप समझौते करने को लेकर लगातार ऐसे दावे कर रहे थे जो भारत पर दबाव डालने जैसे लगते थे। उन्होंने यह तक कह दिया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच "युद्ध विराम" उनके व्यापार प्रस्ताव के कारण संभव हो सका।

ट्रंप के दावों को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विभिन्न मंचों पर सिरे से खारिज किया।

ट्रंप के दावों के बाद, पाकिस्तान ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिशें कीं, यहां तक कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने का प्रस्ताव दिया।

अहम् से भरी उनकी मानसिकता इस हद तक पहुँच गई कि ट्रंप ने एक बार, जब पिछले पोप का निधन हुआ, खुद को अगला पोप तक घोषित कर दिया।

अब तक दो दौर की बातचीत हो चुकी है, पहले दौर में एक उच्च स्तरीय अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल भारत आया था। उसके बाद भारत की ओर से विशेष सचिव के नेतृत्व में एक टीम वॉशिंगटन गई थी।

वैसे भी, व्यापार समझौते जटिल प्रकिया होते हैं और इन्हें जल्दबाज़ी में नहीं निपटाया जा सकता। इन्हें अंतिम रूप देने से पहले औद्योगिक क्षेत्रों की चिंताओं को गहराई से समझना पड़ता है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मामले में, कुछ विशेष क्षेत्रों में बाकी बचे मुद्दों को हल किए बिना अंतिम समझौता नहीं हो सकता।

इन क्षेत्रों में कृषि एवं कृषि-आधारित उद्योग, ऑटोमोबाइल, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा उत्पाद, वस्त्र, प्लास्टिक, रसायन, झींगा और अंगूर जैसे अनेक श्रमिक-प्रधान क्षेत्र शामिल हैं। यह उल्लेखनीय है कि अंगूर एक महत्वपूर्ण वस्तु बन गए हैं क्योंकि भारतीय किसान अब शराब उत्पादन के लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता वाले अंगूर उगा रहे हैं।

अमेरिका ने नट्स, डेयरी उत्पादों और अन्य वस्तुओं पर शुल्क रियायतों का प्रस्ताव दिया ह

हालिया दौर के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि बातचीत विभिन्न क्षेत्रों में मतभेदों के कारण रुक गई है। फिलहाल भारत को अमेरिका की ओर से अधिक शुल्क का सामना करना पड़ सकता है।

'लंगड़े बारात के घोड़े, "रेस हॉर्स"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- गुलाम नबी भी गहमागहमी में पार्टी छोड़ तो गए, पर अब "लाइट वेट" जयराम रमेश जैसे लोग उन्हें पुनः पार्टी में प्रवेश नहीं दे रहे हैं।
- ज्योतिरादित्य सिंधिया व आर.पी.एन. सिंह भाजपा में शामिल हो गए। क्योंकि कांग्रेस में उन्हें वो मान-सम्मान नहीं मिल रहा।
- अब अगली बारी शशि थरुर की है।

हैं, आज पूरी तरह से किनारे कर दिए गए हैं और उनकी वापसी की भी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि उन्होंने सोनिया गांधी के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था तथा नेतृत्व के साथ विश्वासघात किया था। वे इतिहास के कूड़ेदान का हिस्सा हो गये हैं तथा अब उनके पुनरागमन की कोई संभावना नहीं दिखती, भले ही कांग्रेस के कई नेता उनके पक्ष में हों।

कमलनाथ भी अब पार्टी से बाहर हैं। उन्होंने गांधी परिवार के लिए लंबे समय तक काम किया और उसकी वित्तीय सुरक्षा का भी ध्यान रखा। लेकिन जब राहुल गांधी मध्य प्रदेश के संदर्भ में "लंगड़े घोड़े" की बात करते हैं, तो शायद उनका इशारा कमलनाथ की ओर ही होता है।

हरियाणा के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा के घर हर दिन राजनीतिक आगन्तुकों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन राहुल गांधी को लगता है कि हुड्डा को अब राजनीति से रिटायर हो जाना चाहिए ,क्योंकि वे राजनीति के लिए उपयोगी नहीं रहे हैं।

ऐसे उदाहरण हर राज्य में मिल जाएंगे। अब शशि थरूर को भी दरकिनार करने या उन्हें पार्टी से बाहर करने की कोशिश चल रही है, जबकि बाकी दुनिया उन्हें एक असैट के रूप में देखती है।

गुलाम नबी आजाद, जिनके पास अपार संगठनात्मक अनुभव है, केवल इसलिए पार्टी से बाहर हो गए, क्योंकि उन्होंने कुछ सच्चाई बोल दी थी। जब उन्होंने पार्टी में वापस आने की कोशिश की, तो जयराम रमेश जैसे आधारहीन नेताओं ने ऐसा नहीं होने दिया।

मनीष तिवारी न केवल प्रतिभाशाली हैं, बल्कि बहुत स्पष्ट वक्ता भी हैं। लेकिन उन्हें भी किनारे कर दिया गया, क्योंकि वे राहुल गांधी के चापलूसी वाले ब्रांड में फिट नहीं बैठते।

ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा आरपीएन सिंह जैसे कई प्रतिभाशाली नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गए, क्योंकि उनसे काम तो खूब लिया गया, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया।

ऐसे नेताओं की सूची बहुत लंबी है, जो खुद को उपेक्षित महसूस करते है और जिन्हें लगता है कि उन्हें पार्टी की सेवा के लिए प्रशंसा नहीं मिल रही है।

जब राहुल गांधी कहते हैं कि बारात के घोड़े रेस के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं और रेस के घोड़े बारात में, तब पार्टी का एक चतुर सदस्य टिप्पणी करता है: "यह बात अन्य बहुत से लोगों की अपेक्षा राहुल गांधी पर ही सबसे ज़्यादा लागू होती है!" लेकिन उनसे यह बात कहे कौन?

राहुल गांधी का मुख्य निशाना अहमद पटेल थे। उन्होंने उन्हें हटाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया था। ने अहमद - मुक्त कांग्रेस चाहते थे। लेकिन कुदरत ने अपना काम किया और अहमद पटेल शीघ्र ही दुनिया से विदा हो गए।

आज की राहुल गांधी की कांग्रेस अव्यवस्था, राजनीतिक समझ की कमी और अनुभवहीन युवा नेताओं के भरोसे चल रही है और राहुल उन्हीं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर 'घोड़े' चुनावी रणभूमि में नाकाम हो रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908